

डीएमके ने किया सरकार बनाने... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



चित्रांगदा सिंह ने की सलमान... 11

वर्ष - 02, अंक - 226 | गाजियाबाद / बुधवार 18 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

यूरिया से ज्यादा असरदार होगा ग्रीन अमोनिया!

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि देशभर में 10,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में ग्रीन अमोनिया के परीक्षण किए जा रहे हैं। इनमें पंजाब का 1,800

● देशभर में 10 हजार हेक्टेयर में चल रहा परीक्षण

हेक्टेयर क्षेत्र भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यह यूरिया से कहीं अधिक प्रभावी है। वहीं भारत का बागवानी उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में 4.36 प्रतिशत बढ़कर 38.69 करोड़ टन रहने का अनुमान है। कृषि मंत्री सरकार का तीसरा अग्रिम अनुमान जारी किया।



मंगलवार को शिवराज सिंह चौहान मोहाली के बदरपुर गांव में एक खेत में ग्रीन अमोनिया का परीक्षण प्रत्यक्ष तौर पर देखने पहुंचे। इस मौके पर पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, पंजाब में हम पहले ही 1,015 हेक्टेयर क्षेत्र में परीक्षण कर चुके हैं। संगरूर, बठिंडा, अमृतसर, होशियारपुर, कपूरथला और नवांशहर में भी परीक्षण किए जाएंगे और हम इनके नतीजों का आकलन करेंगे। वैज्ञानिकों का हवाला देते हुए चौहान ने कहा कि यूरिया में 46

● केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने बताया फायदा

प्रतिशत नाइट्रोजन होती है, जबकि ग्रीन अमोनिया में इसकी मात्रा करीब 82 प्रतिशत होती है। उन्होंने कहा, 46 प्रतिशत की तुलना में 82 प्रतिशत का मतलब है कि यह कहीं अधिक प्रभावी है। मंत्री ने कहा कि किसान जब यूरिया डालते हैं, तो उसका वास्तविक उपयोग केवल करीब 40 प्रतिशत ही हो पाता है।

किसानों के लिए खुल रहे आय के नए स्रोत

कृषि मंत्री ने कहा, व्यावसायिक और नकदी फसलों की ओर यह बढ़ता रुझान न केवल किसानों के लिए आय के नए स्रोत खोल रहा है, बल्कि कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और प्रगति के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्पादन का यह रिकॉर्ड न केवल देश की पोषण सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि बागवानी करने वाले किसानों की आय भी सीधे तौर पर बढ़ाएगा। फल उत्पादन 2025-26 में 4.60 प्रतिशत बढ़कर 12.30 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 11.76 करोड़ टन था। इसमें 54.2 लाख टन की वृद्धि होगी। केले, आम, पपीता, सेब, अनार और कटहल के उत्पादन में बढ़ोतरी से इसमें मदद मिलेगी।

उत्पादन बढ़ने का अनुमान

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने कहा कि बागवानी फसलों का रकबा एक साल पहले के 3.01 करोड़ हेक्टेयर से घटकर करीब 2.97 करोड़ हेक्टेयर रहने के बावजूद उत्पादन बढ़ने का अनुमान है। ये आंकड़े राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य सरकारी एजेंसियों से मिले आंकड़ों पर आधारित हैं। चौहान ने उत्पादन में वृद्धि का श्रेय किसानों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की नीतियों को दिया। उन्होंने कहा कि किसान पारंपरिक फसलों से हटकर औषधीय पौधों की खेती कर रहे हैं।

मथुरा में दो दिन चला भाजपा का महामंथन

● मिशन उत्तरप्रदेश 2027 का तैयार हुआ रोडमैप



मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के फरह के परखम में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय योजना बैठक मंगलवार को संपन्न हो गई। बैठक में वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर दो दिन तक व्यापक मंथन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत पार्टी के चिंतक, विशेषज्ञ और वरिष्ठ नेताओं सहित करीब 55 प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीति को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय और स्थानीय नेतृत्व के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।

जल्द ही कम हो सकता है हवाई किराया बढ़ेंगी फ्लाइट्स

● भारत 1,000 विमान खरीदेगा, पीयूष गोयल ने बताया बड़ा प्लान



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत अपनी बढ़ती हवाई यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए 1,000 और सिविल एयरक्राफ्ट का ऑर्डर देने के लिए तैयार है। विमानों की संख्या बढ़ने से हवाई किराया कम हो सकता है। उन्होंने बताया कि देश इस समय विमानों की भारी कमी से जूझ रहा है और कुल जरूरत को पूरा करने के लिए भारत को 2,000 से ज्यादा विमानों की जरूरत होगी। इसलिए विमान बनाने वाली कंपनियों से तेज लगातार बातचीत हो रही है। पीयूष गोयल ने यह बड़ी जानकारी दी।

● **भारत और मिस्र के बीच बढ़ेंगी डायरेक्ट फ्लाइट्स**-केंद्रीय मंत्री ने भारत और मिस्र के बीच एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें ज्यादा एयर कनेक्टिविटी की जरूरत है... जैसे ही हमें और विमान मिलेंगे, हमें यकीन है कि हम मिस्र के लिए और अधिक फ्लाइट्स शुरू कर पाएंगे। पीयूष गोयल दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से मिस्र की यात्रा पर हैं। वर्तमान में इजिप्टएयर भारत और मिस्र के बीच सीधी उड़ानें संचालित करती है।

हमारा भविष्य कंपटीशन से नहीं, कोऑपरेशन से तय हो

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत और आसियान देशों के बीच बेहतर सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र का भविष्य प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग से तय होना चाहिए। साथ ही,उन्होंने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच शांति और स्थिरता के महत्व पर जोर दिया। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और आसियान मिलकर दुनिया की लगभग एक-चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनमें इस क्षेत्र को शांति और स्थिरता का प्रतीक बनाने की क्षमता है। उन्होंने कहा, इस संदर्भ में हमारी थीम अच्छी है।



● **इस साल यह मेरी किसी आसियान देश की तीसरी यात्रा**- प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और आसियान के बीच बढ़ती कनेक्टिविटी पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत और नौ आसियान देशों के बीच सीधी उड़ानें और बढ़ता पर्यटन, दोनों के बीच मजबूत साझेदारी को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, इस साल यह मेरी किसी आसियान देश की तीसरी यात्रा है। यह दिखाता है कि भारत के लिए आसियान का कितना विशेष महत्व है। हमारा मानना है कि भारत का विकास और आसियान की समृद्धि एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।' आसियान कम्युनिटी विजन 2045' और 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये दोनों साझा लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने आसियान की एकता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

लगभग 250 क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, 2014 से अब तक हमने पीपल-टू-पीपल टाइज मजबूत करने के लिए 100 से अधिक पहल की हैं। लगभग 250 क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए हैं और 10000 कैपेसिटी बिल्डिंग स्कॉलरशिप दी हैं। आज भारत और आसियान देशों के बीच डायरेक्ट फ्लाइट्स और बढ़ता पर्यटन भी हमारी निकटता का प्रमाण है।

2 सड़क हादसों में 13 लोगों की मौत



ऋषिकेश, रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड में मंगलवार सुबह दो सड़क हादसों में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 31 लोग घायल हुए हैं। पहला

उत्तराखंड में हादसा, एमपी-यूपी के 2-2 लोग शामिल

दूसरी घटना में खाई में गिरी बोलेरो, 31 फीसदी हादसे बढ़े



हादसा टिहरी जिले में ऋषिकेश-बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर गूलर के पास हुआ। यात्रियों से भरी बस करीब 100 मीटर नीचे नदी में गिर गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 साल की बच्ची समेत 25 लोग घायल हुए हैं। इससे पहले एम्स के डॉक्टरों ने 10 लोगों की मौत होने की जानकारी दी थी, लेकिन बाद में एसपी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने 9 मौतों की पुष्टि की। दूसरा हादसा रुद्रप्रयाग की क्यूंजा घाटी में हुआ। यहां 4 लोगों की मौत हो गई है।

पेड़-पत्थरों से टकराती हुई नीचे जा गिरी बस

हादसे में घायल यात्रियों ने बताया कि बस की रफ्तार बहुत तेज थी। पुल से पहले अचानक से क्या हुआ समझ नहीं आया। बड़े-बड़े पेड़ों और पत्थरों से टकराते हुए बस खाई में गिरती जा रही थी। बस के अंदर सभी यात्री एक-दूसरे के ऊपर गिर रहे थे। चारों ओर चीख मची हुई थी। कुछ ही सेकेंड में तेज आवाज हुई हमारी बस जमीन पर गिरी। बस पूरी टूट चुकी थी। कई लोग घायल थे। कुछ लोग मर चुके थे। लोग बस से बाहर निकलने की कोशिश करने लगे।

माफी दिल से मांगें, दिमाग से नहीं, सुप्रीम कोर्ट की संजय राउत को नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका के खिलाफ कथित टिप्पणियों को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत को नसीहत दी है। आपराधिक अवमानना की कार्यवाही पर सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि माफी दिल से आनी चाहिए, दिमाग से नहीं। कोर्ट ने राउत को अनुभवी नेता और सांसद बताते हुए सार्वजनिक बयान देते समय संयम बरतने की सलाह दी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबी) की ओर से पत्रकार निखिल वागले और संजय राउत के खिलाफ दायर आपराधिक अवमानना याचिका से जुड़ा है। दोनों पर न्यायपालिका के खिलाफ टिप्पणी करने का आरोप है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पांचोली की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस कुमार ने कहा कि इतने गंभीर मामले में माफी दिल से आनी चाहिए, न कि दिमाग से। उन्होंने राउत से कहा कि वह एक अनुभवी राजनेता और सांसद हैं। अदालत उनके भाषण पहले से सुनती रही है।



राजनाथ-जयशंकर की जोड़ी जापान में मचाएगी बड़ी 'धूम'

दिखाएगी कमाल! 2 प्लस 2 वार्ता के लिए आज पहुंचेंगे टोक्यो



नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ टोक्यो में भारत-जापान विदेश मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे। इस उच्चस्तरीय वार्ता की सह-अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर करेंगे। यह वार्ता बुधवार से जापान में शुरू होगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जापान की इस यात्रा के दौरान समझौते होंगे। और रक्षा मंत्रियों की चौथी 2 प्लस 2 वार्ता में शामिल होंगे। राजनाथ सिंह यहां जापान के रक्षा

जापान के शीर्ष नेताओं से मिलेंगे राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह का आधिकारिक जापान दौरा 18 नवंबर को प्रारंभ होगा। वह 18 और 19 नवंबर को जापान के शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। जापान की ओर से जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी और विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी इस महत्वपूर्ण वार्ता में शामिल होंगे। वार्ता में दोनों देशों के बीच रणनीतिक और रक्षा सहयोग के सभी प्रमुख पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। दोनों देश स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियमों पर आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता भी दोहराएंगे।

सैन्य ताकत | अमेरिकी एफ-35 से भी एडवांस होगा, पहली उड़ान 2030 तक संभव

देश में छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने की तैयारी चल रही है। इसकी पहली उड़ान 2030 तक संभव है। डिफेंस कंपनी रेफी एमफाइबर इसे तैयार कर रही है। कंपनी के अध्यक्ष विकास मिश्रा ने सोमवार को नेशनल सिक्योरिटी समिट में वायुसेना के अधिकारियों की मौजूदगी में भारत को छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान देने का ऐलान किया।

कंपनी के एक सूत्र के मुताबिक, यह विमान छठी पीढ़ी के सभी मानकों पर खरा उतरता है। कई मामलों में इसके पैरामीटर्स अमेरिका के एफ-35 लड़ाकू विमान से भी आगे हैं। दरअसल, फाइटर जेट को उनकी तकनीक और लड़ने की क्षमता के आधार पर अलग-अलग पीढ़ियों में बांटा जाता है। अभी भारत पांचवीं पीढ़ी का स्वदेशी स्टेल्थ फाइटर जेट बना रहा है। ऐसे में एक प्राइवेट कंपनी का छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने का दावा चर्चा में है।

12 देशों के इंजीनियर मिलकर काम कर रहे



इस फाइटर जेट को बनाते समय वायुसेना की जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है। कंपनी के अनुसार उसके साथ 12 देशों के विमान इंजीनियर जुड़े हैं। दावा है कि उसने दुनिया में सर्वाधिक पेटेंट दायर किए हैं। एयरक्राफ्ट डिजाइन और निर्माण के लिए 10 करोड़ डॉलर का फंड जुटाया है। ड्रोन में विशेषज्ञता के साथ कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर में 7 लाख वर्ग फुट में अपनी फेसिलिटी भी तैयार की है। हिंद महासागर में चीनी पनडुब्बियों की मौजूदगी और पाकिस्तान की बढ़ती क्षमता के बीच भारत समुद्री निगरानी मजबूत कर रहा है। डीआरडीओ ने 'वरुण ध्वनि-01' बनाया है, जो समुद्र के भीतर की आवाजें दर्ज कर संकेत जीसैट उपग्रह से रक्षा प्रयोगशाला भेजेगा। कोच्चि की नौसेना प्रयोगशाला ने इसे बनाया है। इसे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर में तैनात किया जाएगा।

5वीं पीढ़ी के फाइटर के लिए जल्द चुना जाएगा प्राइवेट पार्टनर

रक्षा मंत्रालय पांचवीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के विकास के लिए 3 औद्योगिक गठबंधनों में से एक का चयन इसी महीने करेगा। इनमें एलएंडटी, भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के गठबंधन शामिल हैं। चुना गया गठबंधन एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी के साथ मिलकर परियोजना पर काम करेगा।

कोर्ट अब 9 दिसंबर को सुनेगा एसआईआर की याचिकाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन यानी एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष लगातार हमलावर है। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को चुनाव आयोग और एसआईआर से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई होनी थी, लेकिन अब यह 9 दिसंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस समेत इंडिया ब्लॉक दो पिटीशन दायर कर चुका है। पहली याचिका 12 अक्टूबर तो दूसरी याचिका 16 नवंबर को दायर की। सोमवार को दायर याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों से 48 सवाल पूछने की इजाजत मांगी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर को भी सुनवाई स्थगित कर दी थी। इससे एक दिन पहले यानी 26 नवंबर को चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया था।

श्रीनगर में कांग्रेस का विरोध मार्च रोका गया, भाजपा विधायक पर एफआईआर की मांग

श्रीनगर , एजेंसी। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के विरोध प्रदर्शन को पुलिस ने रोक दिया। यह प्रदर्शन भाजपा पर क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिशों के खिलाफ था, और इसमें किश्तवाड़ से भाजपा विधायक शगुन परिहार के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने की मांग की गई। बीजेपी विधायक परिहार ने दावा किया था कि किश्तवाड़ में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की हत्या से पहले एक मस्जिद से कुछ घोषणाएं की गई थीं, जिस पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। पार्टी मुख्यालय एमए रोड पर कांग्रेस के दर्जनों कार्यकर्ता एकत्र हुए। उन्होंने भाजपा के खिलाफ और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक कर्रा के समर्थन में नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य सड़क पर मार्च निकालने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। मीडिया से बात करते हुए, कांग्रेस की श्रीनगर जिला इकाई के अध्यक्ष आदिल मीर ने कहा कि उनकी पार्टी 'सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की भाजपा की कोशिशों' के खिलाफ आवाज उठाना चाहती थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें मुख्यालय से बाहर नहीं निकलने दिया। मीर ने मांग की कि परिहार के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए और वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। मीर ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता अपने प्रदेश अध्यक्ष तारिक कर्रा के प्रति एकजुटता व्यक्त करना चाहते थे, जिनकी उन टिप्पणियों के लिए भाजपा ने आलोचना की थी, जिनमें कर्रा ने एसपीओ को सुरक्षा बलों द्वारा गलती से आतंकवादी समझकर गोली मारने की आशंका जताई थी। मीर ने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी विफलताओं, खासकर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर, से ध्यान भटकाने के लिए जम्मू-कश्मीर में सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश कर रही है।

हरिद्वार में मासूम से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड के हरिद्वार में 11 महीने की बच्ची से कथित दुष्कर्म के आरोप में सौरभ नामक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को बाल्मीकि चौक के पास से पकड़ा। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है और उसकी मेडिकल जांच भी कराई जा रही है। सौरभ बिहार के भागलपुर निवासी है और सिडकुल क्षेत्र की निजी फैक्ट्री में काम करता है। यह हृदयविदारक घटना 15 नवंबर की रात सिडकुल क्षेत्र में घटी थी। घटना के बाद गंभीर हालत में बच्ची को हरिद्वार जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से बच्ची को ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार, बच्ची की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले का रहने वाला बच्ची का परिवार भी हरिद्वार के औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में काम करता है। सौरभ कुछ दिन पहले ही इसी फैक्ट्री में काम करने आया था और उसने उनके कमरे के पास ही कमरा किराए पर लिया हुआ था। रविवार रात जब बच्ची की मां रसोई में खाना बना रही थी और बच्ची रो रही थी, तभी सौरभ बच्ची को चुप कराने के बहाने अपने कमरे में ले गया और कथित तौर पर दुष्कर्म किया। बच्ची के जोर-जोर से रोने की आवाज सुनकर उसकी मां दौड़कर आरोपी के कमरे में पहुंची, जहां मां ने बच्ची को बुरी हालत में पाया। बच्ची की मेडिकल जांच में उसके साथ दुष्कर्म के प्रयास की पुष्टि हुई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

दिल्ली में मकान की छत गिरने से 2 की मौत, कई लोगों के दबने होने की आशंका

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा इलाके के ज्वाला नगर में मकान की छत गिरने से अब तक दो लोगों की मौत की खबर सामने आई है, जबकि 7 से 8 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने रेस्क्यू जारी है। हादसे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। हादसे में मृतकों व घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

डीएमके ने किया सरकार बनाने का दावा: तमिलनाडु में विजय सरकार पर संकट

चेन्नई , एजेंसी। तमिलनाडु में प्रमुख विपक्षी दल द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) ने राज्य में जल्द अपनी सरकार बनने का दावा किया है। पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा है कि उनके समर्थक उन्हें अभी भी मुख्यमंत्री कहकर बुलाते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय राजधानी दिल्ली में थे और उनकी पार्टी, तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके), कथित तौर पर सरकार गिराने की कोशिशों के प्रति अपने विधायकों को आगाह कर रही है।

स्टालिन ने सोमवार को एक डीएमके नेता के परिवार में शादी समारोह में कहा कि टीवीके का मौजूदा शासन खराब प्रशासन प्रदान कर रहा है। उन्होंने समर्थकों से उन्हें मुख्यमंत्री कहना बंद करने का अनुरोध किया, क्योंकि यह उनके लिए शर्म और दुख की बात है, लेकिन साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि द्रमुक जल्द ही सरकार बनाएगी। यह पहली बार नहीं है जब स्टालिन ने ऐसा दावा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि राज्य के विपक्षी दल एक नए फ्लोर टेस्ट की मांग कर सकते हैं। खबरों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय ने हाल ही में अपने विधायकों की एक बैठक बुलाई थी जो करीब तीन घंटे तक चली। इस बैठक में उन्होंने विधायकों से व्यक्तिगत रूप से बात की, जिसमें 10 विधायकों के एक समूह से अलग से चर्चा की गई। रिपोर्टों के मुताबिक, विधायकों को चेताया गया था कि सरकार को गिराने की कोशिश हो सकती है और उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी गई थी। एक विधायक ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव को 6 महीने (13 मई से 13 नवंबर) पूरे हो चुके हैं और 13 नवंबर के बाद कभी भी एक और अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है। विधायकों को यह भी बताया गया कि सरकार के पास ऐसी जानकारी है कि विपक्ष सत्तारूढ़ दल के नेताओं को अपने पाले में लाने की कोशिश कर सकता है। आरोप लगाए गए थे कि डीएमके और अन्य विपक्षी दल दिल्ली में राजनीतिक ताकतों की मदद से इसे अंजाम दे सकते हैं। विधायकों को ऐसे किसी भी राजनीतिक फैसले से बचने की सलाह दी गई,



जिससे उनके राजनीतिक करियर पर खतरा हो। गौरतलब है कि 4 मई को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के कुछ दिनों बाद ही विजय सरकार को फ्लोर टेस्ट का सामना करना पड़ा था। स्टालिन ने अक्टूबर में ही यह भविष्यवाणी कर दी थी कि मौजूदा सरकार शायद 6 महीने भी पूरे न कर सके।

केजरीवाल का शीशमहल अब आम जनता के लिए खुलेगा

● भ्रष्टाचार का उदाहरण दिखाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने महत्वपूर्ण घोषणा कर कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का पुराना सरकारी आवास, जो कि शीशमहल के नाम से जाना जाता है, अब आम जनता के लिए खोला जाएगा। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस आवास को देखने के लिए समय आरक्षित करने और टिकट बुक करने की व्यवस्था अगले सप्ताह तक शुरू कर दी जाएगी। रेखा के मंत्री प्रवेश सिंह ने कहा कि यह कदम जनता की मांग पर उठाया गया है और इसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा उदाहरण पेश करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति जो कि कभी सरकारी वाहन का उपयोग न करने का वादा किया था, उसने कई अन्य घरों को ध्वस्त कर अपने लिए यह आलीशान आवास बनवाया। शुरुआत में मीडिया को आवास का दौरा कराया जाएगा, जिसके बाद आम लोग टिकट खरीदकर इसके आंतरिक हिस्सों को देख सकते है। फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगला नंबर छह में केजरीवाल 2015 से 2024 तक मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान रहे थे। इस बंगले को शीशमहल नाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक राजनीतिक अभियान के दौरान दिया था, ताकि आम आदमी पार्टी और उसके राष्ट्रीय संयोजक पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को उजागर कर सके। पिछले साल भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि केजरीवाल के तत्कालीन सरकारी आवास के नवीनीकरण पर 33.66 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, जो अनुमानित लागत से 342 प्रतिशत अधिक थे।

एमडीडीए का अवैध निर्माण पर शिकंजा, ऋषिकेश के आमबाग और निर्मल ब्लॉक में दो निर्माण सील

देहरादून (शिखर समाचार)। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान तेज करते हुए ऋषिकेश क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने बिना स्वीकृत मानचित्र के किए जा रहे दो निमार्णों को सील कर दिया। पहली कार्रवाई ऋषिकेश के आमबाग क्षेत्र स्थित गली नंबर-2 में की गई, जहां अंकुर द्वारा बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्माण कराया जा रहा था। टीम ने मौके पर पहुंचकर नियमानुसार निर्माण स्थल को सील कर दिया। वहीं दूसरी कार्रवाई गली नंबर-10, निर्मल ब्लॉक-बी, ऋषिकेश में की गई, जहां भवन स्वामी सुबेद द्वारा बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्माण कराया जा रहा था। यहां भी प्राधिकरण की टीम ने सीलिंग की कार्रवाई की।

एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने स्पष्ट किया कि प्राधिकरण क्षेत्र में सुनियोजित एवं व्यवस्थित विकास सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। भवन निर्माण शुरू करने से पहले प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराना अनिवार्य है। बिना अनुमति अथवा स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए जाने वाले निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। ऐसे मामलों में सीलिंग से लेकर



ध्वस्तीकरण तक की कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्राधिकरण की प्रवर्तन टीमें लगातार क्षेत्र में निरीक्षण कर रही हैं। अवैध निर्माण की शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार का निर्माण शुरू करने से पहले आवश्यक मानचित्र स्वीकृत अवश्य कराएं, ताकि भविष्य में कानूनी कार्रवाई और अन्य परेशानियों से बचा जा सके। एमडीडीए ने साफ किया है कि अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती बरती जाएगी।

गूलर पुल से 120 फीट नीचे नदी में गिरी यात्रियों से भरी बस, नौ की मौत, 27 घायल

ऋषिकेश/टिहरी गढ़वाल (शिखर समाचार)। उत्तराखंड के गूलर पुल पर मंगलवार तड़के बड़ा हादसा हो गया। हरिद्वार से जोशीमठ जा रही यात्रियों से भरी विश्वनाथ सेवा की बस पुल से करीब 120 फीट नीचे गूलर गाड़ नदी में जा गिरी। दुर्घटना में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन दल और आपदा राहत टीमों ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान चलाया। घायलों को तत्काल ऋषिकेश स्थित एम्स अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

पुलिस के अनुसार, 17 नवंबर की सुबह करीब 4:50 बजे गूलर चौकी के माध्यम से थाना मुनि की रेती को दुर्घटना की सूचना मिली। इसके बाद मुनि की रेती और नरेंद्र नगर थाने की पुलिस टीमों के साथ एसडीआरएफ, अग्निशमन दल और आपदा राहत दल मौके पर पहुंचे। शिवपुरी स्थित



भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के शिविर से जवान भी बचाव कार्य में जुट गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए 108 सेवा सहित स्थानीय, निजी अस्पतालों तथा एलएंडटी और नवयुगा कंपनी की एंबुलेंस बुलाई गईं। पुलिस के मुताबिक, करीब एक घंटे के भीतर बचाव अभियान चलाकर घायलों को बाहर निकाल लिया गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस संख्या यूके09पीए-9779 मंगलवार तड़के 3:15 बजे हरिद्वार से जोशीमठ के लिए रवाना हुई थी। बस को राजेंद्र सिंह पुत्र कुंदन सिंह निवासी क्यूरी पोखरी, रुद्रप्रयाग चला रहे थे। बस में चालक सहित 34 लोग सवार बताए गए हैं। हादसे में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में बस चालक राजेंद्र सिंह भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, मृतकों में से चार की पहचान की प्रक्रिया अभी जारी है।

पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान विक्की पुत्र सेवाराम निवासी पावर हाउस, चंदौसी, संभल, पुन्नू पुत्र घुंघरू निवासी मैखंडी, टिहरी, राज राय पुत्र द्वारकानाथ राय निवासी जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल, राजेंद्र सिंह पुत्र कुंदन सिंह निवासी रुद्रप्रयाग और अनुज भंडारी पुत्र अतर सिंह निवासी बढ़ल, शिवपुरी, मुनि की रेती के रूप में हुई है। घायलों में मोहम्मद वहाब अंसारी, राहुल कुमार, अभिषेक, प्रत्यूष, अर्जुन सौरन, बुधन मुर्मू, आयरा, नूर जहां, राजकुमार, जतिन, पंकज नेगी, संतोष कुमार, वीरेंद्र सिंह, मुन्ना सिंह, सागर, खुशी भट्ट, नवीन, परेश मराठी, आसापंथ, पंकज कांडपाल, अंजू, आर्यन गुप्ता, रमेश चंद, दर्शन सिंह और रामा प्रसाद घोष शामिल हैं।

पुलिस ने दुर्घटना में प्रभावित यात्रियों के सामान को सुरक्षित रखने के लिए गूलर चौकी पर रखवाया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

अमिताभ और अभिषेक को गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों की जान से मारने की धमकी

मुंबई ,एजेंसी। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ और उनके बेटे अभिषेक बच्चन को फिर जान से मारने की धमकी मिली है। कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने पोस्ट साझा कर उन्हें निशाना बनाने की चेतावनी दी है। इस धमकी में साफ कहा गया है कि वे चाहे जितने बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लें, उन्हें वहीं मार दिया जाएगा। इस पोस्ट के सामने आने के बाद फिल्म इंडस्ट्री और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। कुख्यात गैंगस्टर ढिल्लों ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुंबई से उसके दो साथियों, विकास ठाकुर और दीपक सिंह को गिरफ्तार किया है। कुख्यात गैंगस्टर ने स्पष्ट किया कि इन गिरफ्तारियों के बावजूद उनकी कथित योजना नहीं रुकेगी और इन दोनों का संबंध किसी दूसरे गैंग से नहीं है। गोल्डी ने धमकी को 1984 के सिख विरोधी नरसंहार से जोड़ा, जिसमें कुख्यात गैंगस्टर ने कहा कि इसके दोषियों को माफ नहीं किया जाएगा। इसके बाद सीधे तौर पर अमिताभ और अभिषेक बच्चन का नाम लेकर कहा कि वे चाहें जितने बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लें, उन्हें वहीं निशाना बनाया जाएगा। गैंगस्टर ने धमकी भरे लहजे में लिखा, दोनों को बुलेटप्रूफ केबिन में ही मारा जाएगा।

फिलहाल, सोशल मीडिया पर सामने आई गंभीर धमकी को लेकर संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर भी फायरिंग की घटना हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। उस घटना के बाद अमिताभ बच्चन की सुरक्षा बढ़ाई गई थी। बिग बी अब हर रविवार अपने घर के बाहर फैंस से बुलेटप्रूफ केबिन के भीतर से ही मुलाकात करते हैं। अमिताभ बच्चन को इससे पहले भी कई बार जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं।

कुंभ-2027 की सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय तैयारी, आतंकवाद से लेकर साइबर खतरों तक पर रहेगी पुलिस की नजर

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए उत्तराखंड पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और आतंकवाद सहित साइबर खतरों से निपटने के लिए व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की जा रही है। मेला क्षेत्र की निगरानी अत्याधुनिक तकनीक, सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और एंटी ड्रोन प्रणाली के माध्यम से की जाएगी। इसके साथ ही प्रमुख स्नान घाटों, रेलवे स्टेशनों, पार्किंग स्थलों और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी।

पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ के निर्देशन में मंगलवार को मेला नियंत्रण भवन सभागार में अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था वी. मुरुगेसन तथा अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन ए.पी. अंशुमान की संयुक्त अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुंभ मेले की सुरक्षा और प्रशासनिक तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंभ मेला आयुष अग्रवाल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार नवनीत सिंह भुल्लर ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से तैयारियों की जानकारी दी। पुलिस महानिरीक्षक कुंभ मेला योगेन्द्र सिंह रावत और मेलाधिकारी सोनिका सहित विभिन्न अधिकारियों ने भी अपनी कार्ययोजनाएं प्रस्तुत कीं।

बैठक में प्रमुख स्नान पर्वों के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को नियंत्रित करने, पैदल यात्रियों के मार्ग परिवर्तन, ठहराव स्थलों, आपातकालीन निकासी और आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर



चर्चा हुई। आतंकवाद और संगठित अपराध से निपटने के लिए आतंकवाद निरोधक दस्ता, विशेष कार्यबल, बम निरोधक दस्ते और अभिसूचना इकाइयों को सक्रिय रखने तथा सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। प्रमुख घाटों और संवेदनशील स्थलों पर निगरानी के साथ संदिग्ध गतिविधियों की पहचान के लिए तकनीकी और मानवीय अभिसूचना तंत्र मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

साइबर सुरक्षा को लेकर भी विशेष रणनीति तैयार की जा रही है। सोशल मीडिया पर अफवाहों, भ्रामक सूचनाओं और फर्जी संदेशों की निगरानी के लिए विशेष प्रकोष्ठ सक्रिय किया जाएगा। एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र, सीसीटीवी नेटवर्क, ड्रोन और एंटी ड्रोन प्रणाली तथा आधुनिक संचार व्यवस्था को समयबद्ध तरीके से स्थापित कर क्रियाशील करने के निर्देश दिए गए।

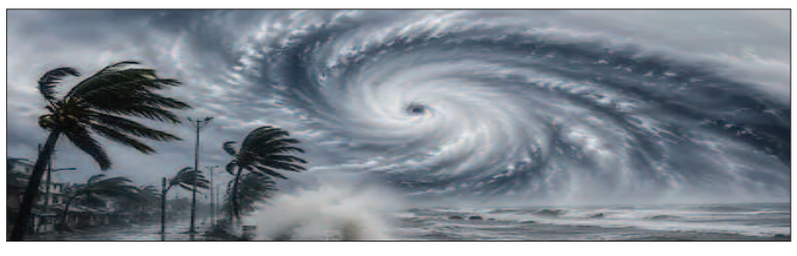
यातायात और रेलवे सुरक्षा की समीक्षा के दौरान पार्किंग स्थलों, ठहराव क्षेत्रों, वैकल्पिक मार्गों और भीड़ के कारण अवरुद्ध होने वाले स्थानों को पहले से चिह्नित करने को कहा गया। रेलवे स्टेशनों पर राजकीय रेलवे पुलिस की तैनाती, ट्रेनों के संचालन और आपातकालीन व्यवस्थाओं को लेकर भी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा अग्निशमन व्यवस्था, पुलिस बल की उपलब्धता, जल पुलिस, घुड़सवार पुलिस, होमगार्ड और बाहरी राज्यों से आने वाले पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण एवं आवास की व्यवस्थाओं पर चर्चा हुई।

अधिकारियों को निमार्णाधीन पुलिस थानों, चौकियों और पुलिस लाइनों का कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने तथा आवश्यक वाहन, उपकरण और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिस लाइन ऋषिकुल, प्रमुख घाटों, हरकी पैड़ी, अस्थायी पुलों, संकरे मार्गों, फायर स्टेशनों, रेलवे स्टेशनों, पार्किंग और निमार्णाधीन भवनों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक विम्मी सचदेवा, कृष्ण कुमार वी.के., नीलेश आनंद भरणे, अनंत शंकर ताकवाले, राजीव स्वरूप, सुनील मीणा, बरिंदरजीत सिंह सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी करने और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया।

प्रचंड चक्रवात अकवान का खतरा: 20 नवंबर को आंध्र तट पर 145 किमी/घंटा की रफ्तार से देगा दस्तक

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात अकवान तेजी से खतरनाक होता जा रहा है। मंगलवार यह चेन्नई से 610 किलोमीटर पूर्व में केंद्रित था और अब यह उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। समुद्र की सतह का तापमान और अनुकूल मौसमी परिस्थितियाँ इसकी तीव्रता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। मौसम विभाग लगातार इस पर निगरानी रख रहा है और लगातार अपडेट दे रहा है। नवीनतम पूर्वानुमान के मुताबिक, अकवान मंगलवार शाम तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। इसके बाद, यह उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़कर 19 नवंबर की सुबह तक एक बहुत गंभीर साइक्लोन का रूप ले लेगा।

पूर्वानुमान के मुताबिक, चक्रवात अकवान 20 नवंबर को दोपहर के आसपास आंध्र प्रदेश और यानम तट पर नेल्लोर और तुनी के बीच लैंडफॉल करेगा। इस दौरान हवाओं की निरंतर गति 120 से 130 किलोमीटर प्रति घंटा रहने का अनुमान है, जबकि झोंके 145 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकते हैं। यह आंध्र प्रदेश के लिए हाल के समय में तीसरा बड़ा चक्रवाती खतरा है, जिससे राज्य प्रशासन पहले से ही सतर्क है।



लैंडफॉल के बाद, यह तेजी से कमजोर होकर तेलंगाना की तरफ बढ़ेगा। तटीय इलाकों में समुद्र बहुत उफान पर रहेगा, इसलिए मछली पकड़ने की गतिविधियों पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। मछुआरों और नाविकों को समुद्र में न जाने की सख्त चेतावनी जारी की गई है ताकि जान-माल का नुकसान न हो।

19 और 20 नवंबर को आंध्र के तटीय क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है, कुछ स्थानों पर अत्यधिक वर्षा भी हो सकती है। इससे निचले इलाकों में जलभराव, पेड़ों का उखड़ना, बिजली आपूर्ति में बाधा, कमजोर संरचनाओं को नुकसान और कृषि फसलों पर असर पड़ सकता है। ओडिशा और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी इसका प्रभाव बारिश के रूप में देखा जा सकता है। आंध्र प्रदेश सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह से सतर्क हैं। अधिकारियों को नियमित चेतावनी जारी करने, संवेदनशील क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। गिरे हुए पेड़ों और बिजली के खंभों को तुरंत हटाने, राहत एवं बचाव कार्यों को तेज करने और जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया जा रहा है। लोगों से आधिकारिक अपडेट पर नजर रखने, अनावश्यक यात्रा से बचने और आपातकालीन नंबरों को अपने पास रखने की अपील की गई है। समय पर बरती गई सावधानी से जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मौसम विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और नियमित रूप से जानकारी साझा कर रहा है।

बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर देश भर के नेताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मुंबई , एजेंसी । राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रणेता और शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे को उनकी पुण्यतिथि पर देश के राजनीतिक दिग्गजों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मनोहर लाल से लेकर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों सहित कई नेताओं ने उन्हें याद किया और उनके सिद्धांतों एवं राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को सराहा। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने बालासाहेब को राष्ट्रवाद के ओजस्वी स्वर और अद्वितीय वक्ता बताकर महाराष्ट्र के विकास में उनके अहम योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि बालासाहेब अपने प्रखर विचारों के लिए सदैव हमारे हृदय में अमर रहेंगे। वहीं, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बालासाहेब के जीवन को साहस, स्पष्टवादिता और सांस्कृतिक स्वाभिमान की अद्भुत मिसाल बताया।

तीन माह की वन टाइम सेटलमेंट योजना से निपटेंगे उत्तराखंड के लंबित स्टाम्प वाद

हरिद्वार (शिखर समाचार)। उत्तराखंड में लंबित स्टाम्प वादों के त्वरित निस्तारण और सरकारी राजस्व की वसूली सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में एकमुश्त निपटारा (वन टाइम सेटलमेंट) समाधान योजना लागू की है। अपर जिलाधिकारी वैभव गुप्ता ने बताया कि यह योजना शासनादेश जारी होने की तिथि से मात्र तीन माह तक प्रभावी रहेगी। इसके तहत संबंधित पक्षकार स्टाम्प कमी की धनराशि, नियमानुसार देय ब्याज और मात्र 100 रुपये टोकन अर्थदण्ड जमा कराकर अपने लंबित मामलों का अंतिम निस्तारण करा सकेंगे।

योजना का लाभ प्रदेश के सभी जनपदों में स्टाम्प कलेक्टर न्यायालयों तथा राजस्व परिषद के पीठासीन अधिकारियों के न्यायालयों में लंबित स्टाम्प वादों, अपीलों और निगरानी वादों को मिलेगा। संबंधित पक्षकारों को निर्धारित प्रारूप में



नोटिस भेजकर योजना की जानकारी दी जाएगी। योजना लागू होने से पहले लंबित मामले में लाभ लेने के इच्छुक पक्षकार को संबंधित न्यायालय में प्रार्थना पत्र देना होगा। इसके बाद न्यायालय एक सप्ताह के भीतर धनराशि जमा करने की तिथि निर्धारित करेगा और संदर्भण आख्या में दर्ज स्टाम्प कमी की राशि की पुष्टि की जाएगी। पुष्टि होने पर पक्षकार को स्टाम्प कमी की धनराशि, नियमानुसार ब्याज और 100 रुपये टोकन अर्थदण्ड एक सप्ताह के भीतर कोषागार में मद संख्या 0030 (स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन) के अंतर्गत जमा करना होगा। जमा राशि की रसीद संबंधित न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आदेश पारित कर वाद का निस्तारण किया जाएगा। भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 की धारा 42 के तहत प्रमाण-पत्र भी अंकित किया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित तीन माह की अवधि के भीतर भुगतान और आवेदन करना आवश्यक होगा। प्रार्थना पत्र प्रस्तुत होने के एक माह के भीतर संबंधित वाद का अंतिम निस्तारण किया जाना अनिवार्य है। योजना के प्रचार-प्रसार के लिए समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों और कार्यालयों के सूचना पट्टों पर जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। जिलाधिकारियों और राजस्व परिषद के पीठासीन अधिकारियों को लंबित मामलों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक माह निस्तारित मामलों और वसूल की गई धनराशि का विवरण आयुक्त स्टाम्प को भेजा जाएगा।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए शिविर में उमड़ रहे लोग, 30 नवंबर तक चलेगा अभियान



रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 के दूसरे चरण के तहत स्व-गणना अभियान के साथ मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। नगर के मोहल्ला कायस्थान स्थित रघुवीर शरण जूनियर हाईस्कूल में शिविर आयोजित कर मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना और परिवार के सदस्यों का नाम जांचने तथा नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए आवश्यक जानकारी दी जा रही है। यह अभियान 30 नवंबर तक संचालित किया जाएगा। विद्यालय परिसर में बने मतदान केंद्र पर तीन महिला बूथ स्तरीय अधिकारियों को अलग-अलग भागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाग संख्या 237 के लिए सीमा सैनी, भाग संख्या 238 के लिए उमेश वर्मा तथा भाग संख्या 239 के मतदाताओं के लिए ओमवती को तैनात किया गया है। ये अधिकारी मतदाताओं को सूची में उनके नाम की जानकारी देने के साथ नए मतदाताओं के आवेदन और आवश्यक दस्तावेज भी एकत्र कर रहे हैं। बीएलओ ओमवती ने बताया कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए आधार कार्ड, हाईस्कूल की अंकतालिका की छायाप्रति, दो फोटो तथा पिता के मतदाता पहचान पत्र की छायाप्रति मांगी जा रही है। सामान्य वर्ग के आवेदकों से निवास प्रमाणपत्र भी लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों का नाम किसी कारणवश अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाया है, वे आवश्यक दस्तावेजों की छायाप्रति जमा कराकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने पात्र युवाओं और नागरिकों से अभियान का लाभ उठाकर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराने की अपील की।

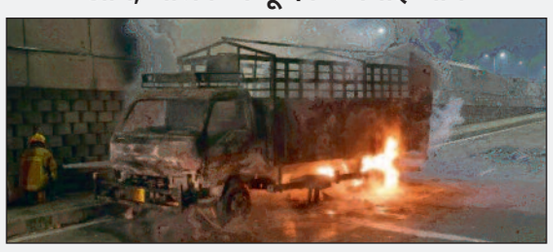
बाबूगढ़ में कारों पर स्टंटबाजी का वीडियो वायरल होने के बाद एक गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र में चलती कारों की छतों पर खड़े होकर स्टंटबाजी करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से स्टंट में प्रयुक्त स्कॉर्पियो कार भी बरामद कर ली है, जबकि वीडियो में नजर आई दूसरी थार कार का 20,500 रुपये का चालान किया गया है।



वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए थाना पुलिस ने स्टंटबाजों की पहचान की। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि वीडियो के आधार पर कार्रवाई करते हुए मेरठ के थाना खरखौदा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धौलड़ी निवासी शौकीन को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से स्टंटबाजी में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो कार को जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि इस खतरनाक स्टंट में शामिल रही दूसरी थार गाड़ी की पहचान कर उसका 20,500 रुपये का भारी चालान काटा गया है। पुलिस अन्य संलिप्त आरोपियों की तलाश कर रही है और इस तरह की अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

नेशनल हाईवे-9 पर चलते कैंटर में लगी भीषण आग, चालक ने कूदकर बचाई जान



हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे-9 पर बछलौता फ्लाईओवर की सर्विस रोड के पास देर रात एक चलते कैंटर में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे पूरा वाहन जलकर खाक हो गया। गनीमत यह रही कि चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए चलती गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के गांव लुखराड़ा निवासी चालक गुड्डू कैंटर में सामान लेकर गढ़मुक्तेश्वर गया था और वहां से रात को वापस लौट रहा था। जैसे ही उसका कैंटर बछलौता फ्लाईओवर की सर्विस रोड के पास पहुंचा, अचानक शॉर्ट सर्किट होने से उसमें आग भड़क उठी। आग की तेज लपटों को देख चालक ने तुरंत वाहन से बाहर छलांग लगा दी। हादसे की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रवीन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं, दमकल विभाग की टीम ने भी कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। इस घटना के कारण हाईवे के एक हिस्से पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हुआ, जिसे पुलिस ने हाइड्रा मशीन की मदद से जले हुए वाहन को हटवाकर सुचारू कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को ही आग लगने का कारण माना जा रहा है और चालक पूरी तरह सुरक्षित है।

लोनी में मतदाता पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों की बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विधानसभा क्षेत्र लोनी में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को तहसील परिसर में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संयुक्त मजिस्ट्रेट एवं विधानसभा क्षेत्र 53 लोनी के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी दीपक सिंघनवाल ने की। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ के निर्देश पर आयोजित बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने, नाम हटाने और संशोधन कराने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान फार्म-6, फार्म-7 और फार्म-8 के माध्यम से दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की प्रक्रिया समझाई गई। साथ ही राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल (एनवीएसपी) के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया। दीपक सिंघनवाल ने बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 17 नवंबर से 31 दिसंबर 2026 तक मतदाता सूची को अद्यतन करने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से बूथ स्तरीय अभिकताओं (बीएलए) की नियुक्ति करने और अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने में सहयोग करने की अपील की।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

नगर निगम की जनसुनवाई में पहुंचीं 16 शिकायतें, निस्तारण के बाद शिकायतकताओं से लिया जाएगा फीडबैक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय में आयोजित संभव जनसुनवाई में नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने अधिकारियों के साथ शहरवासियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 16 शिकायतें प्राप्त हुईं। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि शिकायतों का समाधान करने के बाद संबंधित अधिकारियों को शिकायतकताओं से अनिवार्य रूप से फीडबैक भी लेना होगा, ताकि निस्तारण की वास्तविक स्थिति का पता चल सके।

जनसुनवाई के दौरान निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, उद्यान विभाग, प्रकाश विभाग, कर विभाग, जलकल विभाग और संपत्ति विभाग से संबंधित समस्याएं सामने आईं। प्राप्त 16 शिकायतों में निर्माण विभाग की चार, स्वास्थ्य विभाग की चार, उद्यान विभाग की दो, प्रकाश विभाग की दो, कर विभाग की एक, जलकल विभाग की दो और संपत्ति विभाग की एक शिकायत शामिल रही। नगर आयुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों को लंबित रखने के



बजाय उनका तत्काल और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि संभव जनसुनवाई के दिन के अतिरिक्त अन्य दिनों में प्राप्त होने वाले शिकायती पत्रों को भी सूचीबद्ध किया जाए और उन्हें संबंधित पोर्टल पर दर्ज कराया जाए, ताकि प्रत्येक शिकायत की निगरानी की जा सके। शिकायतों के निस्तारण के बाद विभागीय टीम शिकायतकर्ता से संपर्क कर उसका फीडबैक भी प्राप्त करेगी। नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त रेनू सिंह को संभव जनसुनवाई की कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर नगर आयुक्त रेनू सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अनिरुद्ध सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

महिला सम्मान और समानता का पाठ पढ़ाया, छात्र-छात्राओं को हिंसा के खिलाफ किया जागरूक

सहारनपुर (शिखर समाचार)। दिशा सामाजिक संगठन सुल्तानपुर चिलकाना की ओर से आदर्श विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, हरीपुर में महिला हिंसा और लैंगिक समानता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें छात्र-छात्राओं को महिलाओं के अधिकारों, सम्मान, समानता और हिंसा के विभिन्न स्वरूपों के प्रति जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मानजनक सोच विकसित करने के लिए युवाओं का संवेदनशील होना बेहद जरूरी है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि दिशा सामाजिक संस्था महिला हिंसा के मुद्दे पर महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। आज के युवाओं को महिलाओं से जुड़े मुद्दों को समझने और उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने की आवश्यकता है। संस्था के कार्यक्रम समन्वयक पी. राम ने संस्था का परिचय देते हुए बताया कि दिशा सामाजिक संगठन पिछले 45 वर्षों से गरीबों, वंचितों, अल्पसंख्यकों, दलितों और महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए



कार्य कर रहा है। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को महिला हिंसा और लैंगिक समानता के प्रति जागरूक करना है।

कार्यक्रम समन्वयक तसनीम बानो ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को लैंगिक समानता की समझ विकसित कराई। उन्होंने विद्यार्थियों से घर के कामकाज में सहयोग करने और महिलाओं के सम्मान तथा अधिकारों के समर्थन में खड़े होने की अपील की। परियोजना समन्वयक बबीता वर्मा ने महिला सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबर 112, 1091, 1089 और 181 सहित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को छेड़छाड़ से बचाव और आत्मरक्षा के जरूरी उपाय भी बताए। सहायक समन्वयक रेखा शर्मा ने महिलाओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा के विभिन्न रूपों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रत्येक माह की 10 तारीख को नारी अदालत आयोजित की जाती है, जिसमें संबंधित मामलों की सुनवाई कर समाधान का प्रयास किया जाता है। कार्यशाला में कल्पना, प्रमिता, वंशिका और प्रिया सहित शिक्षकों ने भी विचार रखे। इस दौरान अर्चना, सावित्री सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का मौका, सहारनपुर में 23.88 लाख मतदाता पंजीकृत

सहारनपुर (शिखर समाचार)। जनपद में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके तहत 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक मतदाता सूची में नाम शामिल कराने, संशोधन कराने और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए आवेदन लिए जाएंगे। जनपद में वर्तमान में कुल 23,88,887 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 12,84,115 पुरुष, 11,04,700 महिलाएं और 72 अन्य मतदाता शामिल हैं। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन चार जनवरी 2027 को किया जाएगा।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द कुमार चौहान ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि पुनरीक्षण के लिए 21, 22, 28 और 29 नवंबर को विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्राप्त दावों और आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 18 नवंबर को जनपद के सभी 2990 मतदान स्थलों पर बूथ स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहकर मतदाता सूची पढ़कर सुनाएंगे। इसके साथ ही बूथ स्तरीय अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन भी करेंगे।

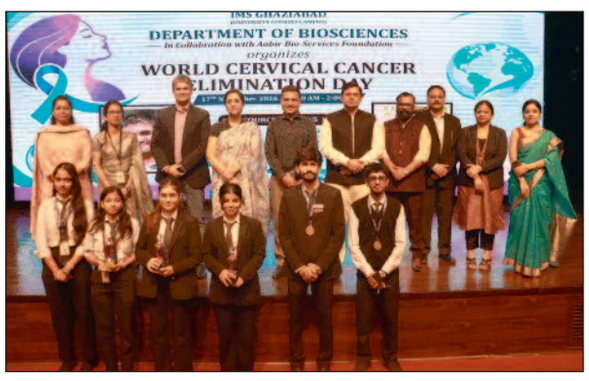
उन्होंने बताया कि जनपद में 1303 मतदान केंद्र और 2990 मतदान स्थल हैं, जो सात विधानसभा क्षेत्रों में विभाजित हैं। इनमें बेहट में 3,50,461, नकुड़ में 3,37,362, सहारनपुर नगर में 3,91,504, सहारनपुर में 3,42,275, देवबंद में 3,19,218, रामपुर मनिहारान में 3,01,418 और गंगोह में 3,46,649 मतदाता



पंजीकृत हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए प्रारूप-6, किसी नाम पर आपत्ति या नाम हटवाने के लिए प्रारूप-7 तथा नाम-पते में संशोधन और निवास परिवर्तन के लिए प्रारूप-8 भरना होगा। पात्र नागरिक भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट अथवा ईसीआईनेट मोबाइल ऐप से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं, विशेषकर 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराने की अपील की। साथ ही राजनीतिक दलों और बूथ स्तरीय अभिकताओं से अभियान में सक्रिय सहयोग करने का आह्वान किया, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।

आईएमएस गाजियाबाद में विश्व सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद के जैव विज्ञान विभाग द्वारा आबिर बायो सर्विसेज फाउंडेशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में 'विश्व सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन दिवस' के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज और युवाओं में सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, इसकी रोकथाम, समय पर जांच, एचपीवी टीकाकरण और प्रारंभिक निदान के महत्व के बारे में जानकारी देना था। यह आयोजन संस्था के महासचिव सीए (डॉ.) राकेश छारिया और ट्रस्टी सीए विदुर छारिया के मार्गदर्शन तथा निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर के दिशा-निर्देशों में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शैक्षणिक डीन डॉ. गीति शर्मा, जैव विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार राय, कुलसचिव डॉ. आभा वशिष्ठ, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ऋषि कुमार सिंह और



एसएसआर क्लब के प्रमुख डॉ. संघ्दीप गौतम विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर ने अपने संबोधन में कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक व स्वास्थ्य-उन्मुख आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सामाजिक जिम्मेदारी और स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में कंप्यूटजीनोमिक्स प्रा. लि. के संस्थापक निदेशक डॉ. कपिल रवि और आबिर बायो-सर्विसेज फाउंडेशन के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम.डी. कौसर नियाज ने शिरकत की। विशेषज्ञों ने सर्वाइकल कैंसर के कारणों, लक्षणों, रोकथाम के उपायों और आधुनिक चिकित्सा तकनीकों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में शगुन (एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी, प्रथम वर्ष) ने प्रथम पुरस्कार, इशाना (बी.एससी. जैव प्रौद्योगिकी, प्रथम वर्ष) ने द्वितीय पुरस्कार तथा खुशी गर्ग (बीबीए, द्वितीय वर्ष) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त आर्ची (बी.एससी. सूक्ष्मजीव विज्ञान, प्रथम वर्ष), रक्षित चौधरी (बी.एससी. जैव प्रौद्योगिकी, प्रथम वर्ष) और पुलकित (बीएजेएमसी, द्वितीय वर्ष) को सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन जैव विज्ञान संकाय की प्रो. स्वाति त्यागी और डॉ. संघ्दीप गौतम द्वारा किया गया। इसमें अर्चिता गुप्ता, तनिष्क डोभाल, पावनी कौशिक, करन पासवान, वंश शर्मा और गौरव यादव का विशेष सहयोग रहा। आईएमएस गाजियाबाद का यह प्रयास एक स्वस्थ, जागरूक एवं सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक सार्थक कदम साबित हुआ।

बस अड्डे पर युवती से मोबाइल लूटने वाले दो आरोपी दबोचे, बाइक भी बरामद



नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। रोडवेज बस अड्डे पर सवारी का इंतजार कर रही युवती का मोबाइल फोन छीनकर फरार हुए दो आरोपियों को नगीना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस की इस कार्रवाई से मोबाइल छीनने की घटना का खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, 13 नवंबर को एक युवती नगीना रोडवेज बस अड्डे पर सवारी का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक अचानक उसका पोको सी-61 मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। लगातार तलाश के बाद पुलिस ने 16 नवंबर को फैसल पुत्र सरफराज और शहजाद उर्फ छोटू पुत्र जलील अहमद निवासी पहाड़ी दरवाजा, नगीना को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से युवती का छीना गया मोबाइल फोन और घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल संख्या यूके07एवी3881 बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों आरोपियों ने मोबाइल छीनने की घटना स्वीकार की है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार, मुख्य आरक्षी सन्नीराज तोमर और आरक्षी अमित कुमार शामिल रहे। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जनता की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करें अधिकारी, लापरवाही मिली तो होगी कार्रवाई

बिजनौर (शिखर समाचार)। नवागत जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आमजन की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनशिकायतों का निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और उनके समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाएं।

बुधवार को जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की योजनाओं, जनपद में संचालित विकास कार्यों और उनकी प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को शासन की प्राथमिकताओं के



अनुरूप पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बरतें और पात्र लाभार्थियों को अनावश्यक परेशानी न होने दें। उन्होंने विकास एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के साथ उन्हें निर्धारित समय में पूरा कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों से आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें, ताकि जनपद के विकास कार्यों को गति मिल सके और आमजन को बेहतर प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

विकास परियोजनाओं को समय पर पूरा कराना और कानून व्यवस्था मजबूत रखना प्राथमिकता: जोगिंदर सिंह

बिजनौर (शिखर समाचार)। नवागत जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह ने कहा कि जनपद में विकास कार्यों को गति देना, कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पारदर्शिता के साथ पहुंचाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। विकास परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने के साथ ही आमजन की समस्याओं के समाधान पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। लिंक एक्सप्रेस-वे का निर्माण समय से पूरा कराना भी उनकी प्राथमिकता रहेगी। मंगलवार को जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान अपनी कार्ययोजना और प्राथमिकताओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित की जाएगी,



ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद और पात्र लोगों तक पहुंच सके। जिलाधिकारी ने युवाओं से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील करते हुए बताया कि 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक मतदाता सूची से संबंधित दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इसके बाद चार जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने पात्र युवाओं से निर्धारित समय के भीतर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने का आह्वान किया। उन्होंने जनगणना-2027 के संबंध में भी जानकारी देते हुए लोगों से 30 नवंबर तक स्व-गणना पोर्टल पर परिवार के सभी सदस्यों का विवरण दर्ज कराने की अपील की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व देवेंद्र पाल सिंह सहित अन्य अधिकारी और मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बीएचयू में 1 दिसंबर से काशी कराटे लीग, 400 एथलीट आएंगे

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू में एक दिसंबर से काशी कराटे लीग शुरू होगी। इसमें 400 से ज्यादा खिलाड़ी कराटे की अलग-अलग विधाओं में शामिल होंगे। बीएचयू के एंफीथियेटर ग्राउंड स्थित राजा विभूति सिंह हॉल में मुकाबले होंगे। इसके विजेता को 56400 रुपये का इनाम दिया जाएगा। ओपन कुमिते बॉयज 14+ को 7100 रुपये, ओपन कुमिते गर्ल्स को 5100 रुपये, अंडर -14 बॉयज ओपन 5100 रुपये, टीम कुमिते में गर्ल्स और बॉयज को 11 हजार रुपये दिए इनाम के तौर पर जाएंगे। इसमें कराटे एथलीट, स्कूल के छात्र-छात्रा सहित कराटे एकेडमिक्स के सदस्य भाग ले सकते हैं।

सेपक टकरा चैंपियनशिप में दम दिखाएंगी शहर की बेटियां

कानपुर , एजेंसी। अस्मिता महिला खेलो इंडिया राज्यस्तरीय सेपक टकरा चैंपियनशिप 27 से 29 नवंबर तक बरेली स्थित साई सेंटर में होगी। इसमें प्रतिभाग करने वाली बालिका टीम के चयन के लिए 21 नवंबर को किदवईनगर में ट्रायल होने हैं। इसमें शहर की बेटियां भी प्रतिभाग करेंगी। प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग की खिलाड़ी रेगू और क्राइट इवेंट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। उत्तर प्रदेश सेपक टकरा एसोसिएशन की ओर से सर्कुलर जारी किया गया है। इसके अनुसार प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर आठवें खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 के लिए उत्तर प्रदेश की टीम का चयन किया जाएगा। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 11 से 22 दिसंबर तक तेलंगाना में प्रस्तावित है। कानपुर सेपक टकरा एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित शुक्ला ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

स्मार्ट मीटर पर नहीं रहा भरोसा 4,405 घरों में लगे चेक मीटर

बरेली , एजेंसी। स्मार्ट मीटर लगने के बाद खपत से ज्यादा बिल आने की शिकायतें बढ़ रही हैं। ऐसे में उपभोक्ता विद्युत निगम के मीटर की रीडिंग पर भरोसा करने के बजाय खुद इसकी निगरानी करने लगे हैं। मार्च से अब तक 4,405 उपभोक्ता चेक मीटर लगवा चुके हैं विद्युत निगम से मिली रिपोर्ट के अनुसार, शहर में 2.25 लाख उपभोक्ता हैं। इनमें से 1.22 लाख के यहां स्मार्ट मीटर लगे हैं। इसके बाद बिल में अचानक बढ़ोतरी, अपेक्षाकृत अधिक यूनिट दर्ज होने और खपत के आंकड़ों को लेकर उपभोक्ताओं की शिकायतें आ रही हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं ने चेक मीटर लगवाना शुरू कर दिया है चेक मीटर को स्मार्ट मीटर के समानांतर लगाया जाता है। घर में जितनी बिजली खपत होती है, उसका रिकॉर्ड मुख्य मीटर के साथ चेक मीटर भी दर्ज करता है। कुछ समय तक दोनों मीटरों की रीडिंग की तुलना की जाती है यदि दोनों में दर्ज खपत लगभग समान है तो मीटर की रीडिंग सामान्य मानी जाती है। लगातार बड़ा अंतर मिलता है तो उपभोक्ता निगम से मीटर की जांच की मांग कर सकता है।

मिर्गी से पीड़ित हो रहे बच्चे और गर्भवती, दिमाग में कीड़े भी वजह

बरेली। अचानक बेहोश होकर गिरना, झटके आना या कुछ देर के लिए सुध-बुध खो देना... ये लक्षण मिर्गी के हो सकते हैं। बच्चों और गर्भवतियों में भी ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। दिमाग में टेपवर्म के लार्वा भी मिर्गी की वजह बन रहे हैं। जिला अस्पताल के मनोचिकित्सक डॉ. आशीष के मुताबिक, पांच से 12 साल के बच्चों में तेज चक्कर आने की शिकायत को हल्के में नहीं लेना चाहिए। न्यूरो इमेजिंग के लिए भेजे जा रहे मरीजों में 30 फीसदी तक इस्केमिक इंसल्ट यानी दिमाग में खून का प्रवाह बाधित होने के मामले सामने आ रहे हैं। इसे बुजुर्गों से जुड़ी समस्या माना जाता था, पर अब बच्चों को भी यह दिक्कत हो रही है। तीन से चार फीसदी मामलों में ब्रेन ट्यूमर की भी पुष्टि हो रही है। डॉ. आशीष ने सुझाव दिया कि गर्भावस्था के दौरान मिर्गी की दवा का चयन विशेष सावधानी से करना पड़ता है। पहले अस्पताल में गर्भवतियों के लिए सुरक्षित दवाओं की उपलब्धता चुनौती थी। अब जिला अस्पताल और मानसिक स्वास्थ्य विभाग में इन दवाओं का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। चिकित्सकों के मुताबिक, जांच और नियमित एंटी सीजर दवा से मिर्गी के 70 फीसदी मरीज स्वस्थ हो सकते हैं। मिर्गी छुआछूत, मानसिक कमजोरी की बीमारी नहीं है। विशेषज्ञ के परामर्श के अनुसार नियमित दवाएं लेनी चाहिए। बिना डॉक्टर की सलाह के दवा बंद करने से जोखिम हो सकता है।

कार्यकर्ता सम्मेलन में पुत्र करन के साथ दिखे महाना, चर्चाएं हुईं तेज

कानपुर , एजेंसी। महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र में सोमवार को लालबंगला स्थित एक धर्मशाला में भाजपा का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और उनके बेटे करन महाना ने दीप जलाकर किया। मंच पर पिता-पुत्र की एक साथ मौजूदगी को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गईं। सतीश महाना ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगले 100 दिन सभी को युद्ध स्तर पर तैयारी करनी है। पार्टी जिसे टिकट देगी, सभी कार्यकर्ता उसे चुनाव लड़ाने का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार महाराजपुर विधानसभा में एक लाख वोटों से जीत का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने पार्षदों से अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं का गंभीरता से समाधान कराने और अधूरे विकास कार्यों की जानकारी देने को कहा। कहा कि एक माह तक मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। कार्यकर्ता अपने क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या बढ़ाने का प्रयास करें। जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से कट गए हैं, वे फार्म-6 भरकर नाम जुड़वा सकते हैं उन्होंने कहा कि विधानसभा में हुए विकास कार्यों का प्रचार-प्रसार करना पार्षदों की जिम्मेदारी है। करन महाना ने कहा कि महाराजपुर में कार्यकर्ताओं का बड़ा परिवार है। यहां सभी एक परिवार की तरह मिलकर काम करते हैं। इस दौरान महाराजपुर विधानसभा की टेलीफोन डायरेक्टरी का विमोचन भी किया गया। मौके पर राकेश तिवारी, वीडी राय समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महामंथन का सार, नए हाथों में भी देनी होगी पतवार

सपा के फॉर्मूले की काट को भाजपा का नया ब्लूप्रिंट



आगरा, एजेंसी। उत्तर विधानसभा चुनाव - 2027 का रण जीतने के लिए मथुरा में शुरू हुए महामंथन में भाजपा थिंक टैंक ने इरादे साफ कर दिए हैं कि इस बार चुनावी चक्रव्यूह कुछ अलग अंदाज में रचा जाएगा। सभी द्वारों पर पुराने महारथियों से काम चलने वाला नहीं है।चाहे संगठन स्तर पर ऊपर से आए दिग्गजों की नई टीम हो या टिकटों का बंटवारा, नए दांव आजमाने ही होंगे। ऐसे में बड़ी संख्या में टिकट काटे जा सकते हैं। बैठक में सपा के पीडीए फॉर्मूले की काट के लिए नया ब्लूप्रिंट तैयार करने पर मंथन हुआ। परखम गांव स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय गो अनुसंधान केंद्र में भाजपा के दो दिवसीय हाई-प्रोफाइल चिंतन शिविर में प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के नेताओं ने विधानसभा चुनाव में जीत के नए फॉर्मूले पर योजना बनाई। शिविर का नाम भी योजना बैठक रखा गया। बैठक में सबसे ज्यादा चर्चा इस पर हुई कि वर्तमान विधायकों की जनता में इस समय कैसी छवि है। क्या वे इस बार भी चुनावी वैतरणी में पार्टी की नैया को पार लगा सकेंगे।

कई विधायकों के कटेंगे टिकट

पार्टी के शीर्ष रणनीतिकारों ने स्पष्ट कहा कि काफी सीटें ऐसी हैं जहां इस बार हवा का रुख ठीक नहीं। ऐसे में वहां वर्तमान विधायक शायद चुनावी दंगल न जीत पाएं। कहीं व्यक्तिगत रूप से लोगों में नाराजगी है तो कहीं मुद्दे हावी हैं। ऐसे में नए लोगों पर भी विचार करना होगा। भले ही ऐसे लोग जो पार्टी में काफी दिनों से काम कर रहे हों या फिर दूसरे दलों से आए दिग्गज हों।

पूरे चुनाव की मॉनीटरिंग करेगी टीम

यानी बैठक में यह साफ हो गया है कि विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या में टिकट काटे जा सकते हैं। इसके अलावा सबसे बड़ा इशारा संगठन स्तर पर किया गया। कई पदाधिकारी केवल कठपुतली बने हैं। ऐसे में यह साफ किया गया कि ऊपर से आई टीम ही पूरे चुनाव की मॉनीटरिंग करेगी। एक तरह से यह चुनाव का आगाज हो गया है और कहा दिया है कि अब कमान हाईकमान उठाएगा।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 16 जिलों में विधानसभा की कुल 136 सीटें

दरअसल, पिछले दो चुनावों के परिणाम भले ही भाजपा के पक्ष में आए हों पर चुनौतियां लगातार बढ़ी हैं। खास तौर से पश्चिमी उप्र में भाजपा को इस समय ज्यादा फोकस करना पड़ रहा है। यही कारण है कि चिंतन शिविर के लिए मथुरा को चुना गया जिसे पश्चिमी उप्र का द्वार कहा जाता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 16 जिलों में विधानसभा की कुल 136 सीटें हैं। वर्ष 2017 में भाजपा इनमें से मात्र 27 पर चुनाव हारी थी। राष्ट्रीय लोकदल ने अकेले 277 सीटों पर चुनाव लड़ा और केवल एक सीट जीत पाई थी।

वर्ष 2022 के चुनाव में वेस्ट यूपी में समीकरण गड़बड़ाए। भाजपा ने पश्चिमी यूपी की 136 सीटों में से 93 सीटों पर जीत दर्ज की। 2017 (109 सीटें) के मुकाबले पार्टी को करीब 16 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा था। सपा ने बढ़त बनाई और अकेले 35 सीटें जीतने में सफल रही।

रालोद भी एक से बढ़कर आठ सीटों पर पहुंची

उसके साथ मिलकर लड़ने वाले रालोद ने भी एक से बढ़कर आठ सीटों पर छलांग लगा दी। बसपा और कांग्रेस का तो इस क्षेत्र में खाता भी नहीं खुल पाया। वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों के टिकट काटे थे।

चिंता का विषय बने लोकसभा चुनाव

नुकसान के बावजूद पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने आगरा, मथुरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर और बुलंदशहर जैसे जिलों में क्लीन स्वीप करते हुए विपक्षी गठबंधन को पैर पसारने का मौका नहीं दिया था। बावजूद इसके लोकसभा 2024 के परिणाम ने भाजपा को सकते में डाल दिया। भाजपा ने वेस्ट यूपी की 29 में से कुल 14 सीटों पर जीत दर्ज की। हालांकि, 2019 में उसने 19 सीटें जीतीं थी। सपा चार सीटों से छलांग लगाकर सीधे 11 पर पहुंच गई और पूरे प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई। हालांकि लोकसभा चुनाव से ही रालोद भाजपा के साथ है और पार्टी का मानना है कि उसका सकारात्मक प्रभाव इस विधानसभा चुनाव पर पड़ेगा।

दलित वोटरों पर विशेष फोकस

हाल ही में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आज़ाद के बीच हुए नए गठबंधन को लेकर भी भाजपा आलाकमान मंथन कर रहा है। इस शिविर में खास तौर पर दलित वोटर पर चर्चा हुई। चूंकि अखिलेश यादव ने पीडीए में डी का अर्थ दमदार दलित बताया है वह भी आगरा में।ऐसे में भाजपा इसकी काट ढूंढ रही है। चूंकि मायावती भी इस बार और मजबूती से चुनावी मैदान में उतरने की कोशिश कर रही हैं। ऐसे में चंद्रशेखर के गठबंधन और बसपा के बीच से निकालकर दलितों को ज्यादा से ज्यादा कैसे भाजपा से जोड़ा जाए, इस पर भी मंथन हुआ।

पहली तैयारी...पहला गढ़ जीतो

मथुरा में बैठक कर भाजपा ने अपनी टीम को ...पहली तैयारी पहला गढ़ जीतो... का संदेश देकर की है। व्यापक भौगोलिक एवं राजनीतिक दृष्टिकोण से पश्चिमी उप्र में 136 विधानसभा सीटें आती हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने अपने सांगठनिक ढांचे के अनुसार इसे छह अलग-अलग क्षेत्रों (प्रांतों) में बांटा है।इसमें पश्चिम क्षेत्र में कुल 71 विधानसभा सीटें रखी गई हैं। इनमें खास तौर से पश्चिमी यूपी के बिल्कुल ऊपरी हिस्से सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा और आगरा के कोर बेल्ट को मिलाकर 58 विधानसभा सीटें बनती हैं।

गाजियाबाद में आलेख्य मतदाता सूची का प्रकाशन, डीएम ने मीडिया से मतदाता जागरूकता और स्व-गणना अभियान में मांगा सहयोग



गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के दिशा-निर्देशों के क्रम में विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत मंगलवार को आलेख्य मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया। इसके साथ ही निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार टेबल टॉप एक्सरसाइज भी प्रारंभ कर दी गई है। इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर मतदाता जागरूकता और जनगणना-2027 के स्व-गणना अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की।

इससे पूर्व जिलाधिकारी ने भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों से अवगत कराते हुए सभी दलों के प्रतिनिधियों को आलेख्य मतदाता सूची की प्रतियां उपलब्ध कराई गईं।

पत्रकारों से वार्ता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मीडिया से अनुरोध किया कि वे अपने समाचार पत्रों, समाचार चैनलों और डिजिटल माध्यमों के जरिए आमजन को मतदाता सूची में अपना नाम जांचने, त्रुटियों में सुधार कराने और वंचित पात्र नागरिकों को नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने जानकारी दी कि पात्र नागरिक संबंधित बूथ के बीएलओ से संपर्क करने के अलावा निर्वाचन आयोग के पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इसके साथ ही जिलाधिकारी ने 16 नवंबर से शुरू हुए 'जनगणना-2027' के स्व-गणना अभियान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत नागरिक निर्धारित सरकारी पोर्टल पर स्वयं अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं, अथवा निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रगणकों के माध्यम से विवरण दर्ज करा सकते हैं।

संवाद कार्यक्रम के उपरांत जिलाधिकारी ने सेठ मुकुंद लाल इंटर कॉलेज और नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज सहित विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों का जायजा लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकार और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार का एआई मिशन युवाओं को बनाएग सशक्त : डॉ. राजेश्वर सिंह

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन (यूपी-एआईएम) को मिशन मोड में लागू करने का निर्णय लिया है। सरोजनी नगर से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित करेगा।

उन्होंने कहा कि 19 मई 2025 को उन्होंने प्रदेश सरकार को एक समर्पित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आयोग के गठन का प्रस्ताव दिया था, जिसमें नैतिक उपयोग, सुशासन, अनुसंधान और कौशल विकास की रूपरेखा थी। कहा कि इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया है। इस मिशन का शासनादेश 21 अक्तूबर को जारी हुआ। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दृष्टिकोण के अनुरूप कई पहल यूपी-एआईएम में शामिल हैं। मिशन की छह प्रमुख पहलें रोजगार, जनसेवाओं और तकनीकी विकास को गति देंगी। इनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रतिभा विकास, शिक्षा, सुशासन, कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्यमिता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मिशन की सफलता आम नागरिकों तक इसके लाभ पहुंचने से मापी जाएगी।

मिशन की प्रमुख पहलें : मिशन के तहत 62 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा लैब स्थापित होंगी। मुख्यमंत्री आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत 75 जनपदों में 75 फेलो तैनात होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रज्ञा 2.0 से साक्षरता, कौशल विकास और सुशासन को बढ़ावा मिलेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शक्ति ग्रिड कंप्यूटिंग संसाधन उपलब्ध कराएगा। प्रोत्साहन निधि स्टार्टअप, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तथा ओडीओपी इकाइयों को वित्तीय सहायता देगी।

जनगणना की तैयारी में जुटी बिजनौर पालिका, सभासदों और कर्मचारियों ने की स्वगणना



बिजनौर (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के तहत 16 से 30 नवंबर तक संचालित होने वाले स्वगणना अभियान को लेकर नगर पालिका परिषद बिजनौर में जागरूकता और भागीदारी की पहल की गई। इस अवसर पर पालिका चेयरमैन इंदिरा सिंह की अध्यक्षता और अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह के संचालन में बैठक आयोजित की गई। इसमें पालिका के कर्मचारियों और सभासदों की स्वगणना कराई गई, ताकि अभियान के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सके।

बैठक में चेयरमैन इंदिरा सिंह ने जनगणना के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि जनगणना देश और समाज के विकास की योजनाएं तैयार करने का महत्वपूर्ण आधार होती है। इसके माध्यम से जनसंख्या से संबंधित आवश्यक आंकड़े प्राप्त होते हैं, जिनका उपयोग भविष्य की विकास योजनाओं और सरकारी सुविधाओं के निर्धारण में किया जाता है। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे 16 से 30 नवंबर तक चलने वाले स्वगणना अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपनी जानकारी सही तरीके से उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि सटीक आंकड़े उपलब्ध कराना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। सभी लोग अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाकर जनगणना को सफल बनाने में सहयोग करें। इस दौरान कर अधीक्षक नरेंद्र पाल सिंह, अवर अभियंता जलकल गौरव शर्मा, सभासद मनोरमा शर्मा, जुल्फकार बेग, आशीष अग्रवाल, अभिषेक राणा, राजकुमार अग्रवाल, सुजीत चौधरी, मनी चौधरी और नीरज शर्मा सहित पालिका के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

मुफ्त मिलना था सामान, डॉक्टर परची थमाकर भेज रहे बाहर

लखनऊ , एजेंसी। केजीएमयू में मरीजों को मुफ्त मिलने वाली सुविधाओं के लिए भी जेब ढीली करनी पड़ रही है। शताब्दी फेज-एक स्थित रेडियो एंजियोग्राफी यूनिट में जांच और ऑपरेशन के दौरान इस्तेमाल होने वाले ग्लव्स, गाउन, गॉज और नमूने रखने के कंटेनर समेत अन्य सर्जिकल सामान मरीजों को मुफ्त उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इसके बावजूद मरीजों को इन सामानों की परची थमाकर निजी मेडिकल स्टोर से खरीदारी करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

मरीजों का आरोप है कि एचआरएफ काउंटर पर सामान उपलब्ध नहीं होने का हवाला देकर उन्हें बाहर भेज दिया जाता है। यूनिट में ऑपरेशन के अलावा बायोप्सी और अन्य जांचों के लिए मरीजों के नमूने लिए जाते हैं। इसके लिए जरूरी सर्जिकल सामान संस्थान की ओर से मुफ्त उपलब्ध



कराने की व्यवस्था है।

डालीगंज निवासी एक युवती के बच्चेदानी में गांठ है। चिकित्सकों ने उसे बायोप्सी के लिए नमूना देने के लिए कहा था। शनिवार को वह अपनी मां के साथ रेडियो एंजियोग्राफी यूनिट पहुंची। आरोप है कि वहां उसे छह जोड़ी ग्लव्स, तीन गाउन और कंटेनर समेत अन्य सामान की परची थमा दी गई। युवती जब एचआरएफ काउंटर पर पहुंची तो वहां सामान उपलब्ध नहीं होने की बात कहकर बाहर से खरीदने के लिए कहा गया। मजबूरन उसे निजी मेडिकल स्टोर से करीब 1,300 रुपये का सामान खरीदना पड़ा। आरोप है कि दुकानदार ने इसका पक्का बिल भी नहीं दिया।इसी तरह माल निवासी अनुराग कुमार के चाचा की किडनी में संक्रमण है। उनकी जांच के लिए भी बाहर से ग्लव्स, गाउन और कंटेनर समेत करीब 5,200 रुपये का सर्जिकल सामान मंगवाया गया।

गंगा मेलों में हुड़दंग करने वालों की खैर नहीं, डीआईजी ने दिए एफआईआर और वाहन सीज करने के निर्देश

मेरठ (शिखर समाचार)। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले गढ़ गंगा मेला हापुड़, मखदूमपुर मेला मेरठ और अनूपशहर गंगा मेला बुलंदशहर में लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। डीआईजी मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने तीनों मेलों में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मेला क्षेत्रों और वहां आने-जाने वाले मार्गों पर हुड़दंग, अराजकता या शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी। ऐसे लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के साथ उनके वाहनों को भी सीज किया जाएगा।



डीआईजी ने निर्देश दिए कि मेलों के प्रमुख मार्गों, संपर्क मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल लगातार गश्त करे। हुड़दंग, मारपीट और कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ केवल चेतावनी देकर छोड़ने के बजाय मामले के अनुसार संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने प्रत्येक सेक्टर प्रभारी की जिम्मेदारी तय करते हुए कहा कि अपने निर्धारित क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था होने पर संबंधित प्रभारी तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति संभालें। लापरवाही मिलने पर सेक्टर प्रभारी और मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्धारित ड्यूटी स्थल पर पूरी सतर्कता के साथ मौजूद रहने और किसी भी अप्रिय स्थिति में तत्काल हस्तक्षेप करने के निर्देश दिए। डीआईजी ने कहा कि ड्यूटी के दौरान अनुशासनहीनता और लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय होगी। श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए पारंपरिक तरीके से उत्सव संपन्न कराने पर भी जोर दिया गया। इसके साथ ही विद्युत सुरक्षा और अग्निशमन मानकों का प्रतिदिन पालन सुनिश्चित कराने, गंगा तटों पर पर्याप्त नाव और गोताखोर तैनात रखने तथा प्रत्येक नाव पर जीवन रक्षक जैकेट, ध्वनि विस्तारक यंत्र और टॉर्च उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। डीआईजी ने कहा कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति के तहत कार्रवाई की जाएगी।

प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने फीता काटकर किया ऐतिहासिक गढ़ गंगा कार्तिक मेले का शुभारंभ, सुरक्षा व्यवस्था का भी लिया जायजा





गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। ऐतिहासिक गढ़ गंगा कार्तिक मेला-2026 का विधिवत शुभारंभ प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री केपी मलिक ने जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर की उपस्थिति में फीता काटकर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहे। मेले के शुभारंभ के साथ ही गंगा तट पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल नजर आया। प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने गंगा आरती में शामिल होकर मां गंगा की पूजा-अर्चना की तथा मेले में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी सहभागिता की। मेले को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के अंतर्गत आरती स्थल और मेला परिसर का पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की आवाजाही, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा प्रबंधों और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। इस दौरान मेले की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से फायर ब्रिगेड की 18 बाइकों को प्रभारी मंत्री केपी मलिक एवं जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये बाइकें मेला क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहकर आगजनी अथवा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई करने में सहायक होंगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मेले के प्रत्येक महत्वपूर्ण स्थल पर सतर्कता बनाए रखी जाए और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक संसाधन सक्रिय रखे जाएं। ऐतिहासिक गढ़ गंगा कार्तिक मेले में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा, अग्निशमन तथा भीड़ प्रबंधन को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। प्रशासन ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने और श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक माहौल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

यमुना एक्सप्रेसवे पर ऑटो को टक्कर मारने वाले फरार कार चालक के खिलाफ रबूपुरा कोतवाली में मुकदमा दर्ज

रबूपुरा/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। थाना रबूपुरा क्षेत्र के अंतर्गत यमुना एक्सप्रेसवे पर दिवाली के दिन तेज रफ्तार कार द्वारा ऑटो में टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस दर्दनाक हादसे में ऑटो सवार चालक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनका अस्पताल में इलाज कराया गया। पुलिस को दी गई शिकायत में ग्राम तलेसरा, इगलास (अलीगढ़) निवासी राजेश कुमार ने बताया कि वह अपने भाई सतीश कुमार और मथुरा के नौहझील निवासी अशोक कुमार के साथ अपने ऑटो में सवार होकर दिवाली के अवसर पर यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते अपने गांव जा रहे थे। जब उनका ऑटो रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में एटीएस के सामने पहुंचा, तो पीछे से आ रही एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को जेवर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार किया गया। स्वस्थ होने के बाद पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर आरोपी चालक के खिलाफ लिखित शिकायत दी। थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी कार चालक की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जेवर में रास्ते के विवाद को लेकर कार सवार दो पक्षों में खूनी संघर्ष

जेवर/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। थाना रबूपुरा क्षेत्र के बंकापुर गांव के पास सोमवार की रात कार सवार दो पक्षों के बीच आमने-सामने साइड देने को लेकर उपजा विवाद ५ङ्ल्लील्ल३ हो गया। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट और अंधाधुंध फायरिंग शुरू हो गई। इस खूनी संघर्ष में गोली लगने से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एक अन्य युवक भागने के दौरान गिरकर घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सुरक्षा के मद्देनजर गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार की रात करीब नौ बजे बंकापुर गांव निवासी विशाल, चिंटू और जयंत शर्मा स्कॉर्पियो कार से कहीं जा रहे थे। जब उनकी गाड़ी बंकापुर गांव के पास नहर की पुलिया पर पहुंची, तो सामने से थार गाड़ी में आ रहे गांव गढ़ी निवासी आकाश व हरीश और कस्बा जहांगीरपुर निवासी सौरभ से उनकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। दोनों पक्षों की कारें आमने-सामने आने के बाद संकरे रास्ते पर साइड देने को लेकर तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों ओर से अवैध तमंचे निकल आए और ताबड़तोड़ गोलियां चलने लगीं। इस फायरिंग में एक पक्ष से विशाल, चिंटू और जयंत शर्मा घायल हो गए, जबकि दूसरे पक्ष के सौरभ के सीने में गोली लगने से उसकी हालत गंभीर हो गई। वहीं, आकाश मौके से भागने के प्रयास में गिरकर घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने तुरंत सभी घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना के संबंध में कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से मिली तहरीर के आधार पर क्रॉस मुकदमे दर्ज कर लिए गए हैं। एक पक्ष के विशाल की शिकायत पर हरीश, आकाश, अरविंद और सौरभ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है, जबकि दूसरे पक्ष के आकाश की शिकायत पर विशाल, जयंत और चिंटू के नाम रिपोर्ट दर्ज हुई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक पक्ष से आकाश और दूसरे पक्ष से जयंत शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है।



खुद को साधु बताकर ठगों ने महिला से ठगे सोने के कुंडल और नकदी, पुलिस जांच में जुटी

जेवर (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र के जेवर में खुद को साधु बताकर आए दो ठगों ने एक महिला को बातों में उलझाकर उसके सोने के कुंडल और 15 सौ रुपये ठग लिए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को मामले की शिकायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।



पुलिस को दी गई शिकायत में रबूपुरा क्षेत्र के गांव कानपुर निवासी शकुंतला ने बताया कि वह बुधवार को वैना रोड स्थित अपने मायके आई थीं। जब वह कन्या इंटर कॉलेज के पास से गुजर रही थीं, तभी वहां दो संदिग्ध व्यक्ति मिले। उन्होंने खुद को साधु-संत बताकर महिला को बातों के जाल में फंसा लिया और झांसे में लेकर उसके सोने के कुंडल व 15 सौ रुपये की नकदी हड़प ली। ठगों के वहां से फरार होने के बाद महिला ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद उन्होंने थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान कर जल्द से जल्द उन्हें पकड़ा जा सके।

गौतमबुद्धनगर में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू, 16 दिसंबर तक दर्ज करा सकेंगे दावे और आपत्तियां

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को शुभारंभ हो गया। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें आलेख्य मतदाता सूची की मुद्रित व डिजिटल प्रतियां उपलब्ध कराई गईं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक दावे और आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी, जिनका निस्तारण 28 दिसंबर तक कर 04 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। पात्र नागरिक नया नाम जुड़वाने के लिए प्रपत्र-6, नाम हटवाने के लिए प्रपत्र-7 और संशोधन या स्थान परिवर्तन के लिए प्रपत्र-8 भरकर आवेदन कर सकते हैं। अभियान के तहत 21, 22, 28 और 29 नवंबर को विशेष शिविरों में बीएलओ मतदान केंद्रों पर मौजूद रहेंगे। इसके अतिरिक्त नागरिक ऑनलाइन पोर्टल, मोबाइल ऐप तथा हेल्पलाइन नंबर 1950 व 0120-2978702 के माध्यम से भी सहायता ले सकते हैं।



उन्होंने जानकारी दी कि जनपद के तीनों विधानसभा क्षेत्रों– नोएडा (5,93,236), दादरी (6,17,352) और जेवर (3,16,840) में वर्तमान में कुल 15,27,428 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 8,34,652 पुरुष, 6,92,729 महिला और 47 उभयलिंगी मतदाता शामिल हैं। मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए आरडब्ल्यूए, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से भी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

बैठक में भाजपा से धर्मेंद्र कोरी व पंकज झा, सपा से अनूप तिवारी, बसपा से लखमी सिंह, राजकुमार गुर्जर व मुकेश राठी, आम आदमी पार्टी से दिलदार अंसारी व यतेंद्र शर्मा सहित एडीएम (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह और तीनों तहसीलों के एसडीएम उपस्थित रहे।

कार्यभार संभालते ही जनसुनवाई में जुटे डीएम प्रवीण वर्मा, अधिकारियों को चेताया

शामली (शिखर समाचार)। नवागत जिलाधिकारी प्रवीण वर्मा ने कार्यभार संभालने के अगले ही दिन सक्रियता दिखाते हुए मंगलवार को जनसुनवाई की और विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नवागत जिलाधिकारी 16 नवंबर की देर रात कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। यहां कोषागार के दोहरी सुरक्षा वाले अभिलेख कक्ष में आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के बाद उन्होंने जिलाधिकारी का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। मंगलवार सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक उन्होंने अपने कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान फरियादियों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें उनके सामने रखीं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायत को



गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के बाद पत्रकारों से बातचीत में प्रवीण वर्मा ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन उनकी प्राथमिकता रहेगी। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि आमजन को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि जनपद में कानून-व्यवस्था मजबूत बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। साथ ही शामली के विकास की नई संभावनाएं तलाशकर ऐसी कार्ययोजनाएं बनाई जाएंगी, जिनसे विकास की गति तेज हो। जिलाधिकारी ने जनगणना-2027 और आगामी निर्वाचन से संबंधित कार्यों को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ संपन्न कराने की बात कही। उन्होंने पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह और अपर जिलाधिकारी न्यायिक सोहनलाल मौजूद रहे।

सीएम ग्रिड की तर्ज पर शहर के प्रमुख मार्गों का होगा कायाकल्प, नगर आयुक्त ने परखी सड़कों की गुणवत्ता

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर की प्रमुख सड़कों को व्यवस्थित, सुंदर और सुविधाजनक बनाने के लिए नगर निगम ने तैयारी तेज कर दी है। सीएम ग्रिड योजना के पहले चरण में विकसित सड़कों की सफलता को देखते हुए अब अन्य प्रमुख मार्गों को भी इसी तर्ज पर सुधारने की योजना बनाई जा रही है। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने मोहन नगर क्षेत्र में योजना के तहत विकसित सड़कों का निरीक्षण कर कार्यों की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को आगामी योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि सीएम ग्रिड के पहले चरण में 33 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत से मोहन नगर जोन की दो प्रमुख सड़कों को व्यवस्थित किया गया है। वहीं दूसरे चरण में 280 करोड़ रुपये की लागत से वसुंधरा जोन की प्रमुख सड़कों का सुधार कराया जा रहा है। इसके अंतर्गत इंदिरापुरम, वैशाली



और कौशांबी क्षेत्र में कार्य चल रहे हैं।

नगर आयुक्त ने बताया कि मोहन नगर चौराहे से हिंडन हवाई अड्डे तक सड़क को व्यवस्थित किया गया है। एलिवेटेड मार्ग से नागद्वार तक सड़क का भी सुधार किया गया है। इन कार्यों में भूमिगत उपयोगिता सेवाओं की व्यवस्था, फुटपाथों का चौड़ीकरण, कंक्रीट की दीवारों का निर्माण, हरियाली विकसित करना, डिवाइडर बनाना और मार्ग प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य सुविधाएं शामिल हैं। इससे शहरवासियों को आवागमन में सुविधा मिल रही है।

उन्होंने कहा कि सीएम ग्रिड के पहले चरण की तर्ज पर नगर निगम सीमा के अन्य प्रमुख मार्गों को भी चिन्हित कर उनका विकास कराया जाएगा। मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि पहले बड़े मार्गों का चयन किया जाएगा, इसके बाद बिजली, पानी और अन्य उपयोगिता सेवाओं को भूमिगत करने की योजना बनाकर सड़कों को सुंदर और व्यवस्थित बनाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश और निर्माण विभाग की टीम मौजूद रही।

दयावती मोदी पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न





मोदीनगर (शिखर समाचार)। दयावती मोदी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को अत्यंत हर्षोल्लास के साथ वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बैंड की मंगल ध्वनियों और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के माध्यम से अपनी कला और अभिव्यक्ति के सुंदर प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया, वहीं जूनियर से लेकर सीनियर विंग तक के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

समारोह की शुरूआत में विद्यालय के मुख्य प्रबंधक सेठ उमेश कुमार मोदी और उप प्रबंधक कुमकुम मोदी ने दयावती मोदी की प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए और इस अवसर पर गरीब बच्चों को वस्त्र व मिठाइयां वितरित की गईं।

मुख्य प्रबंधक उमेश कुमार मोदी और कुमकुम मोदी द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। समारोह में कक्षा 12 के छात्र आयुष सिंघल को 'राय बहादुर गुजर मल मोदी अवार्ड' तथा कक्षा 9 की छात्रा प्रणया शर्मा को 'दयावती मोदी अवार्ड' से नवाजा गया। इसके अलावा कक्षा 8 की छात्रा जिज्ञासा तेवतिया को 'दयावती मोदी अवार्ड' और मनाश कोर को 'राय बहादुर गुजर मल मोदी अवार्ड' प्रदान किया गया।

इस दौरान सेठ उमेश कुमार मोदी ने दयावती मोदी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में शिक्षा की उच्च गुणवत्ता बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है तथा सभी के सहयोग से मोदीनगर को उद्योग के क्षेत्र में और आगे ले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र कुमार राणा ने स्कूल की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इस अवसर पर जयेश मोदी, श्रीप्रिया मोदी, राघव मोदी, जेसी चावला, रश्मि तेवतिया, गुरमीत गुप्ता और रिया भदवार सहित कई गणमान्य लोग, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

ऊंचागांव पीएसी कैंप पहुंचे डीजी पीएसी आलोक सिंह, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर दिया जोर



कैराना/शामली (शिखर समाचार)। ऊंचागांव में पीएसी की 50वीं नई वाहिनी के सरकारी और आवासीय भवनों का निर्माण कार्य अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। मंगलवार को डीजी पीएसी आलोक सिंह ने ऊंचागांव स्थित पीएसी कैंप पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखने और शेष कार्यों को जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। डीजी पीएसी के कैंप पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने मुरादाबाद जोन के आईजी पीएसी डॉ. मनोज कुमार, मेरठ सेक्टर की डीआईजी कल्पना सक्सेना, मेरठ छठी वाहिनी पीएसी के सेनानायक प्रेमचंद और लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता मोहम्मद आरिफ के साथ बैठक की। बैठक में सरकारी और आवासीय भवनों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई तथा कार्यों की वर्तमान स्थिति के संबंध में जानकारी ली गई। इसके बाद आलोक सिंह ने निमार्णाधीन भवनों, आवासीय परिसर और पूरे कैंप क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता न किया जाए। सभी भवनों का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप कराया जाए और जो कार्य अभी अधूरे हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में तेजी के साथ गुणवत्ता का भी पूरा ध्यान रखा जाना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान पीएसी के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे।

17 नवंबर से मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया शुरू, 16 दिसंबर तक मिलेंगे आवेदन

शामली (शिखर समाचार)। मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने के लिए 17 नवंबर से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान शुरू होगा। इसके तहत नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने, अपात्र मतदाताओं के नाम हटवाने और नाम-पते में संशोधन कराने के लिए 16 दिसंबर तक आवेदन किए जा सकेंगे। अभियान को सफल बनाने के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण वर्मा की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों से अभियान में सहयोग करने की अपील की।

प्रवीण वर्मा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के



आधार पर यह अभियान चलाया जा रहा है। नए मतदाताओं के नाम शामिल कराने के लिए फार्म-6, मतदाता सूची से नाम हटवाने के लिए फार्म-7 तथा नाम, पता और अन्य विवरणों में संशोधन कराने एवं दोबारा मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए फार्म-8 भरना होगा। आवेदन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किए जा सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय अथवा क्षेत्र के बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) को सौंपे जा सकते हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि 21-22 नवंबर और 28-29 नवंबर को विशेष अभियान दिवस निर्धारित किए गए हैं। इन तिथियों में बूथ स्तर पर दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा मतदाता बनने के पात्र होंगे। इसके अलावा एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं से भी फार्म-6 प्राप्त कर नियमानुसार मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाएंगे। उन्होंने नागरिकों से अपनी और परिवार के सदस्यों की मतदाता सूची में नाम की जांच करने की अपील की। कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना जरूरी है। किसी भी प्रकार की त्रुटि मिलने पर निर्धारित फार्म भरकर संशोधन कराया जाए।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येंद्र सिंह, एसडीएम कैराना शिवाजी यादव, एसडीएम ऊन दीपिका मेहर, एसडीएम सदर सचिन राजपूत सहित भाजपा जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप, कांग्रेस जिला सचिव अखलाक प्रधान, बसपा जिलाध्यक्ष सुनील जाटव, माकपा जिलाध्यक्ष सुभाषचंद्र, आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष शोराम सिंह और सपा के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष शमशेर जंग सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

गाजियाबाद में मतदाता सूची पुनरीक्षण के पहले दिन डीएम ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के प्रथम दिवस जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने शहर के विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सेठ मुकुंद लाल इंटर कॉलेज के बूथ संख्या 364 से 371 तथा नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज के बूथ संख्या 374 से 379 पर पहुंचकर पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने मौके पर तैनात बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ), सुपरवाइजरों और संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) से कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान संबंधित कर्मचारियों का कार्य संतोषजनक पाया गया। उन्होंने निर्देश दिए कि मतदाता सूची के शुद्धिकरण अभियान



को पूरी निष्ठा, तत्परता और मनोयोग के साथ संपन्न किया जाए, ताकि सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश न रहे।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा, जबकि कार्य में लापरवाही, अनियमितता या गलत विवरण दर्ज करने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उन्होंने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे संपर्क में आने वाले आम नागरिकों को भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल और 'ईसीआई नेट ऐप' के उपयोग की जानकारी दें, ताकि लोग घर बैठे ही ऑनलाइन माध्यम से मतदाता सूची से संबंधित अपने कार्य आसानी से कर सकें। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि मतदाता सूची से जुड़े दावे और आपत्तियां 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक प्राप्त की जाएंगी। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट एवं ईआरओ गाजियाबाद (सदर) सतीश चंद्र त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

संपादकीय

क्वाड में मोदी की धमक और ट्रंप की तारीफ, हिंद-प्रशांत की बदलती राजनीति में भारत की बढ़ती भूमिका

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी देश की ताकत केवल उसकी सैन्य क्षमता, आर्थिक संपन्नता या हथियारों के भंडार से नहीं आंकी जाती, बल्कि यह भी देखा जाता है कि वैश्विक मंचों पर उसकी बात कितनी गंभीरता से सुनी जाती है और दूसरे शक्तिशाली देश उसके साथ किस तरह के संबंध बनाने को उत्सुक हैं। फिलीपींस की राजधानी मनीला में मंगलवार को आयोजित क्वाड नेताओं की बैठक से निकले संदेश को इसी नजरिये से समझने की जरूरत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुले मंच से प्रशंसा करते हुए उन्हें बहुत सख्त और मजबूत व्यक्तित्व वाला नेता बताया। ट्रंप ने कहा कि उनका मोदी के साथ अच्छा संबंध है और दोनों के बीच अक्सर बातचीत होती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह वर्ष उनके लिए काफी महत्वपूर्ण रहा है तथा क्वाड देशों के बीच सहयोग और मित्रता पहले से अधिक मजबूत हुई है। पहली नजर में यह किसी राष्ट्राध्यक्ष की दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के प्रति सामान्य प्रशंसा लग सकती है, लेकिन वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में इसके कूटनीतिक अर्थ कहीं अधिक व्यापक हैं। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का समूह क्वाड अब केवल चार देशों के बीच बातचीत का मंच नहीं रह गया है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सामरिक समीकरण, समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा, तकनीकी प्रतिस्पर्धा, महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता और आर्थिक निर्भरता के सवालों ने इसकी प्रासंगिकता बढ़ा दी है। मनीला में आयोजित यह नेताओं का पहला प्रत्यक्ष शिखरस्तरीय संवाद है, जो वर्ष 2024 के बाद हुआ है। यह बैठक दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन के 49वें शिखर सम्मेलन के दौरान हुई। ऐसे समय में जब दुनिया अनेक क्षेत्रीय संघर्षों, व्यापारिक तनावों और महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा से गुजर रही है, चार प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के नेताओं का एक मंच पर आना अपने आप में महत्वपूर्ण है।

ट्रंप की ओर से मोदी को बहुत सख्त नेता बताना भारत की राजनीतिक और कूटनीतिक हैसियत को लेकर अमेरिकी नेतृत्व की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के रूप में देखा जा सकता है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय संबंध केवल व्यक्तिगत मित्रता या प्रशंसा के आधार पर नहीं चलते। देशों के हित, उनकी रणनीतिक प्राथमिकताएं और आर्थिक आवश्यकताएं ही दीर्घकालिक साझेदारी की दिशा तय करती हैं। इसलिए ट्रंप के बयान को भारत की कूटनीतिक सफलता का एक संकेत तो माना जा सकता है, लेकिन इसे किसी बड़ी उपलब्धि का अंतिम प्रमाण समझना उचित नहीं होगा। वास्तविक उपलब्धि तब होगी, जब इस मित्रता का लाभ भारत की सुरक्षा, व्यापार, तकनीकी विकास और आर्थिक हितों को ठोस रूप में मिले। इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष इसके साथ सामने आए सहयोग के नए प्रस्ताव हैं। ट्रंप ने क्वाड के तहत चार प्रमुख क्षेत्रों में आगे बढ़ने की बात रखी। इनमें आर्थिक सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत तकनीक, समुद्री सुरक्षा तथा साइबर सुरक्षा शामिल हैं। अगले वर्ष पहली बार क्वाड बिजनेस लीडर्स फोरम आयोजित करने की घोषणा की गई है, जिससे चारों देशों के उद्योग जगत और निवेशकों के बीच सहयोग बढ़ाने का रास्ता खुल सकता है। महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित बनाने पर भी जोर दिया गया है। आज इलेक्ट्रिक वाहन, मोबाइल फोन, रक्षा उपकरण, सेमीकंडक्टर और आधुनिक तकनीक का भविष्य जिन खनिजों पर निर्भर है, उनकी उपलब्धता किसी भी देश की आर्थिक और रणनीतिक स्वतंत्रता के लिए बेहद जरूरी हो गई है। भारत के लिए यह अवसर भी है और चुनौती भी। तकनीकी क्षेत्र में क्वाड सुपर इंटेलिजेंस एक्सीलरेटर की पहल और हिंद प्रशांत क्षेत्र में विश्वसनीय तकनीकी व्यवस्था के विस्तार के लिए 8.5 करोड़ डॉलर से अधिक के निवेश की बात सामने आई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आने वाले वर्षों में रोजगार, उद्योग, शिक्षा, चिकित्सा, कृषि और राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा बदलने वाली है।

~ मौलिक चिंतन ~

झूठ ज्यादातर भय, लोभ, आडंबर, स्वार्थ और आदत से उत्पन्न होता है।

~~~~~~~~~



© विनय संकोची

मानवीयता: सलाखों के पीछे इमरान और शहबाज शरीफ के हवाई सपने



दिलीप कुमार पाठक

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जो कभी पाकिस्तान का सबसे लोकप्रिय चेहरा हुआ करते थे और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाक का प्रतिनिधित्व करते थे, आज जेल की तन्हाई में अपनी जिंदगी की गुहार लगा रहे हैं। अदियाला जेल की चारदीवारी से आए उनके संदेश ने पूरे पाकिस्तान को बेनकाब करने के साथ-साथ मानवता को भी झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने आशंका जताई है कि जिस तरह के हालात में उन्हें रखा गया है और जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं, उससे उनका जिंदा वापस लौट पाना मुश्किल है। पाकिस्तान की राजनीति के इस खौफनाक सच के ठीक उलट, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ देश और दुनिया को यह सपना दिखा रहे हैं कि पाकिस्तान जल्द ही दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने वाला है।

हाल ही में पाकिस्तान के मिनरल्स इन्वेस्टमेंट फोरम में बोलते हुए पीएम शहबाज शरीफ ने एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि गोल्डमैन सैक्स की एक पुरानी रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान साल 2075 तक दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, लेकिन वे इसमें थोड़ा सुधार करना चाहते हैं। मियां शहबाज के मुताबिक, यह चमत्कार 2075 तक नहीं बल्कि साल 2050 से भी पहले हो जाएगा।

अब इन दावों की हकीकत की पड़ताल करते हैं तो कुछ और ही सच सामने आता है। 130 अरब डॉलर से ज्यादा के विदेशी कर्ज के बोझ तले दबे और आईएमएफ तथा चीन की बैसाखियों पर टिके रहने वाले जिस देश का विदेशी मुद्रा भंडार हर दूसरे दिन सुर्खियों में रहता हो, वहां 2050 तक दुनिया की शीर्ष छह अर्थव्यवस्था बनने का सपना देखना सिर्फ एक छलावा ही है। जिस मुल्क में रोजमर्रा की बुनियादी चीजें दुर्लभ हो चुकी हों और महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ रखी हो, वहां इस तरह के हवाई किले बनाने पर खुद देश-दुनिया के विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं कि क्या तब तक पाकिस्तान नाम का वजूद बचेगा भी या नहीं?

यह भी किसी से छिपा नहीं है कि पड़ोसी देश की इस खस्ताहाली के पीछे असल खेल किसका है। पाकिस्तान के कॉर्पोरेट दिग्गजों, बड़े ब्यूरोक्रेट्स और सियासतदानों ने मिलकर इस पूरी अर्थव्यवस्था को अंदर से खोखला कर दिया है। पाकिस्तान की जनता महंगाई की चक्की में पिसती है, और हुक्मरान लूट का काला धन ठिकाने लगाकर लंदन और दुबई में अपने बच्चों के नाम पर आलीशान फ्लैट और बंगले खरीद चुके हैं। वे अच्छी तरह जानते हैं कि जिस दिन वहाँ की अवाम का सब्र टूटेगा, ये सबसे पहले देश छोड़कर भाग खड़े होंगे। लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं।

इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस दौर में वहां की युवा पीढ़ी के सामने सेना और हुकूमत का गढ़ा हुआ पुराना प्रोपोगंडा बेनकाब हो चुका है। आज पाकिस्तान का युवा न्यूट्रल इतिहास खंगाल रहा है और यह सच जान रहा है कि कैसे चंद लोगों ने अपनी तिजोरियों के लिए पूरे देश को कर्ज के दलदल में धकेल दिया है।

इमरान खान के साथ जिस तरह का क्रूरता की जा रही है और मानवीय संवेदनाओं को ताक पर रखा जा रहा है, वह पाकिस्तान की अंदरूनी सड़न को पूरी तरह उजागर करता है। अगर जेल के भीतर कुप्रबंध या प्रताड़ना के चलते इमरान खान को कुछ हो गया, तो यह पाकिस्तान की जर्जर होती व्यवस्था और तानाशाही के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। फिर दुनिया की छठी अर्थव्यवस्था बनने के हवाई दावे तो दूर, पाकिस्तान खुद ही बिखर जाएगा। जनता के भीतर सुलगती यह विद्रोही आग एक न एक दिन फटेगी जरूर, और तब इन सत्ता के ठेकेदारों का क्या होगा, यह वक्त तय करेगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पर्व का एक ही मकसद भाईचारा और ईश्वर पर विश्वास रखना है



संजय गोस्वामी

हर पर्व का एक ही मकसद है आपसी भाईचारा व आपस में प्रेम और ईश्वर पर श्रद्धा रखना लेकिन यह भी देखने को मिलता बढ़िया से बढ़िया करने की होड़ ताकि मेरा बाहबाही हो सके और मेरा पताका लहरे आप भगवान राम से सीखें जिसके राज़ पाठ की तैयारी हो रही है उसे 14 वर्ष के वनवास मिलता है जिसे वो पिताजी ही नहीं माता कैकई का भी आदेश समझते हैं अपनी इक्छा त्याग कर दि और 14 वर्ष के वनवास के लिए चल दिए साथ आई माता सीता और भ्राता लक्ष्मण जिसे उसकी आज्ञा नहीं मिली लेकिन उन्होंने उन्हें दिलासा या रोने से अच्छा साथ चलना तय किया, इससे आपको यह सीख मिलती है कि आप किसी के दुःख में साथ चलकर ही आपकी असली परीक्षा होती है आजकल लोग इतना परेशान क्यों हैं किसी पर आफत आई तो मोबाइल या व्हाट्सप्प से दुःख जाता दिया लेकिन उसके साथ नहीं गए मान लीजिये आपके सामने कोई एक्सीडेंट से गिर गया और खून निकल रहा है तो आप उसके परिवार से बात कर और उसे गुस्सा दिलाएंगे इसलिए आपको तुरंत पहले उसे किसी नजदीकी अस्पताल में भर्ती करना चाहिए जो आप करेंगे तो उसका भला होगा, अधिकांश लोगों में याद करें कोई आखिर प्रेम एक दूसरे से टूटता क्यों है इसका सबसे बड़ा कारण आशा, आशा के अनुरूप आपका हक़ नहीं मिला तो निराशा हो जाता है मान लीजिये किसी ने पूर्ण कॉन्फिडेंस से कहा आपको लड़का ही होगा और लड़की हुई आप निराश हो गए फिर लोगों का ताना ऐसे लोगों से संपर्क काट दीजिये, भगवान राम का ध्यान कीजिये शांति मिलेगी आखिर अयोध्या में कितने लोग थे कोई और क्यों नहीं गया क्योंकि लोगों को मालूम ही नहीं था भगवान विष्णु ने रावण का संहार करने के लिए मनुष्य के रूप में जन्म लिया है जब भी पृथ्वी पर संकट आया तो ब्रम्हा, विष्णु, महेश आपस में एक जुट हुए और भगवान विष्णु बुद्धि में काफी चतुर थे जब रावण के अधर्म से सभी साधु संत, हवन पूजा पाठ नहीं कर पा रहे थे रावण का संहार करने के लिए भगवान विष्णु ने ही कहा मैं राजा दशरथ के घर में आम मनुष्य की तरह राम के रूप में जन्म लूंगा और उसका संहार करूँगा क्योंकि रावण मनुष्य को तुकक्ष समझकर उसे इतना कमजोर समझ लिया कि उसका संहार वो कर नहीं सकता है और ये ही भूल उसके मौत का कारण बनेगी और धर्म की स्थापना होंगी अतः उन्होंने ही राम के रूप में जन्म लिया और अंत में उसका संहार किया इसलिए धर्म है तभी किसी को परेशान करने की सज़ा बीमारी के रूप में मिलती है लोग क्या कहेंगे उस बात को ध्यान ना डो आज वर्ष 2026 चल रहा है उससे पहले भी हजारों वर्ष होंगे और आप औसतन 75-85 वर्ष ही ज़ी पाते है इसलिए जब उम्र 50-55 का हो तो भगवान राम को जानने की कोशिश कीजिये क्योंकि उसे पाने के लिए भी आपको 20-25 साल लग जायेंगे और यदि आप उस समय नहीं ध्यान दिए तो अंत में इतना समय नहीं होगा कि राम का भी सही से उच्चारण होगा मरते दम तक आदमी यही सोचता है अभी और जियेंगे लेकिन हकीकत उसकी उलटी है माया से आपके आँखों पर पट्टी बँधी है इसलिए अब तो अपनी आँखे खोलो और अपना भविष्य खुद तय करो।

आप सोचते हैं जिस संकट सै शायद आप मैं गुजरा है दूरसा रहता तो भाग जाता, किसी निवास स्थान पर सिलिंडर में आग लगा लोग यही सोचते हैं मुझे फ्रीज़ टी वी, पलंग, आदि भौतिक वस्तु की चिंता है और उसमें आपका विवेक शून्य हो जाता है और बुझाने के चक्कर में आप इतना भी नहीं सोचते आग है इससे खेल नहीं करना चाहिए देवता है प्रणाम कर बाहर निकल जायेंगे तो बच जायेंगे एक उम्र 50-55 के बाद तनाव मत लो नार्मल की तरह काम करो क्योंकि आपको आगे दूसरी और समस्या आएगी और वों शायद ज्यादा जरुरी होगा एक आदमी लगभग इसी उम्र में किसी सरकारी कार्यलय में पदोन्नति हेतु 2महीने की छुट्टी ले लिया और मैं पूछा उससे क्या होगा प्रमोशन होगा पैसा बढ़ेगा भाई साहब अब पैसा बढ़ भी गया तो क्या होगा, तुरंत कहा बच्चे के लिए काम आएगा मैंने पूछा आपका बच्चा कितना प्रेम करता है बोला नहीं सब अपने मन का है मैंने बोला भाई तनाव होगा नींद नहीं आएगी और दुनिया इतनी बेबकूफ नहीं है कि आपको आसानी से यह मिल जाएगा अतः भगवान राम का ध्यान करो बच्चों को भी संस्कार डो देखो राम कैसे आपका तकदीर बदल देगा क्योंकि वही एक परमात्मा है जिसने मर्यादा का पालन करना और अन्याय के खिलाफ लड़ेगा डरने नहीं देगाआपकी सबसे बड़ी कमजोरी है डर जो या तो डाकियानुसी सोच के कारण है या फिर गन्दे और घटिया वातावरण के कारण है भगवान इतना देगा कि आप ले नहीं सकोगे वों थोड़ा सा ज्यादा के लिए आपको नाको चना चबाने पर मजबूर कर देगा और यदि 1परसेंट भी चांस नहीं होने का होगा तो आप पर क्या बीतेगी इसलिए आप शांति से सामान्य काम करते हुए लोककल्याण हेतु अपना समय दे अधिकतर समय माता पिताजी की सेवा में लगा दे क्योंकि यही एक सही अवसर है जिसमें आप उनकी सेवा कर रहे होंगे प्रमोशन उस तरह नहीं जब माता का भंडारा लगता है सब माँ का भजन कीर्तन करते हैं जब प्रसाद खाना होता है तो माँ ये नहीं देखती यह खुब भजन किया हैं इसलिए ये ज्यादा खायेगा और जब कुछ भी नहीं बोला वों कुछ नहीं खायेगा अतः वहाँ सच्चा ईश्वर है जो किसी से भेदभाव नहीं करता है और यदि किसी के जिहजूरी से मिल भी गया तो अहसान लेने की क्या जरुरत है आप स्लीपर में बैठते हो तो कोई ये नहीं पूछता है की आप एस1 में हो या एस-12 बौगी में या आगे सिट है या पीछे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता, इसलिए सोच को बदलो समय के साथ चलो और उतना ही करो जितना कर सकते हो दूसरे को भी करने का मौका डो भले ही किसी ने पैर फैलाकर बैठ कर फेल कर दिया क्योंकि वो समय तुम्हारा नहीं था जब समय का पहिया घूमेगा तो उसे भी कभी इसी समस्या से जूझना पड़ेगा जब अस्पताल में अपने जीवन का अंतिम समय नजदीक आएगा इसलिए चिंता अब तुम्हे नहीं अब उसे काटने की जरुरत क्योंकि काल आज ना कल उसके पास आएगा.आखिर रावण क्यों मारा गया क्योंकि दूसरे की बात में आकर अपने विवेक से काम नहीं लिया जो बहन सूर्पनखा ने कहा उसी पर विचार कर अधर्म का सबसे बुरा मार्ग पर चल कर विवेक खो दिया,एक दिन, ऋषि विश्वामित्र दशरथ के पास आते हैं और उनसे कहते हैं कि वे राम को अपने साथ ले जाना चाहते हैं, ताकि एक यज्ञ के दौरान उनकी सुरक्षा की जा सके। राम को 14 वर्ष का वनवास से राजा दशरथ का मन अत्यंत दुखी हो जाता है, वे अपने पुत्र शोक में दुःखी होकर प्राण त्याग देते हैं लेकिन वो राम के साथ लक्ष्मण को भी भेज देते हैं। राम के साथ यात्रा करते हुए, विश्वामित्र उन्हें ताड़का नाम की एक राक्षसी की कहानी सुनाते हैं, जो यात्रियों को खा जाने की धमकी देती है। विश्वामित्र राम को उस राक्षसी का वध करने का निर्देश देते हैं। राम ऐसा ही करते हैं, और देवता विश्वामित्र से कहते हैं कि वे राम को अस्त्र-शस्त्रों का ज्ञान दें। यज्ञ स्थल पर पहुँचने से पहले, विश्वामित्र लड़कों को कई और कहानियाँ सुनाते हैं। जब ऋषि-मुनि यज्ञ शुरू करते हैं, तो राम उन्हें सुरक्षा का आश्वासन देते हैं और अपने धनुष से वहाँ आए राक्षसों पर बाण चलाते हैं। इसके बाद, विश्वामित्र लड़कों को मिथिला नगरी ले जाते हैं। जब वे नगर में प्रवेश करते हैं, तो राम की नज़र बालकनी में खड़ी एक सुंदर युवती, सीता पर पड़ती है, जिसे देखते ही उससे प्रेम हो जाता है। अगले दिन, राम की भेंट राजा जनक से होती है। जब जनक राम को देखते हैं, तो उन्हें अफ़सोस होता है कि राम उनकी बेटी से विवाह नहीं कर सकते। इसलिए, वे एक शर्त रखते हैं कि जो भी उनकी पुत्री से विवाह करना चाहता है, उसे भगवान शिव के विशाल धनुष को उठाना होगा और उस पर प्रत्यंचा (डोरी) चढ़ानी होगी। विश्वामित्र पूछते हैं कि क्या राम उस धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाने का प्रयास कर सकते हैं। राम न केवल धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाते हैं, बल्कि उसे तोड़ भी देते हैं। एक दासी सीता को यह बात बताती है, और यह जानकर कि राम ने उन्हें जीत लिया है, सीता अत्यंत प्रसन्न हो जाती हैं। जनक, दशरथ को मिथिला में होने वाले विवाह समारोह में आमंत्रित करते हैं। समारोह के बाद, वे कोसल राज्य की राजधानी अयोध्या लौट आते हैं। देवदत्त पटनायक कहते हैं, सीता इसलिए घरेलू और पतिव्रता हैं क्योंकि राम उन पर ध्यान देते हैं। ताड़का इसलिए उग्र स्वभाव की हैं क्योंकि उनके पति की मृत्यु हो चुकी है और उनका किसी एक पुरुष से कोई संबंध नहीं है। ठीक वैसे ही, जैसे खेत को संभालने की पूरी जिम्मेदारी किसान पर होती है।

राम और सीता के विवाह के बारह वर्ष बीत जाने पर, दशरथ राम का राज्याभिषेक करने की इच्छा व्यक्त करते हैं। इस महत्वपूर्ण घटना की पूर्व संध्या पर, कैकेयी उन दो वरदानों की मांग करती हैं, जो दशरथ ने उन्हें बहुत पहले देने का वचन दिया था। वह मांग करती हैं कि राम को चौदह वर्षों के लिए वनवास भेज दिया जाए और उनके पुत्र को राज्य का उत्तराधिकारी बनाया जाए। राम अपने पिता के इस कठिन निर्णय को अत्यंत संयम और धैर्य के साथ स्वीकार कर लेते हैं; यह उनके नैतिक चरित्र को दर्शाता है, जो पूरी कथा में बना रहता है। उनके साथ सीता और लक्ष्मण भी चल पड़ते हैं। जब राम, सीता से उनके साथ न आने के लिए कहते हैं, तो वह उत्तर देती हैं, जिस वन में आप रहेंगे, वही मेरे लिए अयोध्या है; और आपके बिना अयोध्या मेरे लिए किसी नर्क से कम नहीं है। रामायण, जो महाभारत के साथ प्राचीन भारत के दो प्रमुख महाकाव्यों में से एक है, हिंदू इतिहास (पौराणिक गाथा) का हिस्सा है। इसकी कथा में राम का सीता और लक्ष्मण के साथ वनों में भ्रमण करना, रावण (लंका के दुष्ट राजा) द्वारा सीता का अपहरण, जिसके परिणामस्वरूप युद्ध हुआ, और अंत में राम का अयोध्या लौटना शामिल है।राम, लक्ष्मण और सीता अयोध्या से बहुत दूर चले जाते हैं ताकि लोग उन्हें वापस लौटने के लिए मनाने न आएं। वहां उनकी भेंट जटायु से होती है, जो एक विशाल गिद्ध और दशरथ के मित्र थे। वे राम को वचन देते हैं कि जब तक वे वनवास से वापस नहीं लौट आते, तब तक वे उनकी रक्षा करेंगे। एक दिन, राम देखते हैं कि एक सुंदर स्त्री (जो वास्तव में रावण की बहन शूर्पणखा है, जिसने भेष बदल रखा है) उनके निवास स्थान की ओर आ रही है। वह राम को रिझाने और उनसे विवाह करने का प्रयास करती है, लेकिन राम उसे अस्वीकार कर देते हैं। शूर्पणखा ने रात बहुत पीड़ा में बिताई और अगली सुबह उसने तय किया कि अगर वह सीता को मार दे, तो राम उससे प्रेम करने लगेंगे। अगले दिन जब राम अपने निवास (पंचवटी के जंगल) से बाहर गए, तो शूर्पणखा ने सीता का पीछा किया और उन पर झपट पड़ी। लक्ष्मण ने सीता को बचाया और शूर्पणखा की नाक काट दी। अपमानित और लज्जित होकर, शूर्पणखा रावण के दरबार में पहुँची और उसे पूरी घटना बताई। उसने रावण से कहा कि सीता अत्यंत सुंदर हैं और उसे सीता को अपने लिए ले आना चाहिए और रावण ने उसकी बात को मानकर बिना सोचें समझें उसी रास्ते पर चल दिया जो उसके विनाश का कारण बना, और अधर्म के रास्ते पर चल दिया और अपनी शक्ति धीरे धीरे खोने लगा और भगवान राम के हाथों मारा गया और धर्म की स्थापना हुई धर्म नियम विवेक और न्याय पर टीका है जबकी अधर्म दुराचार, कट्टरता अन्याय से किसी एक के द्वारा बांधा जाता है जिसमें अन्याय करने पर भी सज़ा नहीं मिलती है इसलिए भगवान राम ने रावण को मारकर धर्म की स्थापना की राम पहले भी था आज भी है और अनन्त काल तक रहेगा।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली ! दुनिया में अशांति फैलाने वाले डोनाल्ड ट्रंप-Xi करेंगे शांति की बात



नीरज कुमार दुबे

हर साल नोबेल शांति पुरस्कार पाने की ख्वाहिश जाहिर करने वाले डोनाल्ड ट्रंप की शांति वाली मंशा पर सवाल उठना लाजिमी है। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अपने पहले संबोधन में दुनिया को युद्धों से मुक्त कराने और शांति स्थापित करने का वादा करने वाले ट्रंप की नीतियां इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दी हैं।



दुनिया में वैसे तो तमाम तरह के विरोधाभास देखने को मिलते रहे हैं, लेकिन अब दुनिया की तीन सबसे बड़ी शक्तियां खुद एक ऐसा कदम उठाने जा रही हैं, जिसे इस दौर का सबसे बड़ा विरोधाभास कहा जा सकता है। दुनिया को युद्ध, तनाव और टकराव की आग में झोंकने वाली ये तीनों ताकतें अब एक मंच पर बैठकर शांति और वैश्विक स्थिरता पर चर्चा करने जा रही हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की इस प्रस्तावित मुलाकात को लेकर पूरी दुनिया में उत्सुकता है। उत्सुकता इसलिए है क्योंकि ट्रंप लगातार ईरान को सैन्य कार्रवाई की धमकियां दे रहे हैं, पुतिन लगभग पांच साल से यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे हैं और जिनपिंग ताइवान से लेकर दक्षिण चीन सागर तक अपनी सैन्य और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं से पड़ोसी देशों की चिंता बढ़ा रहे हैं, लेकिन अब यही तीनों नेता दुनिया को शांति का रास्ता दिखाने के लिए एक साथ बैठेंगे। ऐसे में सवाल सिर्फ इस बैठक के एजेंडे का नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे उन सामरिक और रणनीतिक उद्देश्यों का भी है, जिनका असर आने वाले समय में पूरी दुनिया की राजनीति पर पड़ सकता है।

देखा जाये तो हर साल नोबेल शांति पुरस्कार पाने की ख्वाहिश जाहिर करने वाले डोनाल्ड ट्रंप की शांति वाली मंशा पर सवाल उठना लाजिमी है। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अपने पहले संबोधन में दुनिया को युद्धों से मुक्त कराने और शांति स्थापित करने का वादा करने वाले ट्रंप की नीतियां इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दी हैं। ईरान के साथ सैन्य टकराव, अमेरिकी हमले और तेहरान के जवाबी पलटवार ने पूरे मध्य पूर्व को बारूद के ढेर पर खड़ा कर दिया। इस संघर्ष ने न केवल बड़ी संख्या में लोगों की जान ली, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर भी महंगाई का बोझ बढ़ाया। ईरान को लेकर ट्रंप का लगातार बदलता रुख कभी सैन्य धमकियों, कभी अधिकतम दबाव और कभी बातचीत की पेशकश के रूप में सामने आता रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि शेनझेन में होने वाली बैठक ट्रंप की वास्तविक शांति पहल है या फिर दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के मुखिया के रूप में अपना दबदबा स्थापित करने का एक और मंच है?

दूसरी तरफ व्लादिमीर पुतिन हैं। यूक्रेन के साथ रूस का युद्ध लगभग पांच साल पूरे करने की तरफ बढ़ रहा है। अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है, कई शहर तबाह हुए हैं और यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था दशकों के सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। जिस युद्ध को रूस ने अपनी सुरक्षा और रणनीतिक हितों का सवाल बताकर शुरू किया था, वह अब वैश्विक शक्ति संतुलन की सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल हो चुका है। ऐसे में सवाल यह है कि पुतिन शांति की बातचीत में क्या प्रस्ताव लेकर पहुंचेंगे? क्या वह युद्ध समाप्त करने का रास्ता तलाशेंगे या अपनी सैन्य कार्रवाई से हासिल किए गए क्षेत्रीय और राजनीतिक लाभ को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने की कोशिश करेंगे?

पुतिन के लिए इस बैठक का एक बड़ा फायदा यह भी है कि अमेरिकी और चीनी राष्ट्रपति के साथ एक ही मंच पर बैठना रूस की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को नई वैधता और प्रतिष्ठा दे सकता है। देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों की ओर से रूस को अलग-थलग करने की कोशिशों के बीच यह तस्वीर मॉस्को के लिए अपने आप में बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि होगी।

कथित शांति की चाह रखने वाले तीसरे खिलाड़ी शी जिनपिंग हैं। देखा जाये तो चीन एक तरफ खुद को वैश्विक शांति और सहयोग का समर्थक बताता है, दूसरी तरफ ताइवान को लेकर उसकी सैन्य और राजनीतिक धमकियां लगातार क्षेत्रीय तनाव बढ़ाती हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन की विस्तारवादी गतिविधियां फिलीपींस, वियतनाम और अन्य पड़ोसी देशों की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती रही हैं। समुद्री क्षेत्रों पर दावेदारी, सैन्य ठिकानों का विस्तार और क्षेत्र में अपनी रणनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिशें चीन की महत्वाकांक्षाओं को उजागर करती हैं। सवाल है कि ताइवान और दक्षिण चीन सागर में दबाव की राजनीति करने वाले जिनपिंग शेनझेन में किस तरह की शांति व्यवस्था की बात करेंगे? क्या चीन अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर कोई समझौता करने के लिए तैयार है?

देखा जाये तो इस बैठक के मायने केवल शांति की अपील तक सीमित नहीं हैं। इसके पीछे परमाणु हथियारों का संतुलन, वैश्विक सैन्य वर्चस्व, आर्थिक हित और नई विश्व व्यवस्था की लड़ाई भी छिपी है। अमेरिका चाहता है कि चीन भी परमाणु हथियारों पर नियंत्रण से जुड़ी बातचीत में शामिल हो। रूस के साथ अमेरिका की पुरानी परमाणु हथियार नियंत्रण व्यवस्था समाप्त हो चुकी है और वाशिंगटन अब बीजिंग को भी इस व्यवस्था का हिस्सा बनाना चाहता है। लेकिन चीन के परमाणु हथियारों का भंडार अमेरिका और रूस की तुलना में काफी छोटा है। ऐसे में जिनपिंग क्यों ऐसी बातचीत में शामिल होंगे जिसमें उनकी सामरिक बढ़त के बजाय उनकी शक्ति को सीमित करने पर चर्चा हो?

देखा जाये तो पुतिन के लिए यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका के साथ सीधे संवाद का रास्ता महत्वपूर्ण है, जबकि जिनपिंग के लिए यह साबित करने का अवसर है कि दुनिया की बड़ी शक्तियों के बीच किसी भी नए वैश्विक समीकरण में चीन की भूमिका निर्णायक होगी। वहीं ट्रंप के लिए यह मुलाकात अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी नेतृत्व क्षमता और कूटनीतिक प्रभाव दिखाने का मौका है।

साथ ही इस बैठक को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या दुनिया की व्यवस्था अब तीन महाशक्तियों के आपसी समझौतों से तय होगी? क्या छोटे देशों की संप्रभुता, उनकी सुरक्षा और उनके भविष्य पर भी इन तीनों की बातचीत का प्रभाव पड़ेगा? यूक्रेन, ताइवान और दक्षिण चीन सागर से जुड़े देशों की चिंता इसी वजह से बढ़ रही है। कहीं यह मुलाकात 1945 के याल्टा सम्मेलन जैसी किसी नई वैश्विक शक्ति व्यवस्था की शुरुआत तो नहीं बनने जा रही, जहां बड़ी ताकतें अपने हितों के अनुसार दुनिया के प्रभाव क्षेत्रों का निर्धारण करने लगें?

बहरहाल, तीन नेता, तीन महाशक्तियां और पूरी दुनिया के भविष्य से जुड़े कई बड़े सवाल सामने हैं। शांति की मेज पर आमने-सामने बैठने जा रहे इन तीनों नेताओं की असली परीक्षा इस बात से होगी कि वे अपनी सामरिक महत्वाकांक्षाओं और वैश्विक वर्चस्व की होड़ से कितना पीछे हटने को तैयार हैं। क्या ट्रंप, पुतिन और जिनपिंग दुनिया को शांति का नया रास्ता दिखा पाएंगे या उनकी यह मुलाकात भी महज कूटनीतिक शक्ति प्रदर्शन बनकर रह जाएगी? अंत में एक बार फिर से वही सवाल उठता है कि जो नेता अपने-अपने मोर्चों पर तनाव और टकराव की राजनीति कर रहे हैं, क्या वे वास्तव में दुनिया को अशांति से बाहर निकालने का इरादा रखते हैं?
~~~~~~~~~





खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर



सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।



रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीट्यूड



विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीट्यूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीट्यूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीट्यूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीट्यूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीट्यूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीट्यूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीट्यूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीट्यूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीट्यूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीट्यूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीट्यूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीट्यूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीट्यूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीट्यूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीट्यूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीट्यूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीट्यूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।



प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

भारत ने अमेरिकी बॉन्ड में भारत का 38.4 अरब डॉलर का निवेश

अमेरिका में 220 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली ।

भारत ने अमेरिकी सरकारी बॉन्ड (यूएस ट्रेजरी) में अपना निवेश तेजी से बढ़ाया है। अगस्त 2026 तक अमेरिकी बॉन्ड में भारत का निवेश बढ़कर 219.7 अरब डॉलर यानी 220 अरब डॉलर हो गया है। मई 2026 में यह निवेश 181.3 अरब डॉलर था। इस तरह महज तीन महीने में भारत ने अमेरिकी बॉन्ड में 38.4 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश किया है। यह करीब 21 प्रतिशत की वृद्धि है। भारतीय बैंकों में विदेशी मुद्रा अनिवासी जमा के जरिए बड़ी मात्रा में डॉलर आने से विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत हुआ है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय वित्तीय स्थिति को मजबूती मिली है. दूसरे देशों की संपत्तियों में निवेश की क्षमता बढ़ी है।

सरकार ने डीजल, विमान ईंधन के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाया

नई दिल्ली।

देश में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि का अनुचित लाभ रोकने के उद्देश्य से सरकार ने 16 नवंबर से डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा दिया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, अब विमान ईंधन के निर्यात पर 12.5 रुपये प्रति लीटर (पहले 11 रुपये) और डीजल के निर्यात पर 14 रुपये प्रति लीटर (पहले 11.5 रुपये) का विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगेगा। वहीं, पेट्रोल के निर्यात पर यह शुल्क शून्य ही रखा गया है। यह नया शुल्क तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यह कर पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ी कच्चे तेल की कीमतों के बीच निर्यातकों को अनुचित लाभ उठाने से रोकने और घरेलू बाजार में ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखने के लिए लगाया गया है। सरकार हर पखवाड़े इसकी समीक्षा करती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल की खुदरा दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सिप्ला पर डीआरआई का छापा

नई दिल्ली ।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने आयातित दवाओं के वर्गीकरण और छूट से संबंधित एक मामले में फार्मा कंपनी सिप्ला के मुंबई स्थित विक्रोली कार्यालय और ठाणे के भिवंडी स्थित गोदाम पर तलाशी अभियान चलाया।कंपनी ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को दी गई जानकारी में बताया कि यह तलाशी सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 105 के तहत ली गई थी। सिप्ला ने अधिकारियों को पूरा सहयोग देने की बात कही है। कंपनी के अनुसार, इस कार्रवाई का उसके वित्तीय प्रदर्शन या परिचालन पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा है।

भारतीय आसमान में नए विमानों की बहार, 1000 और विमानों का ऑर्डर जल्द

नई दिल्ली ।

भारत में हवाई यात्रा के बढ़ते चलन के बीच देश की एयरलाइन कंपनियां जल्द ही 1,000 और सिविल एयरक्राफ्ट का ऑर्डर देने की तैयारी में हैं।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मिस्र दौरे पर यह जानकारी दी, साथ ही बताया कि देश को 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है। पीयूष गोयल ने बताया कि भारत ने अब तक 1,200 से अधिक विमानों के ऑर्डर दिए हैं, लेकिन बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 2,000 से ज्यादा विमानों की आवश्यकता होगी। इसी को देखते हुए अतिरिक्त 1,000 विमानों का ऑर्डर देने की तैयारी है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है, जहां हवाई यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे विमानों की कमी महसूस हो रही है। मंत्रालय मौजूदा ऑर्डर की त्वरित डिलीवरी के लिए एयरबस और बोइंग जैसी कंपनियों से संपर्क में है, क्योंकि डिलीवरी में लंबा समय लगता है। इसके साथ ही, भारत विमानों के घरेलू निर्माण को भी बढ़ावा दे रहा है। एयरबस की भारत में दो असेंबली लाइनें हैं और बोइंग व एयरबस देश से सालाना 2 अरब डॉलर के कलपुर्जे भी खरीदते हैं। ब्राजील की एम्ब्रेयर और अदाणी ग्रुप भी क्षेत्रीय विमानों के निर्माण की संभावना तलाश रहे हैं। इन नए विमानों से एयरलाइंस को उड़ानें बढ़ाने और भारत-मिस्र जैसी अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, जिससे यात्रियों को व्यापक विकल्प उपलब्ध होंगे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 427, निफ्टी 96 अंक ऊपर आया

मुंबई ।



भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें घटने से भी बाजार में उत्साह का माहौल है।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 427.40 अंक उछलकर 82,532.19 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसस निफ्टी 50 96.30 अंक की बढ़त के साथ ही 25,387.40 पर पहुंच गया।

आज निफ्टी में अदाणी एंटरप्राइजेज, आयशर मोटर्स, मैक्स हेल्थ, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक और एम एंड एम के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे, जबकि एचसीएल टेक्नोलॉजीज, पावर ग्रिड कॉर्प, एचडीएफसी लाइफ, ओएनजीसी, कोल इंडिया, इंफोसिस और टीएमपीवी के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

वहीं व्यापक बाजारों की बात करें तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी आई जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.22 फीसदी की गिरावट रही। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी बैंक में सबसे ज्यादा 1.13 फीसदी की तेजी आई, और से अपने शीर्ष स्तर 62,442.20 पर पर पहुंचा।

वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक में 1.95 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 1.94 फीसदी, निफ्टी ऑटो में 0.72 फीसदी, निफ्टी मीडिया में 0.64 फीसदी और निफ्टी मेटल में 0.58 फीसदी का उछाल आया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 82349 और निफ्टी 25358 तक उछले।

रुपया बढ़त के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 45 पैसे की बढ़त के साथ ही 93.49 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 31 पैसे मजबूत होकर 93.63 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, विदेशी पूंजी के मजबूत प्रवाह और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से घरेलू मुद्रा को बल मिला। इससे अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.72 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में बढ़त दर्ज करते हुए 93.63 प्रति डॉलर पर पहुंच गया ये पिछले बंद भाव के मुकाबले 31 पैसे की बढ़त है। वहीं इससे पहले रुपया सोमवार को 25 पैसे मजबूत होकर 93.94 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी बढ़कर 103.50 पर आ गया।

भारतीय बागवानी में बंपर उछाल, 2025-26 में रिकॉर्ड उत्पादन का अनुमान

रकबा घटने के बावजूद 38.69 करोड़ टन उत्पादन की संभावना

नई दिल्ली ।

भारत का बागवानी उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में रिकॉर्ड 38.69 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 37.07 करोड़ टन से 4.36 प्रतिशत अधिक होगा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को सरकार का तीसरा अग्रिम अनुमान जारी करते हुए यह जानकारी दी। यह वृद्धि ऐसे समय में अनुमानित है जब बागवानी फसलों का कुल रकबा एक साल पहले के 3.01 करोड़ हेक्टेयर से घटकर 2.97 करोड़ हेक्टेयर रहने की संभावना है। कृषि मंत्री चौहान ने इस अभूतपूर्व वृद्धि का श्रेय किसानों के पारंपरिक खेती से हटकर फल, सब्जियां, फूल, मसाले और औषधीय पौधों जैसी व्यावसायिक फसलों की ओर बढ़ते रुझान तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की किसान-हितैषी नीतियों को दिया। उन्होंने कहा कि यह रुझान न केवल किसानों के लिए आय के नए स्रोत खोल रहा है, बल्कि देश की पोषण सुरक्षा को मजबूत करते हुए कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और प्रगति के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। अनुमानों के अनुसार, 2025-26 में फल उत्पादन 4.60 प्रतिशत बढ़कर 12.30 करोड़ टन और सब्जियों का उत्पादन 4.35 प्रतिशत बढ़कर 22.72 करोड़ टन रहने का अनुमान है।

सेविंग अकाउंट में भी मिलेगा फिक्स्ड डिपॉजिट का धांसू ब्याज!

स्वीप-इन एफडी सुविधा से पाएं अतिरिक्त पैसों पर ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली।

क्या आपके सेविंग अकाउंट में अक्सर कुछ अतिरिक्त पैसे निष्क्रिय पड़े रहते हैं और आप उन पर मिलने वाले कम ब्याज से नाखुश हैं? यदि हां, तो बैंक की स्वीप-इन फिक्स्ड डिपॉजिट सुविधा आपके लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। यह एक ऐसी कमाल की स्कीम है जो आपके बचत खाते में पड़े अधिशेष राशि पर सावधि जमा (एफडी) के समान आकर्षक ब्याज दर प्रदान करती है, और साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर तुरंत पैसे निकालने की लचीली सुविधा भी बनाए रखती है। यह सेविंग अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट की बेहतरीन विशेषताओं को एक साथ जोड़ती है। स्वीप-इन एफडी मूलतः आपके सेविंग अकाउंट और एक लिंक की हुई फिक्स्ड डिपॉजिट का एक हाइब्रिड मॉडल है। इसमें बैंक आपके बचत खाते के साथ एक एफडी को जोड़ देता है। इस सुविधा की नींव थ्रेशहोल्ड लिमिट पर टिकी है। यह वह न्यूनतम राशि होती है जिसे बैंक आपके बचत खाते में बनाए रखने के लिए तय करता है। जैसे ही आपके सेविंग अकाउंट का बैलेंस इस तय सीमा से अधिक होता है, अतिरिक्त रकम अपने आप एक फिक्स्ड डिपॉजिट में ट्रांसफर हो जाती है। सबसे खास बात यह है कि यह प्रक्रिया स्वतः होती है, जिससे आपको मैन्युअल रूप से एफडी बनाने की जरुरत नहीं पड़ती।

उदाहरण के तौर पर यदि आपके खाते की थ्रेशहोल्ड लिमिट 25,000 रुपए है और आपके सेविंग अकाउंट में 50,000 रुपए जमा होते हैं, तो अतिरिक्त 25,000 रुपए स्वतः ही एफडी में बदल जाएंगे। अगर भविष्य में आपको 30,000 रुपए की जरुरत है और आपके सेविंग अकाउंट में केवल 20,000 रुपए हैं, तो बाकी 10,000 रुपए सीधे आपकी लिंक एफडी से वापस सेविंग अकाउंट में आ जाएंगे। इस तरह आपके पैसों पर ज्यादा ब्याज भी मिलता है और वे जरूरत पड़ने पर आसानी से उपलब्ध भी रहते हैं। इस सुविधा का सबसे बड़ा आकर्षण अतिरिक्त पैसों पर मिलने वाली ऊंची ब्याज दर है। जहां सामान्य सेविंग अकाउंट पर आमतौर पर 2.5 फीसदी से 3फीसदी तक का ब्याज मिलता है, वहीं स्वीप-इन एफडी के तहत एफडी में ट्रांसफर हुई रकम पर आपको 6.5फीसदी या उससे भी अधिक ब्याज मिल सकता है। आपके अतिरिक्त पैसे पर बिना किसी मैन्युअल हस्तक्षेप के एफडी की उच्च दर से कमाई हो रही है। यह उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है जो अपने बचत खाते में पड़े पैसों को निष्क्रिय नहीं रखना चाहते।

टीटागढ़ रेल सिस्टम्स-जेफरीज ने बढ़ाया लक्ष्य, 43 फीसदी उछाल की संभावना

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने शेयर का टारगेट प्राइस 1,050 रुपए किया

नई दिल्ली ।

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने रेलवे सेक्टर की कंपनी टीटागढ़ रेल सिस्टम्स के शेयरों पर अपना भरोसा और मजबूत किया है। ब्रोकरेज ने कंपनी के शेयर का टारगेट प्राइस 990 रुपए से बढ़ाकर 1,050 रुपए कर दिया है और खरीदें रेटिंग बरकरार रखी है। मौजूदा भाव 733.40 रुपए से इसमें करीब 43 फीसदी की तेजी की गुंजाइश दिखती है। जेफरीज के अनुसार, टीटागढ़ के बेहतर वित्तीय नतीजे पैसेंजर कोच की बढ़ती डिलीवरी और नए वैगन ऑर्डर भविष्य में कंपनी की कमाई को सहारा देंगे। सितंबर तिमाही में कंपनी ने 51 पैसेंजर कोच डिलीवर किए, जो पिछली तिमाही से अधिक थे।

इस दौरान पैसेंजर रेल बिज़नेस का राजस्व सालाना आधार पर 2.5 गुना बढ़ा। कंपनी के पास लगभग 10,800 करोड़ रुपए का पैसेंजर रेल ऑर्डर बुक है, जिसमें



वंदे भारत और मेट्रो प्रोजेक्ट शामिल हैं। वैगन बिक्री में गिरावट के बावजूद, 4,955 वैगन का नया ऑर्डर मिलने से कंपनी की भविष्य की कमाई की संभावनाबेहतर हुई है। टीटागढ़ का रामकृष्णा फोर्जिंग्स के साथ फोर्ज्ड व्हील प्लांट भी दिसंबर 2026 से कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है।

हरित उड़ान को बढ़ावा, सरकार जल्द जारी करेगी सतत विमानन ईंधन नीति का मसौदा

2040 तक 1 करोड़ टन उत्पादन क्षमता और 85 अरब डॉलर निवेश की संभावना

नई दिल्ली ।

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को घोषणा की कि सरकार एक-दो सप्ताह के भीतर सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) नीति का मसौदा जनता की टिप्पणियों के लिए जारी करेगी। यह कदम देश में हरित विमानन को बढ़ावा देने और आर्थिक अवसरों को खोलने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

उद्योग संगठन फिक्की और नागर विमानन मंत्रालय द्वारा आयोजित 'इंडिया सस्टेनेबल एविएशन समिट' में बोलते हुए मंत्री नायडू ने बताया कि एसएएफ देश के लिए बड़े आर्थिक अवसर पैदा करता है। उन्होंने अनुमान लगाया कि भारत में 2040 तक सालाना करीब एक करोड़ टन एसएएफ का उत्पादन करने की क्षमता है, जिसके लिए 70-85 अरब डॉलर (लगभग 5.8 से 7.1 लाख करोड़ रुपये) के भारी निवेश की आवश्यकता होगी।

वैश्विक इस्पात संकट-टाटा स्टील को दोहरी चुनौती,ब्रिटेन और नीदरलैंड से मदद की गुहार

जमशेदपुर ।

वैश्विक इस्पात कारोबार में जारी उथल-पुथल के बीच, टाटा स्टील ब्रिटेन और नीदरलैंड की सरकारों से सक्रिय हस्तक्षेप और वित्तीय सहायता की मांग कर रही है। कंपनी ब्रिटेन में आयातित इस्पात के बड़े भंडार से जूझ रही है, वहीं नीदरलैंड में अपने संयंत्र को हरित इस्पात उत्पादन में बदलने के लिए सरकारी मदद पर निर्भर है। इस वैश्विक संकट का मुख्य कारण चीन की तरफ से जरूरत से अधिक इस्पात की आपूर्ति को बताया जा रहा है। टाटा स्टील के एक अे धिकारी ने बताया कि अमेरिकी और यूरोपीय संघ द्वारा व्यापार बाधाएं बढ़ाने के बाद ब्रिटेन में इस्पात का बड़ा भंडार जमा हो गया था, क्योंकि उस समय वहां आयात पर कोई प्रतिबंध नहीं था। हालांकि अब आयात बंद हो गया है, कंपनी ब्रिटेन सरकार के साथ इस मौजूदा भंडार से निपटने के लिए समर्थन पर विशेष बातचीत कर रही है। इसी के साथ, कंपनी नीदरलैंड में अपने संयंत्र को स्वच्छ इस्पात निर्माण में बदलने के लिए वहां की सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए भी बातचीत कर रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह हरित बदलाव सरकारी समर्थन और वित्तपोषण के बिना संभव नहीं है। उन्होंने वैश्विक इस्पात कारोबार में मौजूदा उथल-पुथल का मुख्य कारण चीन की जरूरत से ज्यादा आपूर्ति को बताया।

ग्लोबल मार्केट में शुरू हुई आईफोन डूओ 2 की सेल

नई दिल्ली ।

दिग्गज टेक कंपनी एप्पल के पहले फोल्डेबल स्मार्टफोन की सेल पिछले महीने भारत समेत ग्लोबल मार्केट में शुरू हुई है। इस फोल्डेबल फोन के अगले मॉडल आईफोन डूओ 2 से जुड़ी जानकारियां सामने आने लगी हैं।

ब्लूमबर्ग के मार्क गुरमन ने दावा किया है कि एप्पल अपने नेक्स्ट जेनरेशन आईफोन डूओ पर काम कर रहा है। इसे वी 78 इंटरनल कोडनेम के साथ टेस्ट किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, एप्पल के अपकमिंग फोल्डेबल फोन में कंपनी फेस फेस आई और एक्शन बटन भी जोड़ने वाली है। इस फोल्डेबल फोन को अगले साल सितंबर में लॉन्च किया जा सकता है। इस एक्शन बटन को मौजूदा कैमरा कंट्रोल बटन के साथ रिप्लेस किया जा सकता है। मार्क गुरमन ने ये भी दावा किया है कि अपकमिंग फोल्डेबल फोन आईफोन डूओ 2 में कंपनी एक डेडिकेटेड टेलीफोटो कैमरा इस्तेमाल करेगी। इस डिवाइस को मौजूदा आईफोन डूओ के मुकाबले पतला और हल्का बनाया जा सकता है। एप्पल के इंजीनियर्स पहले फोल्डेबल फोन के यूजर्स से मिले फीडबैक के आधार पर ये बदलाव करने वाला है। एप्पल के पहले फोल्डेबल फोन आईफोन डूओ को इस साल सितंबर में लॉन्च किया गया है। इसकी कीमत 2,99,900 रुपये से शुरू होती है। इसके फीचर्स की बात करें तो इसमें 7.6 इंच का सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले दिया गया है। इसके अलावा फोन में 5.4 इंच का कवर डिस्प्ले मिलता है। फोन का डिस्प्ले 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 3000 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट करता है। एप्पल के पहले फोल्डेबल आईफोन के डिस्प्ले की प्रोटेक्शन के लिए सिरैमिक शील्ड दिया गया है। यह फोल्डेबल फोन भी आईफोन 18 प्रो सीरीज की तरह ही नए ए20 प्रो चिप के साथ आता है, जो 2एनएम टेक्नोलॉजी पर काम करता है। इसे 256जीबी से लेकर 2टीबी स्टोरेज वेरिएंट्स में पेश किया गया है। आईफोन डूओ के बैक में डुअल कैमरा सेटअप मिलता है। इसमें 48एमपी का फ्यूजन कैमरा दिया गया है। इसके अलावा एक 48एमपी का टेलीफोटो कैमरा मिलेगा, जो 2गुणा ऑप्टिकल जूम को सपोर्ट करता है।

ईंधन और बिजली की कीमतों में तेजी से बढ़ी महंगाई

मुंबई ।

ईंधन और बिजली की कीमतों में तेजी के कारण देश में एक महीने के भीतर थोक कीमतों में महंगाई का स्तर और ऊपर चला गया है। अक्टूबर में थोक महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 12.29 फीसदी पर पहुंच गई, जबकि सितंबर में यह 11.39 फीसदी थी। इसकी सबसे बड़ी वजह ईंधन और बिजली की कीमतों में आई तेजी को माना जा रहा है। वहीं चीजों की महंगाई में मामूली राहत भी मिली है, लेकिन कुल महंगाई के आंकड़े आम लोगों को चिंतित कर रहे हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 113.3 हो गया। सितंबर में यह 112.5 था। इस सूचकांक का आधार वर्ष 2022-23 है। आंकड़े बताते हैं कि ईंधन और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने थोक महंगाई को ऊपर खींचने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई। अक्टूबर में ईंधन और बिजली श्रेणी की महंगाई दर बढ़कर 32.84 फीसदी हो गई, जो सितंबर में 25.85 फीसदी थी। इस श्रेणी का सूचकांक भी सितंबर के 110.5 से बढ़कर अक्टूबर में 115.7 पर पहुंच गया। खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी इसका प्रमुख कारण रही।इसके अलावा प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई दर भी बढ़ी है। सितंबर में यह 8.67 फीसदी थी, जो अक्टूबर में बढ़कर 9.24 फीसदी हो गई। वहीं, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर में थोड़ी राहत देखने को मिली। यह सितंबर के 9.76 फीसदी से घटकर अक्टूबर में 9.54 फीसदी पर आ गई। खाद्य महंगाई के मोर्चे पर अक्टूबर में हल्की राहत मिली है। डब्ल्यूपीआई फूड इंडेक्स के मुताबिक, खाद्य महंगाई दर सितंबर के 8.66 फीसदी से घटकर अक्टूबर में 8.58 फीसदी रह गई। इस सूचकांक में प्राथमिक श्रेणी की खाद्य वस्तुओं के साथ विनिर्मित खाद्य उत्पाद भी शामिल होते हैं। हालांकि, खाद्य महंगाई अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। खाद्य वस्तुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं, धातुओं, रसायनों, कपड़ों और रबर-प्लास्टिक उत्पादों की कीमतों ने भी थोक महंगाई को बढ़ाने में योगदान दिया। सरकार ने अगस्त 2026 के लिए थोक महंगाई के अंतिम आंकड़े को 9.92 फीसदी पर बरकरार रखा है।

रिमोट वर्कर के 60,000 रुपये के खर्चों ने चौंकाया,युवती खुद हैरान!

रिमोट कॉर्पोरेट वर्कर के साथ कंटेंट क्रिएटर और फीलांसर भी है युवती

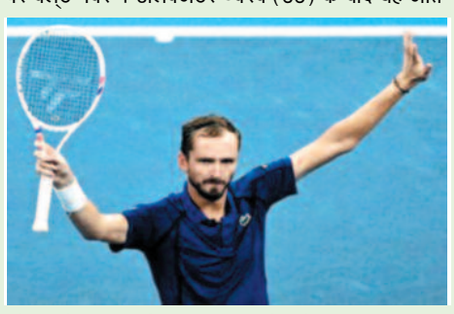
नई दिल्ली ।

घर से काम करने की सुविधा और लचीलापन कई युवाओं को अपनी ओर खींचता है, लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि आपके खर्चे भी कम हो जाएंगे? सोशल मीडिया पर एक 25 वर्षीय रिमोट वर्कर युवती ने अक्टूबर महीने के अपने खर्चों का ब्यौरा साझा किया है, जिसने उसे खुद भी हैरान कर दिया। उसके खर्चों का आंकड़ा 60,282 रुपये तक पहुंच गया, जबकि उसे 40-45 हजार रुपये खर्च होने का अनुमान था। युवती, जो एक रिमोट कॉर्पोरेट वर्कर होने के साथ-साथ कंटेंट क्रिएटर और फ्रीलांसर भी है, ने अपने वीडियो में अक्टूबर के खर्चों का पूरा हिसाब दिया। खर्चों में सबसे बड़ा हिस्सा इंस्टामार्ट पर 14,307 रुपये का था, जिसमें ओट्स, चिकन ब्रेस्ट और ग्रीक योगर्ट जैसी चीजें शामिल थीं। घर के खर्चों में योगदान के तौर पर उसने 15,000 रुपये दिए, जिसमें राशन, घरेलू सहायिका आदि शामिल थे।

बाहर से खाना मंगाने और रेस्टोरेंट में खाने पर 5,600 रुपये, जबकि वाई-फाई, बिजली और मोबाइल बिल पर 1,841 रुपये खर्च हुए। परिवहन (रैपिडो, बाइक, पेट्रोल) पर 3,978 रुपये और खुद व मां के लिए शॉपिंग पर 7,255 रुपये खर्च किए गए। सब्सक्रिप्शन, किचन का सामान और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स पर कुल 12,301 रुपये का खर्च आया।

मेदवेदेव ने एटीपी फाइनल्स के पहले मैच में कोबोली को हराया

ट्यूरिन । डेनियल मेदवेदेव ने इनाल्पी एरिना में स्थानीय खिलाड़ी और डेब्यू कर रहे फ्लेवियो कोबोली को 7-6(4), 6-3 से हराकर अपने एटीपी फाइनल्स कैंपेन की शुरुआत की। मेदवेदेव अपने दूसरे एटीपी फाइनल्स टाइटल की तलाश में हैं। मेदवेदेव ने 2019 से 2024 तक लगातार छह बार एटीपी फाइनल्स में जगह बनाई, जिसमें 2020 का उनका यादगार टाइटल शामिल है। उस मौके पर, उन्होंने ट्रॉफी जीतने के रास्ते में वर्ल्ड नंबर 1 नोवाक जोकोविच, वर्ल्ड नंबर 2 राफेल नडाल और वर्ल्ड नंबर 3 डोमिनिक थिएम को हराया था। 2025 में क्वालिफिकेशन से चूकने के बाद मेदवेदेव ने 2026 सीजन में शानदार वापसी की, चार टूर-लेवल टाइटल जीते और 53 जीत दर्ज कीं। एटीपी टूर पर वर्ल्ड नंबर 1 अलेक्जेंडर ज्वेरेव (66) के बाद यह जीत



की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। चौथी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव का अगला मुकाबला बुधवार को कार्लोस अल्काराज से होगा। इवान लेंडल ग्रुप में 0-1 से पिछड़ने के बाद, कोबोली अब बेरेटिनी, जानिक सिनर और लोरेंजो मुसेट्टी के साथ इस इवेंट में सिंगल्स में जीत दर्ज करने वाले चौथे इटैलियन पुरुष बनने की अपनी कोशिश जारी रखना चाहेंगे। उनका अगला मुकाबला फ्रांसेस टियाफो से होगा।

इससे पहले, दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 6-2 से हराकर इवान लेंडल ग्रुप में 1-0 की बढ़त बना ली थी। अल्काराज साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट में चौथी बार हिस्सा ले रहे हैं। उनका सबसे अच्छा नतीजा पिछले साल आया था, जब वह टाइटल मैच में जानिक सिनर से हार गए थे। स्पेन के 23 वर्षीय खिलाड़ी जबरदस्त फॉर्म में उतरी इटली पहुंचे हैं और उन्होंने पिछले महीने पेरिस और वियना में लगातार टाइटल जीते हैं। अल्काराज इस सप्ताह अपने 30वें टूर-लेवल टाइटल और सीजन के छठे टाइटल की तलाश में हैं। कलाई की चोट के कारण वह साल के चार महीने बाहर रहे। अगस्त में यूएस ओपन में वापसी के बाद से उन्होंने अपने 22 में से 20 मैच जीते हैं।

बीबीएल 16

लाबुशेन ब्रिस्बेन हीट के साथ लगातार 11वां सीजन खेलेंगे

ब्रिस्बेन । बिग बैश लीग के 16वें सीजन के लिए ब्रिस्बेन हीट ने मार्नस लाबुशेन को रिटेन किया है। लाबुशेन लगातार 11वां सीजन ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलेंगे। री-साइन किए गए खिलाड़ियों में लाबुशेन को क्रिस लिन के साथ रखा गया है। क्वींसलैंड क्रिकेट के जनरल मैनेजर-हाई परफॉर्मेंस बेनेट किंग ने कहा कि लाबुशेन का अनुभव और कॉम्पिटिटिव अप्रोच हीट के लिए टूर्नामेंट की तैयारी में बहुत काम आएगा। किंग ने कहा, 'मार्नस जब भी हीट के लिए खेलते हैं तो अपना शत-प्रतिशत देते हैं। ऐसा बहुत कम है, जो उन्होंने अपने करियर में अब तक क्रिकेट के मैदान पर अनुभव न किया हो। उनकी विविध स्किल्स हमें विरोधी लाइन-अप के खिलाफ मैच-अप और हमारे ओवरऑल स्क्वॉड में संतुलन देंगी।'



हीट ने युवा तेज गेंदबाज टॉम बाल्किन और ओली पैटरसन को शामिल करके अपनी 18-सदस्यीय टीम में बची हुई जगहें भी भर ली हैं। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। 22 साल के बाल्किन ने पिछले सीजन के पांच मैचों में छह विकेट लिए थे। पैटरसन, जो 20 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, ने पिछले सीजन में तीन मैचों में चार विकेट लिए थे। पैटरसन ने घरेलू सर्किट में भी शानदार प्रदर्शन किया है और लगातार दूसरे सीजन में टी20 मैक्स टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। दोनों युवा खिलाड़ियों ने क्वींसलैंड के लिए डोमेस्टिक वनडे कप में अपना लिस्ट ए डेब्यू किया है, जबकि बाल्किन ने शेफील्ड शील्ड मैच में भी हिस्सा लिया है। किंग ने कहा, 'मार्नस जैसे बहुत अनुभवी खिलाड़ी और टॉम और ओली जैसे दो युवा तेज गेंदबाज, जिन्होंने बीबीएल में पहले ही दिखा दिया है कि वे क्या कर सकते हैं, के साथ अपनी स्क्वॉड को पूरा कर पाना हमें अगले महीने होने वाले कॉम्पिटिशन में एक मजबूत स्थिति में रखता है।'

धोनी ने आईपीएल से लिया संन्यास

चेन्नई सुपर किंग्स में अब निभाएंगे नई भूमिका, किस तरह गंभीर की राह पर चले माही



चेन्नई। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास ले लिया है और अब वह मैदान पर खिलाड़ी के बजाय नई भूमिका में नजर आएंगे। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें आईपीएल 2027 से टीम का मेंटर बनाने का फैसला किया है। हालांकि, उनका फ्रेंचाइजी से जुड़ाव पहले की तरह बना रहेगा।

धोनी के बिना CSK नहीं



चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने धोनी के साथ अपने करीब दो दशक पुराने रिश्ते को याद किया। उन्होंने साफ कहा कि धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग्स की कल्पना नहीं की जा सकती। श्रीनिवासन ने कहा, 'एमएस धोनी के बिना सीएसके नहीं है। करीब दो दशकों से हम एक-दूसरे के साथ आगे बढ़े हैं। इस दौरान हमने सफलता, मुश्किलें और हर तरह के उतार-चढ़ाव साथ देखे हैं।' उन्होंने धोनी के साथ अपने रिश्ते की मजबूती का राज भी बताया। श्रीनिवासन के मुताबिक, दोनों के बीच भरोसा हमेशा सबसे अहम रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारा रिश्ता इतना मजबूत होने की एक ही वजह है- हम एक-दूसरे की नीयत पर सवाल नहीं उठाते। इसी भरोसे ने इस सफर को मुमकिन बनाया है।' श्रीनिवासन ने 2008 में हुए पहले आईपीएल ऑक्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय उन्होंने धोनी को चेन्नई की टीम में शामिल करने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, '2008 में मैंने जोर दिया था कि धोनी सीएसके का हिस्सा होने चाहिए। यह मेरा लिया हुआ सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ। सिर्फ फ्रेंचाइजी के लिए उनकी उपलब्धियों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए भी कि वह एक बेहतरीन इंसान हैं।'

अब खिलाड़ी नहीं, मेंटर की भूमिका में दिखेंगे धोनी

धोनी ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार चैंपियन बनाया है। उनकी कप्तानी में टीम ने कई यादगार सफलताएं हासिल कीं। अब आईपीएल में उनका सफर बतौर खिलाड़ी खत्म हो गया है। वह टीम के डगआउट में मेंटर की भूमिका निभाएंगे और अपने अनुभव से खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। धोनी का चेन्नई के साथ रिश्ता बेहद खास रहा है। वह फ्रेंचाइजी की पहचान बन चुके हैं और उनके फैसलों तथा नेतृत्व क्षमता ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। हालांकि, बतौर मेंटर वह गौतम गंभीर की राह पर चल पड़े हैं। गंभीर ने भी आईपीएल से संन्यास लेने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर की भूमिका निभाई थी। उनकी देखरेख में केकेआर अपने पहले ही सीजन में चैंपियन बनी थी। अब धोनी भी सीएसके की खोई हुई साख वापस लाने की कोशिश करेंगे।

ष्टस्च्य मालिक एन श्रीनिवासन ने कही बड़ी बात

चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने भी धोनी के महत्व पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि पूर्व भारतीय कप्तान हमेशा फ्रेंचाइजी की पहचान का अहम हिस्सा रहेंगे। खिलाड़ी के तौर पर उनकी भूमिका भले ही बदल रही है, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका जुड़ाव पहले की तरह मजबूत बना रहेगा। धोनी के मेंटर बनने से टीम को उनके लंबे अनुभव का लाभ मिलेगा। खासकर युवा खिलाड़ियों को उनके मार्गदर्शन में खेलने और सीखने का मौका मिलेगा।



न्यूजीलैंड को लगा तगड़ा झटका

मिशेल सेंटनर भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू हो रही 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को तगड़ा झटका लगा है। अनुभवी ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर दाहिने हाथ में फ्रैक्चर की वजह से टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। सेंटनर को यह चोट रविवार रात माउंट माउंगानुई में भारत के खिलाफ पांचवें वनडे में अर्शदीप सिंह के फेंके बाउंसर से लगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की एक रिलीज के मुताबिक, 'स्कैन से पता चला है कि सेंटनर के दाहिने हाथ में फ्रैक्चर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनके शामिल होने की जानकारी सही समय पर दी जाएगी।' टेस्ट सीरीज के लिए मिशेल सेंटनर की जगह न्यूजीलैंड टीम में स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को शामिल किया गया है। 28 साल के फॉक्सक्रॉफ्ट ने मई में बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ एक टेस्ट खेला था। उन्होंने उस मैच में 98 रन बनाए थे। सेंटनर बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स के एक आकर्षक ऑफर को ठुकरा दिया था ताकि वे सभी फॉर्मेट में



की गैरमौजूदगी में एक स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में ग्लेन फिलिप्स की भूमिका अहम होगी।

चोट सेंटनर की टेस्ट उम्मीदों के लिए एक झटका है, क्योंकि उन्होंने अपने न्यूजीलैंड करियर पर ध्यान दे सकें। सेंटनर ने उस समय न्यूजीलैंड हेराल्ड से कहा था, 'जब आप आगे की गर्मियों को देखते हैं, भारत यहां सफेद गेंद और टेस्ट के लिए है और

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की अपडेटेड टीम

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, हेनरी निकोलस, विल यंग, ??डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, ब्लेयर टिकनर।

- वेलिंगटन टेस्ट में भारत की प्लेइंग इलेवन पर कप्तान गिल का संकेत

'चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर'

वेलिंगटन । भारत और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार से 2 टेस्ट मैचों की सीरीज वेलिंगटन में शुरू हो रही है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने संकेत दिया है कि टीम इंडिया 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। वेलिंगटन टेस्ट से पहले शुभमन गिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने के संकेत दिए। हालांकि, उन्होंने ये स्पष्ट नहीं किया कि चार पूर्ण तेज गेंदबाज होंगे या तीन तेज गेंदबाजों के साथ एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर को प्लेइंग इलेवन में जगह दी जाएगी। गिल ने कहा, 'हमने यहां जो टेस्ट मैच देखे हैं, उनमें पहले दो दिन अलग मैच होते हैं और अगले तीन दिन थोड़े अलग मैच होते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, हम एक ऐसा पेस अटैक चाहते हैं जो स्विंग और सीम मूवमेंट के साथ ही पिच के फ्लैट होने की स्थिति में भी प्रभावी हो।' उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से चार तेज गेंदबाजी विकल्प चाहते हैं, लेकिन हम अभी भी तय कर रहे हैं कि वे तेज गेंदबाज कौन से हैं। हमने कई बार तीसरे, चौथे और पांचवें दिन देखा है कि विकेट, खासकर पुरानी गेंद से, थोड़ा फ्लैट हो जाता है, इसलिए हमारी फास्ट-बॉलिंग यूनिट से, हम ऐसा चाहते हैं जिसके पास पेस हो, कोई ऐसा जो लगातार सही एरिया में हिट कर सके, और फिर जाहिर है कि एक छोर से कंट्रोल करने के लिए एक स्पिनर के साथ जाना चाहिए, क्योंकि अगर हवा तेज हो तो हवा के खिलाफ गेंदबाजी करना आसान नहीं होगा। तेज गेंदबाज की भूमिका लगभग आधी हो जाती है, अगर वो हवा के खिलाफ गेंदबाजी कर रहा हो, इसलिए बहुत सारे फैक्टर हैं जिन पर हम ध्यान देंगे।'

भारत की प्लेइंग इलेवन में



रवींद्र जडेजा अकेले स्पिनर हो सकते हैं, जो नंबर 7 पर बल्लेबाजी करेंगे। टीम में बल्लेबाजी ऑर्डर पर गिल ने कहा, 'हम सात बल्लेबाज देख रहे हैं और फिर आठ और नौ इस पर निर्भर करेंगे। आकाश और अंशुल थोड़ी बल्लेबाजी कर सकते हैं। अगर हम रेड्डी के साथ भी जाते हैं, तो वह एक पूर्ण बल्लेबाज है, इसलिए हम देखेंगे कि हम किस तरह के कॉम्बिनेशन के साथ जाना चाहते हैं और हम असल में क्या करना चाहते हैं।

IPL 2027 में नहीं खेल पाएंगे ट्रेविस हेड, एसआरएच को फैसले की जानकारी दी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2027 (आईपीएल 2027) से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए खेलने वाले ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेलने का फैसला किया है। हेड ने अपने फैसले की जानकारी एसआरएच मैनेजमेंट को दी है। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, हेड ने एसआरएच को आईपीएल के अगले सीजन में नहीं खेलने के अपने फैसले के बारे में



बताया है। अगले कुछ महीनों में ऑस्ट्रेलिया का इंटरनेशनल शेड्यूल बहुत व्यस्त रहेगा। ट्रेविस हेड इसी वजह से आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेल पाएंगे। अगस्त की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने क्रिकइन्फो को बताया था कि ऑस्ट्रेलिया को कुछ फैसले लेने होंगे, क्योंकि उनके लिए बहुत सारी जरूरी प्राथमिकताएं सामने हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलने का मौका चाहेगी, जो आईपीएल खत्म होने के ठीक बाद है।

रजाउल्लाह और जमाल ने लिए 3-3 विकेट

श्रीलंका की पहली पारी 98 पर सिमटी

नई दिल्ली । पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच रावलपिंडी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार से सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट शुरू हुआ। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला करते हुए श्रीलंका को पहली पारी में 98 रन पर समेटकर मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बहुत खराब रही। टीम ने 6 के स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवाया और देखते ही देखते ही 36 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा बैठी। इसके बाद कप्तान कुसाल मेंडिस और सोनल



दिनुशा ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने छठे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 85 तक पहुंचाया। इस जोड़ी के टूटते ही श्रीलंकाई पारी 35.3 ओवरों में 98 रन पर सिमट गई। मेंडिस 32 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि सोनल ने 21 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने कप्तान बाबर आजम के पहले गेंदबाजी करने के फैसले को सही साबित किया। मोहम्मद अब्बास ने 14 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लिए।

पीसीबी ने शेन डिट्ज को पाकिस्तान महिला टीम का हेड कोच बनाया

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर शेन डिट्ज को पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच के रूप में नियुक्त किया है। शेन डिट्ज वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज से कार्यभार संभालेंगे। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किए जाने के बाद शेन डिट्ज ने कहा, 'पाकिस्तान महिला टीम का हेड कोच बनकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। पाकिस्तान क्रिकेट का इतिहास बहुत शानदार रहा है और मुझे याद है कि जब मैं एक युवा खिलाड़ी था, तो 1992 में ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल में उन्हें चीयर करता था, जो पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।'

'सैंडपेपरगेट विवाद पर ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले की तरह अब भी विभाजीत': अश्विन



नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की लिखी किताब 'सब्र' की रिलीज के बाद से 2018 में केपटाउन टेस्ट के दौरान हुआ सैंडपेपरगेट कांड फिर से चर्चा में है। इस विषय पर ऑस्ट्रेलियाई पूर्व और मौजूदा खिलाड़ियों के बीच एकमत नहीं है। पूर्व भारतीय स्पिनर आर अश्विन ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। अश्विन ने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर गई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के सदस्यों के अलग-अलग बयानों पर भी अपनी राय दी। पूर्व भारतीय स्पिनर ने स्टार स्पोर्ट्स के 'सैंडपेपरगेट : द अनसेटल्ड डिबेट' पर कहा, 'इस किताब में उस्मान ख्वाजा ने अपनी कहानी स्पष्ट तरीके से बताई है। वह सामूहिक जवाबदेही मांग रहे हैं। वह कह रहे हैं कि केवल तीन लोग ही इसके बारे में जानते थे, और भी लोग थे।'

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की मैं एक क्रिकेटर के तौर पर सच में तारीफ करता हूं। उन्होंने उस्मान ख्वाजा के दावों को बेबुनियाद, बकवास और बिना सबूत वाला कहा है। वहीं, डेविड वॉर्नर का बयान ख्वाजा का समर्थन करता है। यह चिंता की बात है, चाहे हम इसे कैसे भी देखें।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन
का की कू घ ङ
छ के को हा

सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू डे डो

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह
मा मी मू मे मो
टा टी टू टे

यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या
टो पा पी पू ष
ण ठ पे पो

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला
रा री रु रे रो
ता ती तू ते

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक
तो ना नी नू ने
नो य यी यू

समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु
ये यो भा भी भू
धा फा ढा भे

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर
भे जा जी खी खू
खे खो गा गी

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

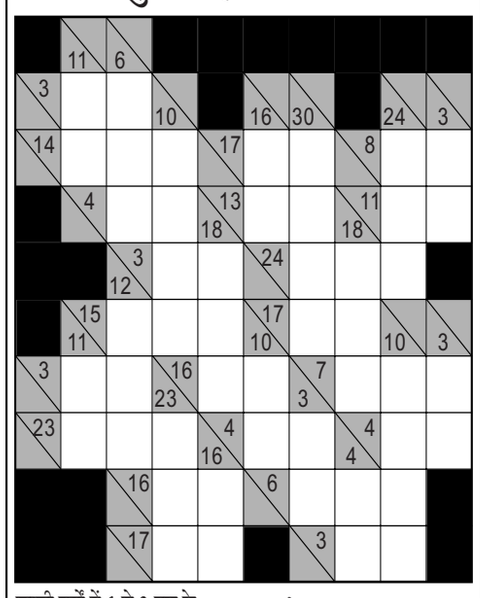
कुंभ
गू गे गो सा
सी सू से सो दा

सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन
दी दू थ झ ञ दे
दो चा ची

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 4071

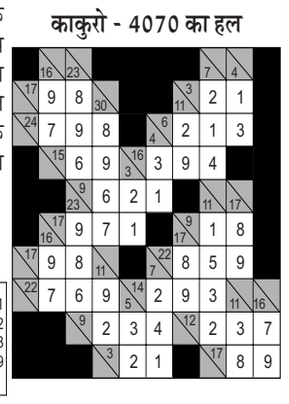


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

	1	2	3	5
1	1+2+3+4+5+6= 21			
2	1+2+3+4+5+7= 22			
4	3+5+6+7+8+9= 38			
	4+5+6+7+8+9= 39			

काकुरो - 4070 का हल



हंसी के फव्वारें

'तुम रेडियो पर सदा विदेशी स्टेशनों के कार्यक्रम ही क्यों सुनते रहते हो?'

'ताकि हमारे देश की बिजली कम खर्च हो.' दूसरे दोस्त ने बताया.

राजू- 'मेरी घरवाली की आंख में एक तिनका गिर गया था, उसे निकालने के लिए दस रुपये खर्च करने पड़े.'

मित्र बोला, 'मेरी घरवाली की आंख में एक साड़ी अटक गयी थी, उसे निकालने के लिए एक हजार रुपये खर्च करने पड़े.'

'पापा, मैंने आपके दोस्त को सही समय पर स्टेशन पहुंचा ही दिया.'

'लेकिन बेटा, स्टेशन तो बहुत दूर है और टैक्सी, बस, तांगे सबकी हड़ताल है. तुमने उन्हें ठीक समय पर कैसे पहुंचा दिया?'

'जी, वे कुत्ते से बहुत डरते थे, अपना कुत्ता उनके पीछे दौड़ाता रहा और उन्होंने भागकर ट्रेन पकड़ ली.'

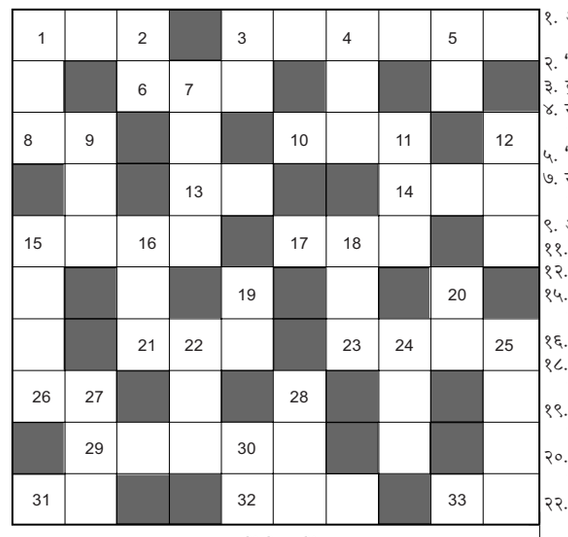
एक महिला -'आपने जो ताबीज पहन रखी है,वह क्या जन्तर-मन्तर है?'

दूसरी महिला हंस पड़ी, 'नहीं, इसमें मेरे आदमी के बाल हैं.'

पहली महिला आश्चर्य चकित होकर पूछा, 'क्या अब वे नहीं रहे?'

'नहीं, वे तो हैं, पर उनके बाल अब नहीं रहे.'

फिल्म वर्ग पहेली- 4071



बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पाना की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नांडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4070

घा	त		स	फ	र		आ	क्रो	श
य			फा		ह	मे	शा		
ल	व	स्टे	री		मा	ला		अं	
	ही			आ	न		आ	जा	द
अं	दा	ज		ई		सं	ग	म	
गा		या	ग	ना		सा			खु
रे	खा		ज		स	र	फ	रे	श
	मो			सु	र		ग		बू
आ	शी	र्वा	द		ग	द	र		
मीं			स	न	म			यु	वा

सूडोकु -4071

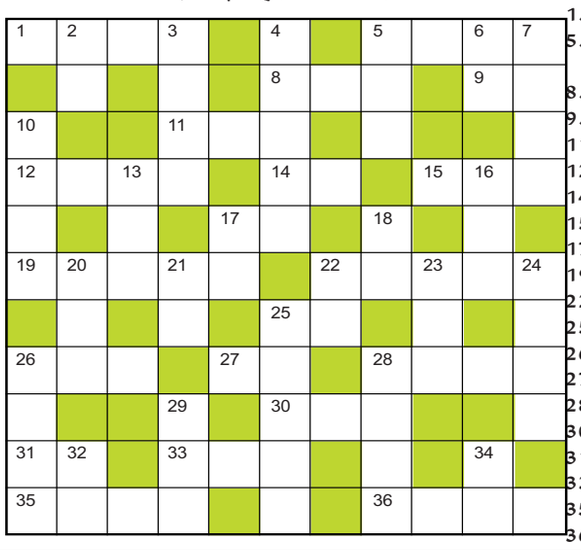
		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4070 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 4071



बाएँ से दाएँ
1. धरोहर,थाती-4
5. अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8. गुणगान-3
9. प्रेम (अंग्रेजी-2)
11. भरोसा,विश्वास-3
12. दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14. हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15. गागर,घड़ा-3
17. जांघ-2
19. असावधान-5
22. करतूत,होशियारी-5
25. डूबा हुआ,समाप्त-2
26. तीक्ष्ण,तेज-3
27. अधर्म,अपकृत्य-2
28. मनमौजी,चंचल-4
30. हत्या,वध-3
31. पंख-2
33. मायका-3
35. व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36. कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे
2. फूलों का हार-2
3. वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4. शांति,सुख-चैन-3,2
5. अस्वस्थ,मरीज-3
6. दम,ताकत-2
7. भगवान राम के पुत्र-2,2
10. उन्मत,मदमस्त-4
13. दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16. बोलने का तरीका-3
17. रास्ता-2
18. पराया-2
20. परीक्षा-3
21. वचन-2
22. खेती-2
23. अभिमान-3
24. फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25. बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26. ईश्वर,राजा-4
28. मन को अच्छा लगने वाला-4
29. शाप से पीड़ित-3
32. अवकाश,मंजूरी-2
34. संध्या-2

शब्द पहेली -4070 का हल

	रा	ज	कु	मा	र		म	नो	ह	र
दौ	र		ली		ख	न	न		र	वा
ल		जा	न	व	र		न	ल		य
त	न	य			खा	र		की	म	त
खा		दा		ना	व		ड		दा	
ना	र	द	मु	नी		प	र	व	री	श
	स्ता		ख		स	द		ध		क
भ	र	ना		स	भा			मा	हि	र
या		का	का		भ	द्रा	प	न		कं
न	न		त	ना	व		ह		दा	द
क	म	जो	र		न	ग	र	वा	सी	

रेसिपी



मटर कुलचा

सामग्री

■ 2 कप सूखी मटर ■ बारीक कटी 2 हरी मिर्च ■ 1 कप बारीक कटा प्याज ■ 1 कप बारीक कटा टमाटर ■ एक नींबू का रस ■ 1/2 चम्मच अमचूर पाउडर ■ 2 चम्मच चाट मसाला ■ 3 चुटकी मीठा सोडा पाउडर ■ 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर ■ स्वादानुसार नमक ■ आधा कप बारीक कटा हरा धनिया

विधि

मटर को 6 से 7 घंटे पानी में भिगो दें। अब इसे प्रेशर कूकर में पानी डालकर मीठा सोडा पाउडर, हल्दी पाउडर और थोड़ा नमक मिलाकर उबाल लें। कूकर में 3-4 सीटी आने के बाद गैस धीमी कर दें और फिर 2 से 3 सीटी आने के बाद गैस बंद कर दें। कूकर का प्रेशर खत्म होने पर ही उसका ढक्कन खोलें और मटर को एक बड़ी चम्मच से अच्छी तरह चलाकर मैश कर लें। अब इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, टमाटर, चाट मसाला, अमचूर पाउडर और स्वादानुसार नमक मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। फिर मटर में नींबू का रस मिलाकर 5 मिनट और मध्यम आंच में गैस पर रखकर पकाएं। गैस बंद कर दें, चटपटे मटर तैयार हैं, कुलचे के साथ इसे सर्व करें।

रेसिपी



मॉलिगेटॉनी सूप

सामग्री

■ 2 टीस्पून कुकिंग ऑयल ■ 2.5 कप रेडीमेड वेजिटेबल ब्रोथ ■ ½ कप लाल मसूर की दाल ■ ¼ कप चावल ■ 2 टुकड़ों में कटी गाजर ■ 2 बारीक कटी सेलेरी स्ट्रिक्स ■ 2 बारीक कटे टमाटर ■ 1 बारीक कटा सेब ■ ½ कप बारीक कटा प्याज ■ 1 टीस्पून गार्लिक पेस्ट ■ गार्निशिंग के लिए कुछ भुने हुए करी पत्ते।

विधि

2 टीस्पून कुकिंग ऑयल, 2.5 कप रेडीमेड वेजिटेबल ब्रोथ, ½ कप लाल मसूर की दाल, द कप चावल, 2 टुकड़ों में कटी गाजर, 2 बारीक कटी सेलेरी स्ट्रिक्स, 2 बारीक कटे टमाटर, 1 बारीक कटा सेब, ½ कप बारीक कटा प्याज, 1

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words



Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/



लैटिन ग्रैमी में छाया दिलजीत और डैडी यांकी का जादू

पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में इसकी धूम देखने को मिल रही है। ग्लोबल म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर पंजाबी संगीत का परचम लहराया है। इस बार उन्होंने प्यूर्टो रिको के मशहूर रेगेटन स्टार डैडी यांकी के साथ मिलकर ऐसा धमाल मचाया कि हर तरफ उनकी चर्चा होने लगी। दोनों का ग्लोबल क्रॉसओवर ट्रैक 'पोकिटो' लैटिन ग्रैमी 2026 के मंच पर भी छा गया। अब दिलजीत ने इस खास परफॉर्मेंस का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लैटिन ग्रैमी 2026 में हुई परफॉर्मेंस की एक झलक शेयर की। वीडियो में दिलजीत अपने पंजाबी अंदाज में 'पोकिटो' का हिस्सा गाते नजर आ रहे हैं, वहीं डैडी यांकी अपने स्पेनिश वर्स से समां बांधते दिखाई देते हैं। बाद में दोनों कलाकार एक साथ मंच पर परफॉर्म करते हैं। इस दौरान वहां मौजूद दर्शक भी दोनों की परफॉर्मेंस पर जमकर तालियां बजाते और उत्साह बढ़ाते नजर आए।



वीडियो शेयर करते हुए दिलजीत ने लिखा, 'पंजाबी लैटिन ग्रैमी में पहुंच गए हैं! ओए, अब दुनिया के हर मंच पर पंजाबी बोली जाएगी। भगवान हम पर मेहर बनाए रखे। बड़े भाई डैडी यांकी को सलाम। दो संस्कृतियों को एक मंच पर लाने के लिए शुक्रिया। लैटिन ग्रैमी का भी शुक्रिया, जिन्होंने हमें यहां मौका दिया।' फैंस को खूब पसंद आया दोनों का अंदाज दिलजीत और डैडी यांकी की इस परफॉर्मेंस का वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कोई इसे शानदार म्यूजिक फ्यूजन बता रहा है, तो किसी को दोनों का साथ आना साल का सबसे बेहतरीन क्रॉसओवर लग रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'यह तो कमाल है।' वहीं दूसरे ने गाने की तारीफ करते हुए कहा, 'क्या गाना है, बहुत पसंद आया।' एक फैन ने लिखा, 'कितने शानदार रिदम का मेल है। मुझे पंजाबी म्यूजिक और प्यूर्टो रिकन्स दोनों पसंद हैं।' वहीं एक यूजर ने दोनों की जोड़ी को 'यांकी जट्ट' नाम दिया। एक अन्य फैन ने इसे साल का बेस्ट क्रॉसओवर बताया।

डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ काम करने पर कही ये बात

लैटिन ग्रैमी के रेड कार्पेट पर मीडिया से बातचीत के दौरान डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ अपने इस कोलैबोरेशन को खास बताया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं दिलजीत का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उन्होंने शानदार काम किया है। मुझे लगता है कि पंजाबी और रेगेटन संगीत एक-दूसरे के कजिन की तरह हैं। मुझे हमेशा से ऐसा महसूस होता रहा है। यह कोलैबोरेशन शानदार रहा। इस गाने को सपोर्ट करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। जब अलग-अलग संस्कृतियां मिलती हैं, तो संगीत का असली मतलब समझ आता है।'

क्या है 'पोकिटो' की खासियत

'पोकिटो' एक पंजाबी-स्पेनिश गाना है, जसमें दो अलग-अलग संगीत शैलियों का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है। इसमें दिलजीत की पंजाबी आवाज और भांगड़ा का तड़का है, तो वहीं डैडी यांकी का सिग्नेचर रेगेटन अंदाज भी सुनने को मिलता है। गाने में बार-बार आने वाला स्पेनिश वाक्यांश 'पोकिटो आ पोकिटो' का मतलब 'थोड़ा-थोड़ा करके' होता है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो को स्टिल्ज ने डायरेक्ट किया है। वीडियो में पंजाबी परंपराओं और लैटिन अर्बन कल्चर की झलक को रंगीन अंदाज में दिखाया गया है। यह गाना डैडी यांकी के 15 ट्रैक वाले एल्बम 'ला पोस्टल' का हिस्सा है। 30 अक्टूबर को रिलीज हुए इस गाने के जरिए दोनों कलाकारों ने संगीत के माध्यम से दो अलग-अलग संस्कृतियों को एक साथ लाने की कोशिश की है।



डिजिटल एंटरटेनमेंट में कदम रखने जा रहे हैं आमिर खान और फरहान अख्तर

फिल्मों की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखने वाले आमिर खान और फरहान अख्तर अब डिजिटल एंटरटेनमेंट में भी नया कदम उठाने जा रहे हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने मिलकर एक माइक्रोड्रामा प्लेटफॉर्म शुरू करने की तैयारी की है. इस पर दर्शकों को कम समय में पूरी होने वाली कहानियां देखने को मिलेंगी.



इस प्लेटफॉर्म पर सिर्फ नई कहानियां ही नहीं दिखाई जाएंगी, बल्कि दोनों प्रोडक्शन हाउस के पास पहले से मौजूद कहानियों और फिल्मों से जुड़े कंटेंट का भी इस्तेमाल किया जाएगा. इसके साथ ही कुछ कहानियां खास तौर पर इस प्लेटफॉर्म के लिए तैयार की जाएंगी. यानी दर्शकों को पुराने कंटेंट के साथ कुछ नया देखने का मौका भी मिलेगा. इस वेंचर में कई जाने-माने डिजिटल और यूट्यूब क्रिएटर्स को जोड़ने की तैयारी है. इनके साथ खास समझौते किए जाएंगे, ताकि वे अपने कंटेंट और दर्शकों के साथ इस नए प्लेटफॉर्म का हिस्सा बन सकें. इससे डिजिटल दुनिया में पहले से लोकप्रिय चेहरों को भी नई कहानियों के जरिए दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा. इस प्लेटफॉर्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए एक बड़ी टेलीकॉम कंपनी को भी साथ जोड़ा गया है. इसका मकसद है कि मोबाइल पर वीडियो देखने वाले ज्यादा से ज्यादा दर्शक इस कंटेंट तक आसानी से पहुंच सकें. हालांकि, अभी इस कंपनी का नाम सामने नहीं आया है.

क्या होता है माइक्रोड्रामा

माइक्रोड्रामा ऐसे छोटे वीडियो एपिसोड होते हैं, जिनमें कहानी बहुत कम समय में आगे बढ़ती है. आमतौर पर हर एपिसोड में कोई नया मोड़ या दिलचस्प बात देखने को मिलती है, जिससे दर्शक अगला हिस्सा देखने के लिए उत्सुक रहते हैं. इसे खास तौर पर मोबाइल पर देखने के हिसाब से बनाया जाता है.





जयदीप अहलावत, अभिषेक बनर्जी और बरुण सोबती की तिकड़ी मचाएगी धमाल

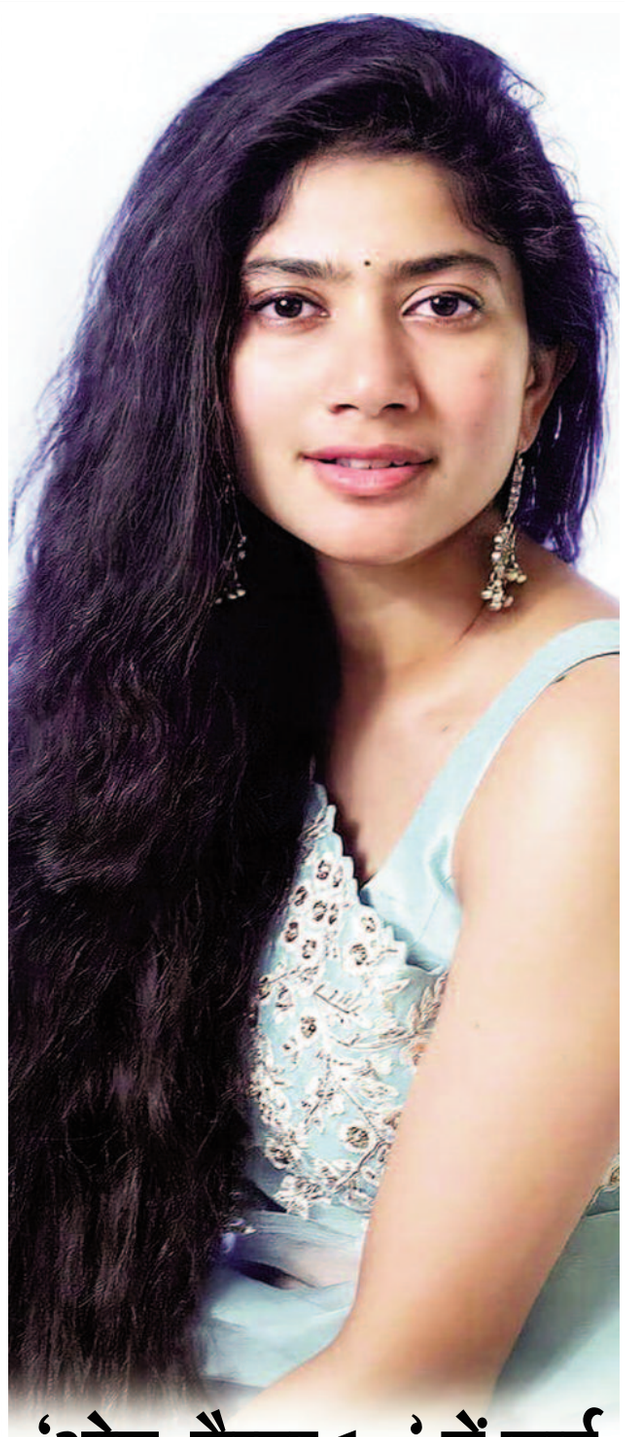
अभिनेता अभिषेक बनर्जी, जयदीप अहलावत और बरुण सोबती जल्द ही अपनी नई सीरीज 'पुष्पक विमान' में एक साथ नजर आएंगे। सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी द्वारा बनाई और लिखी गई यह सीरीज क्राइम और कॉमेडी का मजेदार मेल लेकर आ रही है। तीनों कलाकारों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होने वाला है। सुदीप शर्मा अब तक अपनी गंभीर और इंटेंस कहानियों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार वह 'पुष्पक विमान' के जरिए कॉमेडी के जॉनर में कुछ नया करने जा रहे हैं। यह सीरीज कुछ अनोखे किरदारों की कहानी है, जिनकी जिंदगी में होने वाली घटनाएं धीरे-धीरे एक अलग ही मोड़ ले लेती हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए सुदीप शर्मा ने बताया कि वह इस बार कुछ अलग करना चाहते थे। उनके मुताबिक, इस तरह की कहानी और नए जॉनर के साथ प्रयोग करने के लिए नेटफ्लिक्स एक अच्छा प्लेटफॉर्म है। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने भी इस सीरीज को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 'पुष्पक विमान' सुदीप शर्मा के साथ नेटफ्लिक्स की अगली फ्रेंचाइजी होगी।

रजनीकांत सर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा

अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म 'जेलर 2' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, 'रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है।' उन्होंने आगे कहा, 'जेलर 2' में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह-कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है।' फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, 'फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है और रजनीकांत सर के परिवार को बचाती है, तो वह एक असैसिन है। मुझे मार्शल आर्ट्स की थोड़ी बेसिक ट्रेनिंग भी है, जिसमें कटाना (जापान



की एक पारंपरिक, हल्की घुमावदार और एक धार वाली लंबी तलवार) और नंचक्स शामिल हैं। इस फिल्म में मैं कटाना और गन का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म में परफॉर्मेंस से पहले उन्होंने तीन दिन तक इंटेंस एक्शन ट्रेनिंग की थी। उन्होंने कहा, 'हमने पूरी एक्शन कोरियोग्राफी सीखी। इसके अलावा, मैंने अपनी जनरल फिटनेस पर भी ध्यान दिया। मैं आमतौर पर हफ्ते में कम से कम पांच दिन जिम जाती हूं। चेन्नई शेड्यूल के दौरान मेरा रूटीन काफी बिजी था। मैं शूट के बाद जिम जाती थी, फिर कार्डियो के लिए स्विमिंग और फिर स्टीम सेशन।



'ओमः चैप्टर 1...' में साई पल्लवी ने मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा किए

'ओमः चैप्टर 1 – उधिरमः द ब्लड वुड' के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च, जहां हजारों की तादाद में पहुंचे फैंस ने इस शाम को किसी बड़े फिल्मी जश्न में बदल दिया। धनुष, मम्मूट्टी, साई पल्लवी, श्रीलीला, निर्देशक राजकुमार पेरियासामी, निर्माता श्रद्धा अग्रवाल और म्यूजिक कंपोजर साई अभ्यंकर की मौजूदगी ने इस महफिल में चार चांद लगा दिए। फिल्म के इस खास जश्न में निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। धनुष सर जैसे इंसान के साथ यह सफर बेहद खूबसूरत रहा है। वहीं राजकुमार सर की फिल्म के प्रति मेहनत, लगन और समर्पण शानदार रहा है। 'ओम' को लेकर दर्शकों ने अब तक जो प्यार और उत्साह दिखाया है, वह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। उम्मीद है कि 20 नवंबर को फिल्म सिनेमाघरों में पहुंचने के बाद यह प्यार और भी बढ़ेगा।' वहीं साई पल्लवी ने अपने खास अंदाज में मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, 'पिछली फिल्म में मैं मम्मूट्टी-मम्मूट्टी कहती रहती थी और अब मम्मूट्टी सर के साथ



काम कर रही हूं। पता नहीं, मैंने ही इसे मैनिफेस्ट कर लिया था!' मम्मूट्टी के साथ काम करने के अनुभव पर साई बोलीं, 'वह 70 साल से ज्यादा उम्र के हैं, लेकिन मैंने सेट पर उनसे ज्यादा एनर्जेटिक एक्टर नहीं देखा। वह बिल्कुल बच्चे जैसे हैं। कैमरा रोल होने से पहले ही वह ऐसे प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते रहते थे। उनके साथ काम करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही।' निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने फिल्म और चेन्नई के साथ अपने खास जुड़ाव पर कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है।

चित्रांगदा सिंह ने की सलमान खान की जमकर तारीफ



अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह आगामी वॉर-ड्रामा फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में अभिनेता सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए बताया कि अभिनेता की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास ने शुरुआत में उन्हें थोड़ा नर्वस कर दिया था। अभिनेत्री ने बातचीत में सलमान खान की जमकर तारीफ की। चित्रांगदा का कहना है कि सलमान खान में दूसरों से बेस्ट निकलवाने की काबिलियत है और इसी वजह से उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार हो गया। उन्होंने कहा, 'सलमान खान के साथ काम करना वाकई शानदार और यादगार अनुभव रहा। उनकी प्रेजेंस बेहद दमदार है। कैमरे के सामने उनमें ऐसी सहजता और आत्मविश्वास रहता है कि शुरुआत में, तो मैं भी थोड़ा नर्वस हो गई थी, लेकिन उनके काम करने के तरीके में एक शानदार सहजता भी है, जो उनके साथ फ्रेम शेयर करना इतना मजेदार बना देती है और हर सीन में एक नेचुरल एनर्जी ले आती है।' चित्रांगदा सिंह ने 'मातृभूमि' के गानों में सलमान के साथ अपनी केमिस्ट्री को मिल रहे रिस्पॉन्स को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जब से 'मातृभूमि' के गाने आए हैं, तब से हमारी केमिस्ट्री को बहुत प्यार मिल रहा है और मैं इस रिस्पॉन्स को देखकर वाकई बेहद खुश हूं। जब दो एक्टर स्क्रीन पर एक खास कम्फर्ट और समझ शेयर करते हैं, तो दर्शक उसे महसूस कर पाते हैं और मुझे खुशी है कि हमारी जोड़ी दर्शकों को पसंद आ रही है।



संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड के फुकेत में कमर्शियल इमारत में लगी भीषण आग, 11 लोगों की मौत, 16 घायल

फुकेत, एजेंसी। सोमवार तड़के थाईलैंड के दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप फुकेत में एक कमर्शियल शॉपहाउस (व्यावसायिक इमारत) में भीषण आग लग गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। आग एक ऐसी इमारत में लगी जहां वाहनों को किराए पर देने का काम होता था, और बाद में यह आस-पास की कई अन्य इमारतों में फैल गई। यह इमारत फुकेत के पश्चिमी तट पर स्थित पातोंग बीच के पास एक शहरी इलाके में है। थाई अधिकारियों के अनुसार, आग तड़के लगभग 3:17 बजे लगी और दमकलकर्मियों को इसे काबू में करने में करीब दो घंटे का समय लगा। पुलिस ने बताया कि घायलों में 15 लोग थाई नागरिक थे और एक म्यांमार का नागरिक था। मरने वालों या घायलों में कोई भी पर्यटक शामिल नहीं था। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

एनवीडिया के सीईओ के तौर पर जेनसन हुआंग की वापसी की तैयारी, सहयोगियों ने बनाया वॉर रूम; रिपोर्ट में दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। जेनसन हुआंग एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी के तौर पर वापसी करने पर विचार कर रहे हैं और उन्होंने अपने करीबी लोगों के साथ इस संभावना पर चर्चा भी की है। फाइनेंशियल टाइम्स ने इस मामले की जानकारी रखने वालों के हवाले से बताया है कि सिलिकॉन वैली के अधिकारियों के लिए एक वॉर रूम तैयार किया जा रहा है, जो एनवीडिया के पूर्व प्रमुख की वापसी के लिए पैरवी करेगी। साथ ही वे व्हाइट हाउस से भी समर्थन जुटाने की कोशिश करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक जानकार व्यक्ति ने कहा, फ्रंटियर लैब्स के बाहर टेक जगत के सभी अहम लोग जेनसन को पसंद करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन प्रयासों को हुआंग का समर्थन हासिल है। यह रिपोर्ट उस खबर के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें बताया गया था कि जेनसेन हुआंग के संभावित उत्तराधिकारी की तलाश के दौरान एनवीडिया के बोर्ड ने ब्रिटिश चिपमेकर आर्म होल्डिंग्स के सीईओ रेने हास से संपर्क किया था। हालांकि एनवीडिया की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। गुरुवार को हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। इन संबंधों में एक ऐसा मामला भी शामिल है जिसमें एक संदिग्ध चीनी जासूस का नाम आ रहा है, जिससे कंपनी की एडवांस्ड एआई चिप्स के चीन को निर्यात पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस स्कैम ने चिप बनाने वाली कंपनी को संकट में डाल दिया है और एआई इंडस्ट्री में खलबली मचा दी है। एक ऐसी इंडस्ट्री जिसे खड़ा करने में उन्होंने खुद आर्थिक मदद दी थी।

भारत को लोकतंत्र पर लेक्चर देना गलत, वोट चोरी वाले तंज पर मेलोनी की सहयोगी का इटली के नेता को जवाब

रोम, एजेंसी। इटली की सांसद डेबोरा बर्गामिनी ने पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्सके महासचिव जियाकोमो फिलिबेक की आलोचना की है। फिलिबेक ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा था, वोट चोरों, गद्दी छोड़। के नारे लगाए थे। बर्गामिनी ने कहा कि किसी मित्र देश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों को दखल नहीं देना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, बर्गामिनी ने कहा कि भारत के पास अपने आंतरिक राजनीतिक विवादों को सुलझाने के लिए अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका मौजूद हैं। उन्होंने इटली और भारत के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी का भी जिक्र किया और कहा कि यूरोपीय प्रतिनिधियों का भारत को लोकतंत्र पर सीख देना सही नहीं है। डेबोरा बर्गामिनी फोर्जा इटालिया की सदस्य और राष्ट्रीय उप-महासचिव हैं। यह एक मध्य-दक्षिणपंथी राजनीतिक दल है, जो इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन का हिस्सा है। बर्गामिनी की यह टिप्पणी तब आई है, जब फिलिबेक ने हैदराबाद में कांग्रेस द्वारा आयोजित भारत समिट 2026 में हिस्सा लेते हुए भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रति अपना समर्थन भी जताया। यूरोपियन सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के एक इतालवी प्रतिनिधि ने, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए, प्रधानमंत्री मोदी की भाजपा पर हमला बोला और कहा: वोट चोरों, गद्दी छोड़। यह आलोचना मतदाता सूची में लंबे समय से लंबित संशोधन को लेकर है एक ऐसी प्रक्रिया जिसका उद्देश्य दोहरी प्रविष्टियों, मृत व्यक्तियों के नामों और अपनी जगह बदल चुके लोगों के नामों को सूची से हटाना है।

अब फैलने से पहले ही पकड़ा जाएगा कैंसर, नए ब्लड टेस्ट से जागी जिंदगी की नई उम्मीद



लंदन, एजेंसी। अंडाशय के कैंसर की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अक्सर इसका पता तब चलता है, जब बीमारी आसपास के ऊतकों तक फैल चुकी होती है। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने खून में एक ऐसे अणु की पहचान की है, जो कैंसर की शुरुआती कोशिकीय गड़बड़ियों का संकेत दे सकता है। नए अध्ययन में इस जांच से शुरुआती अवस्था के कुछ मामलों की पहचान करने में सफलता मिली है। हालांकि, इसे अभी नियमित जांच का विकल्प मानना जल्दबाजी होगी। अंडाशय के कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए अब खून की एक नई जांच उम्मीद की किरण बन सकती है।

नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने रक्त में टीयू-स्ट्रोमा नाम के एक अणु की मौजूदगी का पता लगाया है। अध्ययन के मुताबिक, इस अणु का स्तर उन लोगों में अधिक पाया गया, जिनमें अंडाशय के कैंसर की शुरुआती कोशिकीय गड़बड़ियां मौजूद थीं। इनमें वे लोग भी शामिल थे, जिनकी फैलोपियन ट्यूब की अंदरूनी परत में असामान्य कोशिकाएं थीं, लेकिन कैंसर आसपास के ऊतकों तक नहीं फैला था। यह अध्ययन एंजलिया रस्किन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं जस्टिन स्टेबिंग और एंजलिया रस्किन विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ताओं ने किया है। इसके निष्कर्ष द कन्वरसेशन में प्रकाशित लेख के माध्यम से सामने आए हैं।

कैंसर की शुरुआत फैलोपियन ट्यूब से भी : अंडाशय के कैंसर का सबसे आम और तेजी से फैलने वाला प्रकार हाई-ग्रेड सीरस ओवेरियन कैंसर है। इसकी शुरुआत कई मामलों में अंडाशय के बजाय फैलोपियन ट्यूब में होती है। ये नलिकाएं अंडाशय से अंडों को गर्भाशय तक पहुंचाती हैं। इस कैंसर की शुरुआती कोशिकीय गड़बड़ियां इतनी सूक्ष्म होती हैं कि कई बार सर्जरी के बाद फैलोपियन ट्यूब के ऊतकों की सूक्ष्मदर्शी से जांच करने पर ही उनका पता चलता है। इस शुरुआती स्थिति को सीरस ट्यूबल इंट्राएपिथीलियल कार्सिनोमा यानी स्टिक कहा जाता है। इसमें असामान्य कोशिकाएं फैलोपियन ट्यूब की अंदरूनी परत तक सीमित रहती हैं और आसपास के ऊतकों में नहीं फैली होतीं। नए अध्ययन में संकेत मिला है कि रक्त में टीयू-स्ट्रोमा की मात्रा मापकर इस तरह के शुरुआती बदलावों की पहचान करना संभव हो सकता है। शोधकर्ताओं ने 506 लोगों के पहले से सुरक्षित रखे गए रक्त नमूनों का विश्लेषण किया। इनमें 43 लोग ऐसे थे, जिनमें स्टिक की स्थिति मौजूद थी। यानी उनकी फैलोपियन ट्यूब की अंदरूनी परत में असामान्य कोशिकाएं थीं, लेकिन कैंसर आसपास के ऊतकों तक नहीं पहुंचा था। टीयू-स्ट्रोमा एक प्रकार का ऋह है जो कोशिकाओं के कामकाज को नियंत्रित करने में भूमिका निभाता है। पहले के शोध में पता चला था कि अंडाशय के कैंसर की कोशिकाएं इस अणु को छोटी थैलियों जैसी संरचनाओं में छोड़ सकती हैं। इन्हें एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल्स कहा जाता है। ये कोशिकाओं के बीच संदेश पहुंचाने वाले सूक्ष्म पैकेट की तरह काम करती हैं। शोधकर्ताओं ने खून में मौजूद इन पैकेटों के भीतर टीयू-स्ट्रोमा की मात्रा मापी। अलग समूह के नमूनों पर जांच की सटीकता परखने के दौरान इस जांच से स्टिक से पीड़ित करीब 92 प्रतिशत लोगों की पहचान हो गई। वहीं, तुलना के लिए शामिल स्वस्थ लोगों में करीब 98 प्रतिशत की जांच में स्टिक के संकेत नहीं मिले। फिलहाल अंडाशय के कैंसर की आशंका होने पर डॉक्टर सीए125 नाम के प्रोटीन की मात्रा जानने के लिए रक्त जांच करा सकते हैं। कैंसर होने पर इसका स्तर बढ़ सकता है, लेकिन यह जांच पूरी तरह सटीक नहीं है। डोमेट्रियोसिस जैसी गैर-कैंसरकारी स्थिति में भी सीए125 का स्तर बढ़ सकता है वहीं, कुछ लोगों में अंडाशय का कैंसर शुरुआती अवस्था में होने के बावजूद अंडाशय के कैंसर के लक्षणों में पेट फूलना, लगातार पेट दर्द, थोड़ा खाना खाने के बाद ही पेट भरने का एहसास और बार-बार पेशाब आने की समस्या शामिल हो सकती है। ये लक्षण दूसरी बीमारियों में भी दिखाई देते हैं। लेकिन यदि ये लगातार बने रहें या बार-बार उभरें तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। शोध के नतीजे उत्साहजनक हैं, लेकिन इसकी कुछ अहम सीमाएं भी हैं। अध्ययन में ऐसे लोगों के रक्त नमूनों का विश्लेषण किया गया, जिनकी बीमारी की स्थिति पहले से मालूम थी। इसके अलावा स्टिक से पीड़ित लोगों की संख्या भी कम थी। इसलिए अभी यह साबित नहीं हुआ है कि बिना किसी लक्षण वाले लोगों की बड़ी आबादी में इस जांच से कैंसर की समय रहते पहचान हो सकेगी।

बीएलए को मिला नया कमांडर-इन-चीफ, पाकिस्तानी सेना का पूर्व कैप्टन रहमान गुल संभालेगा संगठन की कमान



कराची, एजेंसी। पाकिस्तान में सक्रिय अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी ने अपने नेतृत्व में बड़ा बदलाव किया है। संगठन ने रहमान गुल उर्फ मुरीद को नया कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया है। खास बात यह है कि रहमान गुल पहले पाकिस्तानी सेना में कैप्टन के पद पर तैनात रह चुका है। सेना छोड़ने के बाद वह बीएलए में शामिल हो गया था और संगठन की महत्वपूर्ण सैन्य इकाई मजीद ब्रिगेड की जिम्मेदारी भी संभाल चुका है। बीएलए के मुताबिक, नए प्रमुख की नियुक्ति वरिष्ठ कमांड काउंसिल के सदस्यों और सभी कमांडरों की सहमति से की गई है। रहमान गुल का जन्म 14 अगस्त 1984 को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के नौशकी में हुआ था। उसने पेशावर विश्वविद्यालय से पढ़ाई की। साल 2002 में वह पाकिस्तानी सेना में भर्ती हुआ और 19वीं फ्रंटियर फोर्स रेजिमेंट में तैनात रहा। उसने करीब आठ साल तक कैप्टन के पद पर सेवाएं दीं। हालांकि, साल 2010 में उसने पाकिस्तानी सेना छोड़ दी और बलूच लिबरेशन आर्मी से जुड़ गया। इसके बाद वह संगठन में तेजी से आगे बढ़ा और एक प्रमुख सैन्य कमांडर के रूप में उसकी पहचान बनी। बीएलए में शामिल होने के बाद रहमान गुल को संगठन की अहम सैन्य इकाई मजीद ब्रिगेड की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह संगठन की आत्मघाती हमलों से जुड़ी इकाई मानी जाती है।

इस ब्रिगेड का नाम पाकिस्तान में सुरक्षा बलों और चीनी नागरिकों को निशाना बनाकर किए गए कई हमलों के संदर्भ में सामने आता रहा है। मार्च 2025 में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर हुए हमले की जिम्मेदारी भी बीएलए ने ली थी। इस घटना के बाद संगठन की गतिविधियों और उसकी सैन्य रणनीति को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हुई थी। बशीर जेब की जगह मिली जिम्मेदारी बीएलए ने 3 नवंबर को बशीर जेब बलूच को कमांडर-इन-चीफ के पद से हटाने का ऐलान किया था।

इजराइल का गाजा में फिर बड़ा हमला, हमास की राफा ब्रिगेड का कमांडर किया ढेर

गाजा, एजेंसी। इजराइली सुरक्षाबलों ने दक्षिणी गाजा में शनिवार देर रात किए गए हवाई हमलों में हमास के शीर्ष कमांडर समीर महमूद हसन अबू यूनुस को मार गिराया। इजराइल ने रविवार को इसकी जानकारी दी। हमास ने भी एक बयान जारी कर अपनी राफा ब्रिगेड के कमांडर अबू यूनुस की मौत की पुष्टि की है। संगठन के अनुसार, उसका अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा। इजराइली सेना ने बताया कि शनिवार आधी रात के तुरंत बाद किए गए हमले में अबू यूनुस मारा गया। सेना के मुताबिक, वह हमास की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ इजराइल के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने का निर्देशन कर रहा था।

गौरतलब है कि करीब दो महीने पहले अबू यूनुस से पहले राफा ब्रिगेड के कमांडर रहे व्यक्ति को भी इजराइली हमले में मार दिया गया था। रविवार को इजराइली सेना ने हमास के अन्य लड़ाकों को भी निशाना बनाने की जानकारी दी, हालांकि उनके बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। इस बीच ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया है कि उसने बहरीन में अमेरिकी हेलीकॉप्टर अड्डे पर स्थापित एक रडार प्रणाली को निशाना बनाया है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने यह जानकारी दी। हालांकि, अमेरिकी सेना की केंद्रीय कमान ने इस दावे पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

अमेरिकी केंद्रीय कमान ने बताया था कि उसने बहरीन की ओर बढ़ रहे ईरान के दो ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के उस दावे को भी खारिज किया था, जिसमें उसने बहरीन में अमेरिका की पूर्व चेतावनी रडार प्रणाली पर हमला करने की बात कही थी। उधर, यमन की राजधानी सना में हुए हवाई हमले में दो महिलाओं और दो बच्चों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह दावा किया है। उन्होंने हमले के लिए सऊदी अरब को जिम्मेदार ठहराया, हालांकि इसके समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया।

प्राइवेट कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले, 2 और 3 दिसंबर को मिलेगी छुट्टी; क्यों लिया गया फैसला?



अबू धाबी/दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात में काम करने वाले प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। देश की सरकार ने 55वें यूनियन डे यानी ईद अल एतिहाद 2026 के पावन अवसर पर प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों के लिए दो दिनों की पेड छुट्टी का ऐलान किया है। इस घोषणा के तहत बुधवार, 2 दिसंबर और गुरुवार, 3 दिसंबर 2026 को निजी कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों को बिना वेतन कटे सार्वजनिक अवकाश का लाभ मिलेगा। यूएई के मानव संसाधन और अमीरातीकरण मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक आधिकारिक पोस्ट के जरिए इस फैसले की पुष्टि की है। मंत्रालय के अनुसार, यह दो दिवसीय पेड छुट्टी देश के सभी सात अमीरातों में संचालित होने वाली निजी क्षेत्र की कंपनियों पर पूरी तरह लागू होगी।

दूसरी ओर, फेडरल अथॉरिटी फॉर गवर्नमेंट ह्यूमन रिसोर्सेज ने सरकारी कर्मचारियों के लिए 2 दिसंबर से 4 दिसंबर 2026 तक तीन दिनों का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। ऐसे में सरकारी कर्मचारियों को 4 दिसंबर के बाद वीकेंड की छुट्टी का भी लाभ मिलेगा और सरकारी कार्यालयों में कामकाज 7 दिसंबर (सोमवार) से पुनः प्रारंभ होगा। क्यों मनाया जाता है ईद अल एतिहाद? अरबी भाषा में ईद अल एतिहाद का अर्थ यूनियन डे होता है, जिसे हर साल 2 दिसंबर को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है। 2 दिसंबर 1971 को संयुक्त अरब अमीरात का ऐतिहासिक गठन हुआ था, जिसमें शुरुआत में छह अमीरात एकजुट हुए थे और बाद में फरवरी 1972 में रास अल खैमाह इस संघ का हिस्सा बना था। देश के संस्थापक और पहले राष्ट्रपति शेख जायद बिन सुल्तान अल नाहयान ने यूएई के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस वर्ष यूएई अपनी स्थापना की 55वीं वर्षगांठ मना रहा है। आतिशबाजी, एयर शो और विशेष ऑफर्स से सजेगा यूएई ईद अल एतिहाद के पावन अवसर पर दुबई और अबू धाबी सहित देश के विभिन्न शहरों में बड़े पैमाने पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उत्सव के दौरान शानदार आतिशबाजी, लाइट शो, सैन्य परेड, एयर शो और पारंपरिक अमीराती सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

इसके साथ ही सरकारी इमारतों, शॉपिंग मॉल, सड़कों और आवासीय परिसरों को यूएई के राष्ट्रीय ध्वज के रंगों—लाल, हरे, सफेद और काले से भव्य रूप से सजाया जाएगा। ऐतिहासिक संग्रहालयों व हेरिटेज विलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे और शॉपिंग मॉल, होटल व मनोरंजन स्थलों पर विशेष ऑफर्स दिए जाएंगे।

एनवीडिया ही नहीं, ड्रैगन के निशाने पर पूरी दुनिया



वाशिंगटन, एजेंसी। एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े ताजा मामले ने चीनी जासूसी के दायरे को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की है। इस घटना ने दुनिया भर की सरकारों द्वारा बताए जा रहे उस चीनी अभियान की ओर ध्यान खींचा है, जिसका मकसद व्यावसायिक-तकनीकी जानकारियों को जुटाना और सैन्य योजनाओं की खुफिया जानकारी चुराना है।

वहीं बीजिंग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे बदनामी की साजिश करार दिया है. चीन ने कहा है कि अमेरिका तकनीक निर्यात प्रतिबंधों को जायज ठहराने के लिए चीनी जासूसी की कहानियां गढ़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह गतिविधि वैश्विक स्तर पर चल रही है। जर्मनी का आरोप है कि एक कपल ने यहां अनुवादक और ऑटो-उद्योग के कर्मचारी बनकर द्ध, कंप्यूटर विज्ञान और एयरोस्पेस के जानकारों से संपर्क बढ़ाया। उन्होंने इनमें से कुछ लोगों को चीन ले जाकर वहां की सरकारी हथियार कंपनियों के लिए नागरिक (सिविलियन) विषयों पर व्याख्यान दिलवाए। दुनियाभर में एक्टिव है चीन का खुफिया नेटवर्क ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूजीलैंड की खुफिया एजेंसी का कहना है कि सरकार से करीबी संबंध रखने वाली एक चीनी (ऑब्जर्वेटरी) ने एक स्थानीय कंपनी के जरिए अंतरिक्ष-ट्रैकिंग उपकरण लगाने की कोशिश की, जिसका मकसद सैन्य खुफिया जानकारी जुटाना था। ताइवान का कहना है कि चीनी एजेंट सोशल मीडिया पर कर्ज में डूबे सैनिकों को निशाना बनाते हैं। वे उन्हें लोन का लालच देकर फंसाते हैं और फिर उनसे गोपनीय जानकारियां निकलवाते हैं या उनके साथियों से परिचय मांगते हैं। एफबीआई ने चीनी जासूसी को अमेरिका की आर्थिक भलाई के लिए एक गंभीर खतरा बताया है। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमएलजेड 5 ने 2022 में कहा था कि वह चीन से जुड़ी सात गुना अधिक जांच कर रही है, जितनी चार साल पहले कर रही थी। कनाडा की खुफिया एजेंसी चीन को अपना सबसे बड़ा काउंटर-इंटेलिजेंस खतरा मानती है, जबकि डच खुफिया एजेंसी का कहना है कि चीनी डिजिटल जासूसी, जो तकनीकी कंपनियों को निशाना बनाती है। ब्रिटेन की संसदीय निगरानी संस्था ने चीन की व्यवस्था को दुनिया का सबसे बड़ा सरकारी खुफिया तंत्र बताया है, जिसमें सेना, पुलिस और पार्टी के अंग भी शामिल हैं। फिलीपींस में, संदिग्ध जासूसों ने युद्धपोतों और नौसैनिक अड्डे के पास ड्रोन का इस्तेमाल किया। इसके अलावा, उन्होंने ऐसे वाहनों का भी उपयोग किया जिनमें नकली सेलफोन टावर, कैमरे और मैपिंग तकनीक लगी थी, ताकि संवेदनशील जगहों की निगरानी की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि इन एजेंटों ने रक्षा प्रतिष्ठान के लोगों को अपने साथ मिलाया और नौसैनिक कर्मियों के नाम हासिल किए।

पीठ से जुड़े पैदा हुए जुड़वां भाईयों की हुई दुर्लभ सर्जरी, 22 डॉक्टरों की टीम ने 40 दिन के बच्चों को किया अलग



बैंकाक, एजेंसी। मलेशिया में डॉक्टरों ने एक बेहद दुर्लभ और जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए पीठ के निचले हिस्से से जुड़े दो जुड़वां बच्चों को अलग कर दिया। ऑपरेशन के समय दोनों बच्चे महज 40 दिन के थे। इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी में विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक बड़ी टीम शामिल थी।

फिलहाल दोनों बच्चों को अस्पताल में विशेष निगरानी और देखभाल में रखा गया है। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों बच्चे पाइगोपैगस नामक दुर्लभ चिकित्सकीय स्थिति के साथ पैदा हुए थे। इसमें जुड़वां बच्चे शरीर के पिछले हिस्से से जुड़े होते हैं। इस मामले में उनकी निचली रीढ़, त्रिकास्थि और श्रोणि आपस में जुड़ी हुई थीं। अस्पताल के मुताबिक, शुरुआत में योजना बनाई गई थी कि बच्चों के चार से छह महीने का होने के बाद उन्हें अलग करने का ऑपरेशन किया जाएगा। हालांकि, एक बच्चे को नवजात देखभाल इकाई में सांस लेने के लिए अधिक सहायता की जरूरत पड़ने लगी। बच्चों के साझा अंग तंत्र पर बढ़ते शारीरिक दबाव को देखते हुए डॉक्टरों ने ऑपरेशन निर्धारित समय से पहले करने का फैसला किया। सितंबर में दोनों बच्चों को अलग करने की जटिल सर्जरी की गई। इस ऑपरेशन में डॉक्टरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती बच्चों के साझा अंगों को अलग करते हुए उनके शरीर के महत्वपूर्ण कार्यों को सुरक्षित रखना था। बच्चों के सर्जनों ने सबसे पहले दोनों के साझा आंतों और मूत्र तंत्र को अलग किया। इसके बाद अलग-अलग गुदा द्वार बनाए गए और मूत्र मार्ग का पुनर्निर्माण किया गया। डॉक्टरों ने श्रोणि तल की संरचना को भी दोबारा तैयार किया। वहीं, तंत्रिका शल्य चिकित्सकों ने रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से के आसपास नसों की पहचान करने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया। इसका उद्देश्य रीढ़ की नसों के कार्य को सुरक्षित रखना और बच्चों के पैरों की गति बनाए रखना था। इस जटिल सर्जरी में कुआलालंपुर के तुंकू अजीजा अस्पताल और सरवाक जनरल अस्पताल के विशेषज्ञों की बहुविषयक टीम शामिल थी।

पत्नी को बेहोश कर दोस्तों से करवाता रेप; खुद करता ऑनलाइन लाइवस्ट्रीम, पीड़िता ने टीवी पर खोली दरिंदे पति की पोल



लंदन एजेंसी। शादी के बाद जिस शख्स पर एक महिला ने सबसे ज्यादा भरोसा किया, वही उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा गुनहगार निकला। ब्रिटेन की एक महिला ने खुलासा किया है कि उसका पति उसे नशीली दवाएं देकर बेहोश कर देता था। इसके बाद दूसरे पुरुषों को घर बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म करवाता था और खुद इन घटनाओं को देखता था। इतना ही नहीं, वह कथित तौर पर इन घटनाओं का ऑनलाइन सीधा प्रसारण भी करता था। महिला को करीब पांच साल तक अपने साथ हो रही इस हैवानियत का पता नहीं चला। एक रात अचानक नींद खुलने पर जब उसने खुद को एक अनजान व्यक्ति के यौन हमले का शिकार पाया और दरवाजे पर पति को खड़ा देखा, तब इस खौफनाक सच्चाई का खुलासा हुआ। अब महिला ने अपनी पहचान सार्वजनिक करते हुए ब्रिटिश टेलीविजन चैनल आईटीवी न्यूज पर आपबीती सुनाई है।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने इस सप्ताह अपनी पहचान सार्वजनिक करने का फैसला किया। उन्होंने आईटीवी न्यूज को बताया कि बाहर से उनका पति बिल्कुल सामान्य दिखाई देता था। परिवार की तस्वीरों में दोनों की जिंदगी खुशहाल नजर आती थी, लेकिन घर के भीतर उसका व्यवहार हिंसक और नियंत्रण करने वाला था। महिला के मुताबिक, पति उनकी डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाओं पर पूरा नियंत्रण रखता था। एक घरेलू वीडियो में भी वह उन्हें दवा लेने के लिए कहता दिखाई देता है। महिला को संदेह है कि इन दवाओं का इस्तेमाल उन्हें बेहोश रखने के लिए किया जाता था, ताकि पति दूसरे पुरुषों के साथ मिलकर उनका यौन शोषण कर सके। उन्होंने बताया कि पति कई बार उनके पेय पदार्थ में दवाओं का पाउडर मिला देता था। बाद में उसने जीएचबी नामक नशीले पदार्थ का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। यह ऐसा पदार्थ है, जिसके सेवन से व्यक्ति बेहोश हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, पति ने कार के पहिए साफ करने वाले एक रासायनिक पदार्थ के जरिए भी इसका इस्तेमाल किया था। महिला ने उस रात का भयावह अनुभव भी साझा किया, जब पहली बार उन्हें अपने साथ हो रही हैवानियत का एहसास हुआ। उन्होंने बताया कि एक रात वह रसोई में पति के साथ बैठी थीं। पति ने साथ में पेय पीने का सुझाव दिया और उनके लिए जिन एंड टॉनिक बनाया। महिला को जरा भी अंदाजा नहीं था कि पति उनके पेय में कुछ मिला सकता है। उन्हें यह भी याद नहीं कि उन्होंने पूरा पेय खत्म किया था या नहीं। कुछ घंटे बाद जब उनकी आंख खुली तो वह बिस्तर पर बिना कपड़ों के थीं और एक अनजान व्यक्ति उनका दुष्कर्म कर रहा था। उन्होंने तुरंत बगल में देखा तो पति दरवाजे पर खड़ा था। उस समय उन्हें लगा कि अब उनकी हत्या कर दी जाएगी। हालांकि, उन्होंने हिम्मत दिखाई और तेजी से बिस्तर पर पीछे की ओर खिसकने लगीं। इसके बाद वह व्यक्ति उठकर वहां से भाग गया। बाद में महिला को पता चला कि उनके साथ यह अपराध केवल एक या दो बार नहीं हुआ था। पति लंबे समय तक उन्हें नशीला पदार्थ देकर बेहोश करता रहा और दूसरे पुरुषों को घर बुलाकर उनका यौन शोषण करवाता रहा। वर्ष 2022 में महिला के पति को इन अपराधों के लिए 14 साल और आठ महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। उस समय उसकी उम्र 43 वर्ष थी और वह ब्रिस्टल का रहने वाला था। उसने तीन बार दुष्कर्म, तीन बार दुष्कर्म की कोशिश, एक यौन हमले और जहरीला पदार्थ देने के अपराध स्वीकार किए थे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)